संस्कृति मंत्रालय
MINISTRY OF
CULTURE

वार्षिक
प्रतिवेदन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति

2024
25

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति

वार्षिक प्रतिवेदन
2024-2025

अनुक्रमणिका

उपाध्यक्ष का संदेश	05
गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति : एक परिचय	06
समिति की संरचना	12
महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि	13
महत्वपूर्ण पहल	17
विशेष कार्यक्रम	21
सेमीनार/संवाद	26
स्मरण कार्यक्रम	32
बच्चों के लिए कार्यक्रम	38
युवाओं के लिए कार्यक्रम	56
महिलाओं के लिए कार्यक्रम	68
हिन्दी को बढ़ावा देने के कार्यक्रम	71
हर घर तिरंगा अभियान	74
स्वच्छता ही सेवा अभियान 4.0	79
चंपारण में कार्यक्रम	85
गांधी दर्शन आर्ट गेलरी में प्रदर्शनी	89
अंतर्राष्ट्रीय गांधी अध्ययन एव शोध केंद्र	93
विविध कार्यक्रम	97
पुस्तकालय /प्रलेखन / प्रकाशन	105
आगंतुक	106
मीडिया में	122

उपाध्यक्ष का संदेश

नवाचारों से गांधी को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति का मिशन हमेशा स्पष्ट रहा है – महात्मा गांधी के आदर्शों को जीवित और प्रासंगिक बनाए रखना तथा उन्हें समाज के केंद्र तक पहुँचाना, ताकि वे बदलते और प्रगतिशील भारत के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन सकें।

आज जब विश्व संघर्ष, असहिष्णुता और सामाजिक अशांति से घिरा हुआ है, तब मानवता को जिस नेतृत्व की सबसे अधिक आवश्यकता है, वह महात्मा गांधी का नेतृत्व है। उनका नैतिक साहस, करुणा और संवाद के प्रति प्रतिबद्धता आधुनिक संकटों के लिए स्थायी समाधान प्रस्तुत करते हैं।

जब मुझे समिति के उपाध्यक्ष के रूप में सेवा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई, तब एक विचार ने मेरे प्रयासों को दिशा दी—महात्मा गांधी के विचार केवल संग्रहालयों की दीवारों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि उन्हें नई पीढ़ी के मन और हृदय तक पहुँचना चाहिए। मेरा प्रमुख उद्देश्य गांधी स्मृति—वह पवित्र स्थल जहाँ महात्मा गांधी ने अपने जीवन के अंतिम दिन बिताए और शहीद हुए—को केवल एक ऐतिहासिक परिसर से आगे बढ़ाकर बच्चों, युवाओं, कलाकारों और विद्वानों के लिए एक जीवंत और सृजनात्मक प्रयोगशाला के रूप में विकसित करना था।

इसी दृष्टि के साथ कई पहलें की गईं। इनमें से एक थी 'महात्मा गांधी रेलवे कोच', जो गांधी जी की परिवर्तनकारी यात्राओं से प्रेरित है। इसे गांधी दर्शन, राजघाट में स्थापित किया गया, जहाँ उनकी रेल यात्राओं और सत्याग्रह के प्रयोगों को पुनः सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया है। हाल के वर्षों में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दिया है। इन्हीं आदर्शों से प्रेरित होकर हमने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान भी शुरू किया। इसके अतिरिक्त, यह समझते हुए कि आज के युवा तथ्य और तार्किक संवाद की अपेक्षा रखते हैं, हमने नियमित रूप से गांधी क्विज़, बौद्धिक चर्चाएँ और युवा नेतृत्व कार्यशालाएँ आयोजित की हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समकालीन संदर्भों में गांधीवादी विचारों की व्याख्या की जाती है और यह बताया जाता है कि सत्य फेक न्यूज़ का सबसे सशक्त उत्तर है तथा अहिंसा सार्थक संवाद की आधारशिला है। इसी दिशा में गांधी दर्शन, राजघाट में "गांधी दर्शन आर्ट गैलरी" की भी स्थापना की गई, जहाँ प्रसिद्ध और उभरते कलाकार अपनी कृतियाँ प्रदर्शित करते हैं और यह धीरे-धीरे दिल्ली के कला प्रेमियों के लिए एक आकर्षक केंद्र बनती जा रही है।

इसके अतिरिक्त, युवाओं को प्रेरित करने के लिए 'गांधी स्मृति व्याख्यान श्रृंखला' की शुरुआत की गई, जो बौद्धिक संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच है। इस मंच पर बिहार के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान, असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री शिव कुमार शुक्ला, प्रख्यात चिंतक डॉ. करण सिंह, तथा दक्षिण अफ्रीका के उच्चायुक्त प्रो. अनिल सूकलाल जैसे विशिष्ट वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए हैं। यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि समिति अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों के बीच 'गांधी को समझने' का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है। ब्राज़ील, वियतनाम, जापान, ज़ाम्बिया, जर्मनी, पुर्तगाल और कई यूरोपीय देशों के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि इस ऐतिहासिक स्थल का दौरा कर चुके हैं।

वर्ष के दौरान हमने 'कलम-कॉपी अभियान', 'टेकिंग गांधी टू स्कूल्स' पहल को सुदृढ़ करना, स्वच्छ भारत अभियान, सांस्कृतिक एवं चित्रकला प्रतियोगिताएँ, झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के लिए 'गांधी समर स्कूल', महिला नेतृत्व कार्यक्रम तथा गांधी स्मृति के नियमित शैक्षिक भ्रमण जैसे कई कार्यक्रम भी प्रारंभ किए।

आज का भारत अवसरों का एक विशाल सागर है। लेकिन अवसर तभी सार्थक बनते हैं जब उन्हें मूल्यों, चरित्र और अनुशासन का मार्गदर्शन प्राप्त हो। महात्मा गांधी उस प्रकाश का प्रतीक हैं, और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी उस ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं जो उस प्रकाश को समाज के हर कोने तक पहुँचाने में सहायक बन रही है।

विजय गोयल
उपाध्यक्ष
अध्यक्ष, कार्यकारी समिति

गांधी स्मृति एवं दर्शन समितिः एक रूपरेखा

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति का गठन 1984 में राजघाट स्थित गांधी दर्शन एवं 5, तीस जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति के विलय द्वारा 1984 में एक स्वायत्त निकाय के रूप में हुआ था और यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के रचनात्मक सुझाव और वित्तीय सहायता के तहत कार्यशील है। भारत के प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष हैं और इसके पास वरिष्ठ गांधीवादियों एवं सरकार के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों का एक मनोनीत निकाय है जो इसे इसकी गतिविधियों के लिए दिशानिर्देश देते हैं। समिति का मूलभूत उद्देश्य और लक्ष्य विभिन्न सामाजिक.शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये महात्मा गांधी के जीवनए मिशन एवं विचारों को प्रचारित करना है। समिति के दो परिसर हैंः

(क) गांधी स्मृति

5 तीस जनवरी मार्ग नई दिल्ली के पुराने बिड़ला भवन पर स्थित गांधी स्मृति वह पवित्र स्थल है जहां महात्मा गांधी ने अपने नश्वर शरीर का 30 जनवरी 1948 को त्याग किया था। महात्मा गांधी इस घर में 9 सितंबर 1947 से 30 जनवरी 1948 तक रहे थे। इस भवन में उनके जीवन के अंतिम 144 दिनों की स्मृतियां संजोई हुई हैं। पुराने बिड़ला भवन को भारत सरकार ने 1971 में अधिग्रहित कर लिया और इसे राष्ट्रपिता के स्मारक के रूप में परिवर्तित कर दिया, जिसे 15 अगस्त 1973 को आम जनता के लिए खोल दिया गया।

यहां जो जगह संरक्षित हैं उनमें वह कमरा, जिसमें गांधी जी रहते थे और वह प्रार्थना मैदान जहां आम जनसभा होती थी, शामिल हैं। इसी स्थान पर गांधी जी हत्यारे की गोलियों के शिकार हुए। भवन और परिदृश्य को उसी प्रकार संरक्षित रखा गया है जिस प्रकार वे उन दिनों थे। इस स्मारक की संरचना में शामिल हैं

1 महात्मा गांधी और उनके उन महान आदर्शों, जिनका वे प्रतिनिधित्व करते थे की याद को बनाये रखने के लिए दृश्यात्मक पहलू
2 जीवन के कुछ खास मूल्यों, जिन्होंने गांधी को महात्मा बनाया पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शैक्षणिक पहलू और
3 सेवा से संबंधित गतिविधियां। संग्रहालय में जो चीजें प्रदर्शित की गई हैं

उनमें गांधी जी ने जितने वर्ष यहां व्यतीत किए हैं उनसे संबंधित तस्वीरें, वास्तुशिल्पए चित्र, भित्तिचित्र, शिलालेख और

गांधी स्मृति परिसर और महात्मा गांधी कक्ष के प्रवेश द्वार का दृश्य

स्मृति चिन्ह शामिल हैं। गांधी जी की कुछ व्यक्तिगत ज़रूरत की चीज़ों को भी बहुत संभाल कर यहां संरक्षित किया गया है।

इसका प्रवेश द्वार भी बहुत ऐतिहासिक महत्व का है क्योंकि इसी द्वार के शीर्ष से प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने दुनिया को महात्मा गांधी की मृत्यु हो जाने की सूचना दी थी- "हमारे जीवन से प्रकाश चला गया है और हर जगह अंधेरा छा गया है"

महात्मा गांधी की एक आदमकद प्रतिमा जिसमें ग्लोब से निकलते हुए एक लड़का और एक लड़की अपने हाथों में एक कबूतर को थाम कर उनकी बगल में दोनों तरफ खड़े हुए हैं, जो ग़रीबों और वंचितों के लिए उनकी सार्वभौमिक चिंता को दर्शाती है, गांधी स्मृति के मुख्य प्रवेश स्थल पर आगंतुकों का स्वागत करती है। यह विख्यात मूर्तिकार श्री राम सुतार की कृति है। मूर्ति के निचले हिस्से पर बापू का कथन उल्लिखित है -मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।

जहां राष्ट्रपति की हत्या हुई थी, वहां एक शहीद स्तंभ बनाया गया है। स्तंभ के चारों तरफ श्रद्धालुओं के लिए एक श्रद्धापूर्ण परिक्रमा करने हेतु पत्थर का एक विस्तृत मार्ग बनाया है। स्तंभ के सामने एक चौड़ी जगह बनाई गई है जिस पर श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। स्तंभ के निकट निचले मैदान पर गुरूदेव टैगोर के शब्द अंकित हैं- वह प्रत्येक झोंपड़ी की देहरी पर रूके थे।

प्रार्थना स्थल के केंद्र में एक मंडप है जिसकी दीवारों पर भारत की सांस्कृतिक यात्रा की अनवरतता, दुनिया के साथ उसके संबंध एवं एक सार्वभौमिक व्यक्ति के रूप में महात्मा गांधी के उद्भव और उनके व्यक्तित्व में सन्निहित मानव जीवन की सभी दैवीय चीजों का चित्रण करते भित्तिचित्र हैं। ठीक वैसा ही जैसा कि उन्होंने कहाः मेरी भौतिक आवश्यकताओं के लिए मेरा गांव मेरी दुनिया है लेकिन मेरी आध्यात्मिक ज़रूरतों के लिए संपूर्ण दुनिया मेरा गांव है।

मंडप के बाहर लाल बालुशाही पत्थर से निर्मित एक बेंच है, जिस पर महात्मा गांधी प्रार्थना के दौरान या विशाल जनसमूह से जो उन कष्टकारी दिनों में उनसे सलाह लेने और शांति पाने के लिए पुराने बिड़ला भवन के लॉन में एकत्र होते थे, बातचीत के दौरान बैठा करते थे।

हरी घास का मैदान प्रार्थना स्थल की मुख्य विशेषता है जो सफेद फूलों की सजावटपूर्ण परिधि से चारों तरफ से घिरा हुआ है। स्मारक स्थल के प्रवेश के दाहिने लॉन के निकट खुदा हुआ है -गांधीजी के सपनों का भारत। प्रार्थना स्थल के निकट के घुमावदार मार्ग पर अल्बर्ट आइंस्टीन के शब्द लिखे हुए हैं -आने वाली पीढ़ियां मुश्किल से यकीन करेंगी.. .। घुमावदार मार्ग के केन्द्र में विख्यात कलाकार शंख चौधरी की कांसे से निर्मित एक कृति है जो गांधी जी द्वारा अपने बलिदान से जलाई गई 'शाश्वत शिखा' का प्रतीक है।

गांधी स्मृति में गांधी जी के कमरे को ठीक उसी प्रकार रखा गया है जैसा यह उनकी हत्या के दिन था। उनकी सारी चीजें, उनका चश्मा, छड़ी, एक चाकू, कांटा और चम्मच, वह खुरदुरा पत्थर जिसका इस्तेमाल वह साबुन की जगह करते थे, प्रदर्शन के लिए रखी गई हैं। उनका बिस्तर फर्श पर बिछी एक चटाई पर था जो सफेद और सादा था जिसकी बगल में लकड़ी की एक नीची तख्ती रखी रहती थी। भगवद् गीता की एक पुरानी और उनके द्वारा उपयोग में आ चुकी एक प्रति भी रखी हुई हैं।

पूरे भवन को अब विभिन्न खंडों में विभाजित कर दिया गया है। भवन के मुख्य प्रवेश के दोनों तरफ महात्मा द्वारा रचित -ए सर्वेंट्स प्रेयर यानी एक सेवक की प्रार्थना और उनका शाश्वत.संदेश उनका जन्तर प्रदर्शित किया गया है।

मोहनदास करमचंद गांधी के महात्मा गांधी के रूप में क्रमिक विकास का चित्रण सरल व्याख्यान के साथ चित्रों की एक पट्टी के जरिये किया गया है। दक्षिणी हिस्से में एक सभागार और एक समिति कक्ष भी है।

प्रार्थना स्थल स्थित शहीद स्मारक जहां महात्मा गांधी की हत्या हुई थी।

इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी का समायोजन इस प्रकार किया गया है कि दक्षिणी हिस्सा मोहनदास करमचंद गांधी नामक एक बालक की जीवन यात्रा और किस प्रकार अपने सत्य के प्रयोगों के जरिये उसने भारत और मानवता के उद्धार का नेतृत्व किया, का सरल चित्रण दर्शाता है।

गांधी स्मृति स्थित गांधी कक्ष, जहां उन्होंने अपने जीवन के 144 दिन व्यतीत किए

उत्तरी हिस्से में पांच विभिन्न खंड हैं। पहला खंड, उस कमरे की ओर जाने वाली एक गैलरी है जिसमें गांधीजी ने अपने जीवन के अंतिम 144 दिन व्यतीत किए। यह खंड शांति और शहादत की उनकी यात्रा को समर्पित है। इसके आगे दूसरा खंड है जिसमें उनके जीवन के अंतिम 48 घंटों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है जिसकी परिणति उनकी शहादत के तौर पर हुई। इस खंड में एक सभागार भी है जिसमें महात्मा गांधी पर आधारित फिल्में दिखाने की सुविधाएँ मौजूद हैं।

उत्तरी हिस्से का तीसरा खंड, गांधीजी के सपनों का भारत है, जो उनके 18 सूत्री रचनात्मक कार्यक्रम को दिखाता है। ये वे सिद्धांत हैं जो भावी पीढ़ियों के लिए वे अपनी विरासत के रूप में छोड़ कर गए हैं। गांधीजी दुनिया के सामने वैज्ञानिक सुस्पष्टता के साथ भारत को विकास के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना चाहते थे। आज राष्ट्रपिता इस दुनिया से चले गए हैं, लेकिन उनकी धरोहर अभी भी शेष है और सबसे बढ़कर उनका एक अधूरा सपना एक चुनौती के रूप में हमारे सामने है और वह है -उनके सपनों के भारत का निर्माण करना।

चौथे खंड सुमना में कुल मिलाकर 28 पट्टियाँ हैं। इस खंड में त्रिआयामी लघुचित्र स्थित हैं। इनमें महात्मा गांधी के जीवन की, उनके बचपन से शहादत तक की महत्वपूर्ण घटनाओं का चित्रण है। श्रीमती सुशीला रजनी पटेल द्वारा सृजित संग्रहालय का यह हिस्सा एक समृद्ध अनुभव प्रदान करता है।

समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल बापू को श्रद्धांजलि देते हुए

पाँचवे खंड सन्मति में स्थित गांधी स्मृति साहित्य केन्द्र में गांधी साहित्य एवं अन्य संबंधित पुस्तकों का एक विशाल संकलन है। यह विशेष खण्ड बताता है कि किस प्रकार दुनिया महात्मा गांधी का सम्मान करती है। पहले हिस्से में महात्मा गांधी के शानदार जीवन को कलाकारों की नज़रों से प्रदर्शित किया गया है। दूसरा हिस्सा गांधी द्वारा स्वयं पर की गई चर्चा है। दीर्घा के मध्य में, लोगों को 2 मिनट 30 सेकेंड के एक मल्टीमीडिया एनीमेशन के द्वारा महात्मा गांधी की उपस्थिति का अहसास कराया जाता है जिसमें उनके बलिदान और उनकी अंतिम यात्रा का वर्णन है। इसे विख्यात गायक कुमार गंधर्व ने अपने स्वरों से सजाया है।

गांधी स्मृति परिसर में बने परगोला में राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा निर्मित विशेष प्रदर्शनी 'मोहन से महात्मा प्रदर्शित है जिसको वरिष्ठ गांधीवादी विचारक श्री अनुपम मिश्र के निर्देशन में तैयार किया गया है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन गांधी जयन्ती, 2 अक्तूबर, 2015 को तत्कालीन संस्कृति मंत्री तथा समिति के उपाध्यक्ष डॉ महेश शर्मा द्वारा किया गया।

गांधी स्मृति में गांधी डिजिटल केंद्र का दृश्य

अपनी यात्रा के दौरान आगंतुक एक भव्य विश्व शांति नगाड़े का भी दर्शन करते हैं। इस स्थान पर 31 जनवरी, 1948 को गांधी के भौतिक अवशेष हज़ारों लोगों द्वारा श्रद्धांजलि दिए जाने के लिए रखे गए थे।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने गांधी स्मृति को यह विश्व शांति नगाड़ा भेंट स्वरूप दिया था। विदेश मंत्रालय को यह इंडोनेशिया की विश्व शांति नगाड़ा समिति से प्राप्त हुआ था और इसका उद्घाटन 11 सितंबर, 2006 को सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह में किया गया था। यह विश्व को दुनिया भर के शांतिदूतों द्वारा किए गए बेशुमार संघर्षो की याद दिलाता है और एक दूसरे के साथ शांति के साथ सद्भावपूर्ण तरीके से जीने का संदेश देता है।

यहां से आगंतुकों को उस कक्ष में ले जाया जाता है जहां बापू जी ने अपने जीवन के अंतिम 144 दिन व्यतीत किए। जब वे इस कक्ष से बाहर आते हैं तब वे फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से इन 144 दिनों के इतिहास से परिचित हो चुके होते हैं।

गांधी स्मृति में शहीद स्तंभ के निकट कीर्ति मंडप पंडाल जिसका नाम विख्यात सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खान ने रखा है, के पास बड़े कार्यक्रमों के लिए 500 भागीदारों को समायोजित करने की क्षमता है।

2005 में संग्रहालय में शाश्वत गांधी शीर्षक की एक मल्टीमीडिया प्रदर्शनी जोड़ी गई जो भवन की पहली मंजिल पर स्थित है। इसमें अत्याधुनिक इलैक्ट्रॉनिक हार्डवेयर एवं नवीन मीडिया का उपयोग किया है जिससे कि गांधीजी के जीवन एवं दर्शन को जीवंत बनाया जा सके। 21वीं सदी की प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करती यह

प्रदर्शनी सत्य के सिद्धांतों के प्रति एक सत्याग्रही की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। फाइबर शीशे से निर्मित बा एवं बापू की दो प्रतिमाएं जो थाईलैंड के दंपत्ति श्री डेचा सैसोमबून एवं श्रीमती विपा सैसोमबून की कृतियां हैं को भी मल्टी.मीडिया संग्रहालय में रखा गया है।

इसके अलावा गांधी स्मृति में गांधी आर्ट गेलरी, डिजिटल केंद्र और गांधी की एक विशाल प्रतिमा भी स्थापित है। यहाँ स्थित सृजन केंद्र गांधी के खादी एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने का सपना साकार करता है। ये सभी तत्व गांधी स्मृति को एक संपूर्ण संग्रहालय बनाते हैं।

ख- गांधी दर्शनः राजघाट

दूसरा परिसर राजघाट पर महात्मा गांधी समाधि के निकट स्थित है। महात्मा गांधी की शहादत के 21 वर्षो के बाद पूरी दुनिया ने 1969 में उनकी जन्म शताब्दी को मनाया। इसी के तहत 36 एकड़ में फैला यह परिसर अस्तित्व में आया।

भारत के 13 राज्यों एवं सात दूसरे देशों ने गांधी दर्शन अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का सृजन किया। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य गांधी के संदेश और आधुनिक विश्व की पृश्ठभूमि में सत्य एवं अहिंसा के सिद्धांत तथा जिस प्रकार इसने राष्ट्र के जीवन को तथा आधुनिक विश्व को प्रभावित किया है, उसकी व्याख्या करना है। आज गांधी दर्शन में दो प्रदर्शनियों के मंडप है 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है' और मिट्टी मॉडल से निर्मित 'स्वतंत्रता संग्राम' की प्रदर्शिनी।

मेरा जीवन ही मेरा संदेश शीर्षक की पहली दीर्घा में दीवारों पर सैकड़ों पुरालेखीय चित्र संक्षिप्त व्याख्याओं के साथ लगाए गए हैं। इनमें से कुछ तस्वीरों में एक बच्चे एवं एक युवा व्यक्ति के रूप में गांधी जी की दुर्लभ तस्वीरें हैं। एक अनुकृति उस घर की भी है जिसमें उनका जन्म हुआ था तथा सेना का वास्तविक वाहन भी है जिसमें उनके पार्थिव शरीर को अंत्येष्टि स्थल राजघाट तक ले जाया गया था।

इसके अतिरिक्त आगन्तुक गांधीजी के स्कूल की रिपोर्ट कार्ड, अखबारों की कतरन तथा कार्टून आदि को भी देख सकते हैं। गांधीजी एवं लियो टॉल्सटॉय के बीच पत्रों का आदान-प्रदान, उनकी पत्नी तथा बच्चों की तस्वीरें एवं अन्य दिलचस्प सामग्रियां भी देख सकते है।

इस प्रदर्शनी में गांधीजी की हत्या के बाद दुनिया भर के देशों द्वारा गांधीजी पर जारी किए गए स्मारक टिकटों को प्रदर्शित किया गया है, दूसरी प्रदर्शनी में उन पत्रों को प्रदर्शित किया गया है जो गांधीजी को भेजे गए थे। विशेष रूप से ये पत्र दर्शाते हैं कि एक साधारण गुजराती वकील ने अपने जीवन काल में कितनी व्यापक प्रसिद्धि पाई।

उदाहरण के लिएए एक पत्र 'गांधीजीः वे चाहे जहां भी हों' को संबोधित किया गया है, दूसरे पत्र मे जो न्यूयॉर्क से पोस्ट किया गया था लिफाफे पर केवल गांधीजी का रेखाचित्र यानि स्केच भर था।

274 पट्टिकाओं के साथ इस मंडप में निम्नलिखित सामग्री हैंः

1 पट्टिका संख्या 1 से 273 में गांधी जी के जन्म से लेकर हत्या तक की तस्वीरें हैं, जिनकी संख्या लगभग 1600 हैं।
2 पट्टिका संख्या 274 में महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष पर जारी की गई विभिन्न देशों के 75 टिकट हैं।
3 नमक सत्याग्रह के दौरान उपयोग में लाई गई नौका एवं तख्ती तथा वाहन जिसमें महात्मा गांधी के पार्थिव अवशेष को बिड़ला भवन से राजघाट तक ले जाया गया भी यहां रखा गया है।
4 यहां पर अनुकृतियां है
क. गुजरात के पोरबंदर में गांधी जी का घर
ख. साबरमती आश्रम
ग . यरवदा जेल

गांधी दर्शन में प्रदर्शित वह सेना वाहन जिसमें महात्मा गांधी के शरीर को अन्त्येष्टि स्थल राजघाट तक लेकर जाया गया ।

समिति के पूर्व अभिरक्षक स्वर्गीय श्री अनिल सेनगुप्ता द्वारा संयोजित निर्मित भारत के स्वाधीनता संग्राम पर आधारित चिकनी मिट्टी के पटल।

1994 में गांधीजी की 125वीं जन्म शताब्दी के दौरान राष्ट्र को संबोधित करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हा राव ने

औपचारिक रूप से राजघाट स्थित गांधी दर्शन में अंतरराष्ट्रीय गांधीवादी अध्ययन केन्द्र की स्थापना करने की घोषणा की। 30 जनवरी 2000 को राष्ट्रपति के आर नारायणन ने प्रधानमंत्री तथा समिति के अध्यक्ष, श्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में परिसर में अंतरराष्ट्रीय गांधीवादी अध्ययन एवं शांति अनुसंधान केन्द्र के स्थापना की घोषणा करते हुए एक स्तम्भ का अनावरण किया।

जी-20 की अध्यक्षता भारत को मिलने के अवसर पर, 4 सितंबर, 2024 को राजघाट में महात्मा गांधी की 12 फुट ऊंची प्रतिमा और गांधी वाटिका का उद्घाटन माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने किया। इस वाटिका में हैं-

1. चरखा कातते गांधीजी
2. बेंच पर विराजमान गांधीजी
3. साइकिल पर गांधीजी
4. दो बच्चों के साथ गांधीजी
5. ध्यान मुद्रा में गांधीजी
6. गांधीजी के तीन बंदर

गांधी दर्शन में कलाकारों को एक मंच प्रदान करने के लिए गांधी आर्ट गेलरी भी स्थापित है, जिसका उद्घाटन 6 जनवरी, 2025 को लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने किया। इसके अलावा एक गांधी रेल कोच प्रदर्शिनी भी स्थापित की गई है, जिसमें गांधीजी की रेल यात्राओं का वर्णन सुंदरता से किया गया है। इसका उद्घाटन केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र शेखावत ने किया।

ढांचागत सुविधाएं

गांधी दर्शन, राजघाट पर उपलब्ध सुविधाएं

1. गांधीजी द्वारा और उन पर लिखी हुई तथा संबंधित विषयों पर 12000 किताबों के साथ एक पुस्तकालय तथा दस्तावेजीकरण केन्द्र।
2. मेरा जीवन ही मेरा संदेश है, प्रदर्शनी मंडप।
3. सभी सुविधाओं से सुसज्जित सम्मेलन संगोष्ठी एवं भाषण कक्ष।
4. प्रवासी विद्वानों के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रावास।
5. महात्मा गांधी से संबंधित स्थायी चित्र एवं किताबें।
6. 100 व्यक्तियों को समायोजित करने की सुविधाओं के साथ शयनागार।
7. प्रकाशन विभागः किताबों के साथ यह पत्रिका तथा एक समाचार पत्रिका का भी प्रकाशन करता है।
8. चित्र इकाई।
9. राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी बैठकों के लिए शिविर की सुविधा।
10. संपर्क कार्यक्रमों के लिए खुली जगह।

गांधी दर्शन राजघाट में स्थित विशाल फोटो प्रदर्शनी-मेरा जीवन ही मेरा संदेश है

1930 के दांडी मार्च में माही नदी पार करने के लिए गांधीजी द्वारा उपयोग में लाई गई नाव

समिति के उद्देश्य हैंः

1 गांधीवादी आदर्शों एवं दर्शन को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों की योजना बनाना एवं उन्हें आयोजित करना।

2 संग्रहालय से संबंधित मानक मानदंडों के अनुरूप गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति को खुला रखना तथा आगंतुकों को अधिकतम सुविधाएं प्रदान करने के लिए रखरखाव करना।

3 गांधी स्मृति संग्रहालय एवं गांधी दर्शन प्रदर्शनी दोनों में ही श्रोता विकास एवं संग्रहालय प्रबंधन संरचना को बढ़ावा देना।

4 प्रदर्शनीए फिल्मों, गांधीयाना पोस्टरों एवं कला संस्कृति एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न रूपों जैसे शैक्षणिक माध्यमों के जरिये महात्मा गांधी के जीवन एवं संदेश के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कदमों को बढ़ावा देना।

5 दुर्लभ पुस्तकों, साहित्य, चित्रों, फिल्मों एवं दस्तावेज आदि समेत किताबों के पुस्तकालय को विकसित एवं संरक्षित करना।

6 महात्मा गांधी के महत्वपूर्ण स्मृति चिन्हों को एकत्रित, संरक्षित एवं प्रदर्शित करना।

7 गांधीवादी कार्य एवं समाज की बेहतरी के लिए स्वयंसेविता को बढ़ावा देना।

8 महात्मा गांधी के दर्शन एवं आदर्शों से संबंधित विभिन्न गतिविधियों

के जरिये अंतिमजनों को अधिकार संपन्न बनाने का फोकस करना।

9 गांधीवादी मूल्यों एवं कार्यों को ग्रहण करने के लिए बच्चों, युवाओं, महिलाओं तथा अन्य समूहों की क्षमताओं का विकास करना जिससे कि गांधीवादी दर्शन को व्यावहारिक रूप से लागू करने के जरिये व्यवहारगत बदलाव लाया जा सके।

10 जरूरत के अनुरूप गांधी दर्शन एवं गांधी स्मृति के दोनों परिसरों तथा वहां की सभी चल एवं अचल संपत्तियों की सुरक्षा एवं प्रबंधन।

गांधी दर्शन में नवस्थापित आर्ट गेलरी, युवा कलाकारों के लिए अभिव्यक्ति का अच्छा मंच है

11 महात्मा गांधी के बारे में एवं जिन मूल्यों को उन्होंने प्रचारित किया, उसके बारे में लोगों के विभिन्न वर्गों की जानकारी बढ़ाने के लिए पत्रिकाओं का प्रकाशन।

12 समसामयिक मुद्दों के संदर्भ में गांधीवादी दर्शन पर अंतःविषय अनुसंधान का संचालन।

13 शिक्षा पर गांधीवादी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना एवं उनका संवर्द्धन करना तथा शांति, पारिस्थितिकी सुरक्षा, समानता और न्याय के लिए शिक्षा को सुगम बनाना।

14 महात्मा गांधी एवं गांधीवादी दर्शन की बेहतर एवं गहरी समझ के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों के साथ व्यापक तरीके से काम करना।

15 गांधीवादी रचनात्मक कार्य के एक हिस्से के रूप में व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य आजीविका पहलों के जरिये समाज के कमज़ोर वर्गों को अधिकार संपन्न बनाना।

16 समाज की चुनौतिपूर्ण समस्याओं पर विचार करना एवं उन्हें दूर करने के लिए कार्य करना।

17 सामूहिक जीवन, सामूहिक काम, शांति एवं अहिंसा की संस्कृति के लिए काम करने के लिए विभिन्न हितधारकों को शामिल करना।

18 खासकर सुदूर क्षेत्रों में महात्मा गांधी के जीवन एवं संदेश को पहुंचाना।

19 ऐसी अन्य गतिविधियां शुरू करना तथा सभी पूर्ववर्ती शासनादेशों को पूरा करना और उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अन्य संस्थानों के साथ सहयोग करना।

समिति की संरचना – 2024-2025

शासी निकाय

अध्यक्ष

माननीय प्रधानमंत्री

उपाध्यक्ष

श्री विजय गोयल, पूर्व केंद्रीय मंत्री

सदस्य

संस्कृति मंत्री
दिल्ली के उपराज्यपाल
दिल्ली के महापौर
सचिव, संस्कृति मंत्रालय
प्रधानमंत्री के सूचना सलाहकार
मुख्य अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी
सचिव (व्यय), वित्त मंत्रालय
सचिव, शहरी विकास मंत्रालय
आयुक्त, दिल्ली, नगर निगम दिल्ली
अध्यक्ष/प्रशासक, नई दिल्ली नगरपालिका समिति

शासी निकाय के सदस्य

सुश्री निरंजनबेन कलार्थी
श्री सुरेश वी. कलघटगी
सुश्री महादेव कुलकर्णी
श्री राज बहादुर शर्मा
श्री महादेव आर. देसाई

कार्यकारी समिति

अध्यक्ष
श्री विजय गोयल

कार्यकारी निकाय के सदस्य

श्री बनवारी
श्री महेश चंद शर्मा
श्रीमती विजयलक्ष्मी नवनीता कृष्णन
श्री बिंदेश्वर पाठक (15 अगस्त 2023 को निधन)
श्रीमती अमिता पी. सरभाई, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय

सदस्य सचिव

श्रीमती अमिता पी. सरभाई
संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

निदेशक

डॉ. ज्वाला प्रसाद (जनवरी 2025 तक)
श्रीमती पल्लवी प्रशांत होलकर (अप्रैल 2025 तक) (प्रभारी)
श्री संजीत कुमार, (प्रभारी)

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

* गांधी जयंती पर उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड ने बापू को किया नमन, 2 अक्टूबर, 2024

* प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि, 30 जनवरी, 2025

गांधी जयंती पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड ने बापू को किया नमन

माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 2 अक्टूबर 2024 को महात्मा गाँधी के बलिदान स्थल गांधी स्मृति में बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भी महात्मा गांधी को नमन किया।

गांधी स्मृति में बापू को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़

भारत में विभिन्न दूतावासों एवं उच्चायोगों के राजनयिक, गांधीवादी कार्यकर्ता और अनेक गणमान्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दिल्ली-एनसीआर के 37 संस्थानों के सैकड़ों बच्चों द्वारा राष्ट्रपिता को समर्पित एक संगीतमयी श्रद्धांजलि से हुई। विभिन्न धर्मों के आचार्यों ने प्रार्थनाएँ कीं। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण प्रसिद्ध गायक पद्मश्री श्री सोनू निगम का भक्तिसंगीत रहा—उन्होंने राम धुन, सुख के सब साथी, अच्युतम केशवम, मीरा भजन और गांधीजी का प्रिय भजन वैष्णव जन तो प्रस्तुत करके श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पद्मश्री सोनू निगम भक्ति संगीत प्रस्तुत करते हुए

सर्वधर्म प्रार्थना सभा में उपस्थित विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु

गांधी शहीदी दिवस पर प्रधानमन्त्री ने दी श्रद्धांजलि

प्रार्थना सभा में उपस्थित माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल

महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते, लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला

गांधी को नमन करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 30 जनवरी 2025 को गांधी स्मृति में सर्व धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल, केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया तथा अनेक विशिष्ट अतिथियों ने शहीद स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रार्थना में विभिन्न क्षेत्रों के हजारों लोग सम्मिलित हुए। संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री अरुणिश चावला, संयुक्त

सचिव श्रीमती अमिता प्रसाद साराभाई, वाइस एडमिरल ए. एन. प्रमोद (डीजी नौसेना संचालन), सिक्किम के पूर्व राज्यपाल डॉ. बी. पी. सिंह, वरिष्ठ गांधीवादी डॉ. वाई. पी. आनंद, नृत्यांगना डॉ. शैरोन लोवेन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। विभिन्न दूतावासों के राजदूत/उच्चायुक्त एवं अधिकारी भी प्रार्थना सभा में सम्मिलित हुए। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने भी बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भक्ति संगीत प्रस्तोता गायिका कौशिकी चक्रवर्ती को चरखा भेंट करते उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल

महात्मा गांधी को संगीतमय श्रद्धांजलि देते विभिन्न स्कूलों के बच्चे

कार्यक्रम में उपस्थित उत्साही स्कूली बच्चों से मिलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

महत्वपूर्ण पहल

* केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा गांधी दर्शन में रेल कोच का उद्घाटन
* कोलंबिया दूतावास द्वारा गांधी स्मृति आर्ट गेलरी में प्रदर्शनी का आयोजन
* 76 वें संविधान दिवस पर "संविधान सम्मान यात्रा
* श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके द्वारा गांधी दर्शन, राजघाट में पौधारोपण
* लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला द्वारा गांधी दर्शन आर्ट गैलरी का उद्घाटन

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने गांधी दर्शन, राजघाट में रेल कोच का उद्घाटन किया

11 सितंबर, 2024

माननीय केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 11 सितंबर, 2024 को राजघाट स्थित गांधी दर्शन में महात्मा गांधी की रेल यात्राओं को समर्पित एक विशेष रेल कोच का उद्घाटन किया। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा आयोजित इस समारोह में गांधीजी की रेल यात्राओं को आकर्षक ढंग से इस रेल कोच में प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के उपाध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विजय गोयल ने की। श्री शेखावत ने एक पट्टिका का अनावरण किया और 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत एक पौधा भी रोपा।

इस अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री शेखावत ने कहा कि गांधीजी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। रूस-यूक्रेन और गाज़ा-इज़राइल युद्ध के दौर में विश्व में शांति केवल गांधीजी की अहिंसा की विचारधारा से ही स्थापित हो सकती है। उन्होंने कहा कि गांधीजी सदैव तृतीय श्रेणी में यात्रा करते थे और आमजन से सीधे जुड़ते थे। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा उनकी रेल यात्राओं को स्मरणीय रूप देने हेतु यह रेल कोच तैयार किया गया है — समिति इसके लिए बधाई की पात्र है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ समय पहले यह क्षेत्र बाढ़ की चपेट में था, लेकिन आज यहाँ हरीतिमा से भरा सुंदर वातावरण दिखाई देता है, जिसका श्रेय समिति के अधिकारियों और कर्मचारियों के कठिन परिश्रम को जाता है।

गांधी दर्शन में रेल कोच का उद्घाटन करते केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, साथ में हैं समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल और निदेशक डॉ ज्वाला प्रसाद

श्री शेखावत ने कहा कि गांधीजी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन आंदोलन में परिवर्तित किया। उनकी स्मृतियाँ आने वाले भारत के लिए प्रेरणा और ऊर्जा का स्रोत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीजी से प्रेरणा लेकर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की, जिसके तहत देश को खुले में शौच से मुक्त किया गया — यह वही सपना था जो गांधीजी ने देखा था और मोदीजी ने साकार किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री विजय गोयल ने कहा कि गांधीजी का रेल यात्राओं से गहरा संबंध था। वर्ष 1893 में दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के कारण उन्हें ट्रेन से धक्का देकर बाहर निकाल दिया गया था। उसी घटना के बाद उन्होंने रंगभेद और अन्य बुराइयों के विरुद्ध संघर्ष का संकल्प लिया — इस प्रकार रेल यात्रा ने ही उन्हें मोहनदास से महात्मा बना दिया।उन्होंने कहा कि गांधीजी ने सदैव परिवार से पहले देश की बात की और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीजी के आदर्शों का पालन करते हुए उनके सपनों का भारत बना रहे हैं। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हम गांधीजी के सपनों को साकार कर रहे हैं।

गांधीजी और मोदीजी के स्वच्छता अभियानों को आगे बढ़ाते हुए समिति ने उल्लेखनीय कार्य किया है और भविष्य में भी गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य जारी रहेगा। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

कार्यक्रम में रेआन इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा के बच्चों के मार्च पास्ट बैंड और महावीर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मॉडल टाउन के बच्चों द्वारा गांधीजी के रूप में प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं। दर्शक मिस्टिक स्वर्ण म्यूजिकल ग्रुप के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मंत्रमुग्ध हो उठे। पेरू, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, कोलंबिया, सेशेल्स, श्रीलंका, मेडागास्कर, स्लोवाकिया, नीदरलैंड्स, ब्रिटिश काउंसिल, सूडान, इंडोनेशिया, लेसोथो आदि देशों के राजनयिकों और प्रतिनिधियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम समिति के सदस्य राजकुमार शर्मा, धर्मवीर शर्मा, सतपाल भाटिया, ज्योति अरोड़ा एवं अन्य गांधीवादी संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। गांधी दर्शन का यह रेल कोच गांधीजी की यात्राओं और उनके सहयात्रियों के साथ संवादों को जीवंत मूर्तियों के माध्यम से दर्शाता है, जिससे आगंतुक गांधीजी की रेल यात्राओं का सजीव अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

"वीविंग लाइफ टू वीव पीस" प्रदर्शनी गांधी स्मृति में आयोजित

4 अक्टूबर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने भारत स्थित कोलंबिया दूतावास के सहयोग से "Tejidos Chakana – Weaving Life to Weave Peace" शीर्षक प्रदर्शनी का आयोजन किया। कोलंबिया के कलाकार और इतिहासकार माटेओ पेरिया बर्नाल और सुश्री नैन्सी गोमेज़ ने अपनी कृतियों का प्रदर्शन किया। उद्घाटन समारोह में विभिन्न देशों के राजनयिक, दूत, राजदूत और कला प्रेमी उपस्थित थे।

कोलंबिया के राजदूत श्री विक्टर एचेवेरी और समिति के अनुसंधान अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय ने गांधीजी का अनोखा चित्र अनावरण किया — लगभग 14 लाख पत्थर की मोतियों से निर्मित इस कलाकृति में भारत और कोलंबिया दोनों देशों के झंडे अंकित हैं। यह चित्र उन्होंने गांधी स्मृति गैलरी को भेंट किया।

प्रदर्शनी में 2021 से 2024 के बीच निर्मित 20 से अधिक मनकों की कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं, जो सशस्त्र संघर्ष में मारे गए नागरिकों के चित्र दर्शाती हैं। इन कृतियों के माध्यम से समुदायों में अनुभवों और ज्ञान के आदान-प्रदान की परंपरा विकसित की गई है।

श्री विजय गोयल द्वारा संविधान दिवस पर "संविधान सम्मान यात्रा"

25 नवंबर, 2024

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने 76वें संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर लाल किला से फतेहपुरी मस्जिद तक "संविधान सम्मान यात्रा" निकाली। न्याय, समानता और संविधान की रक्षा के नारे लगाते हुए सैकड़ों लोग शामिल हुए।

यात्रा की विशेषता एक 8 फुट ऊँची संविधान की प्रति थी, जिसे घोड़ा-गाड़ी पर रखा गया था। श्री गोयल ने संविधान को पुष्प अर्पित कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा है कि संविधान की रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2010 में गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदीजी ने "संविधान गौरव यात्रा" निकाली थी, जिसमें संविधान की प्रति हाथी पर रखकर नगर में प्रदर्शित की गई थी — संविधान के प्रति यह एक अनोखा और प्रेरणादायक सम्मान था। श्री गोयल ने कहा कि यह यात्रा भी उसी भावना को आगे बढ़ाते हुए नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आधुनिक भारत में इसकी प्रासंगिकता पर संवाद बढ़ाने का प्रयास है।

संविधान सम्मान यात्रा में संविधान को सम्मानित करने के बाद लोगों और स्कूल के बच्चों के साथ शामिल होते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल व अन्य गणमान्य लोग

उन्होंने गांधीजी के उस विचार को याद किया कि अधिकार और कर्तव्य एक-दूसरे से जुड़े हैं — यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन करें, तो हमारे अधिकार स्वतः सुरक्षित हो जाएंगे।यात्रा में बच्चों के मार्चिंग बैंड ने उत्सवमय वातावरण बना दिया। तिरंगे के रंगों में सजे बच्चों ने ढोल-नगाड़ों और बुगलों की धुनों से माहौल को देशभक्ति से भर दिया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने गांधी दर्शन, राजघाट में 12 फुट ऊँची गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

16 दिसंबर, 2024

श्रीलंका के राष्ट्रपति माननीय अनुरा कुमारा दिसानायके ने गांधी दर्शन, राजघाट में स्थित 12 फुट ऊँची महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह यात्रा गांधीजी के शांति, अहिंसा और विश्व बंधुत्व के संदेश का प्रतीक थी। उन्हें गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद और प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने स्वागत किया। राष्ट्रपति ने गांधीजी के दर्शन को आधुनिक वैश्विक चुनौतियों का समाधान बताया और परिसर में एक वृक्षारोपण भी किया, जो पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक संदेश था।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने गांधी दर्शन आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया

6 जनवरी, 2025

माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने 6 जनवरी, 2025 को राजघाट स्थित 36 एकड़ परिसर में विकसित गांधी दर्शन आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया। देशभर से लगभग 100 कलाकार इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। प्रसिद्ध मूर्तिकार पद्म भूषण श्री राम सुतार विशेष अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विजय गोयल ने की। अपने संबोधन में श्री बिरला ने गांधी दर्शन के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि गांधीजी की प्रेरणा से विश्वभर में अहिंसक आंदोलनों को बल मिला। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

श्री विजय गोयल ने कहा कि दिल्ली में कलाकारों के लिए प्रदर्शनी स्थल की कमी है; यह गैलरी उसी आवश्यकता की पूर्ति करेगी। यहाँ आगामी दिनों में कला प्रदर्शनी, कार्यशालाएँ और शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रारंभिक सात प्रदर्शनी निःशुल्क होंगी, तत्पश्चात कलाकार नाममात्र शुल्क देकर अपनी प्रदर्शनी लगा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल कलाकारों और जनता के बीच संवाद और सहभागिता का मंच बनेगी और गांधी दर्शन परिसर में आगंतुकों की संख्या बढ़ाएगी, जहाँ पहले से महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित चार संग्रहालय भी हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, समिति उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल, मूर्तिकार श्री राम सुतार व निदेशक डॉ ज्वाला प्रसाद

विशेष कार्यक्रम

* गांधी स्मृति में गांधी कैफे का उद्घाटन
* गांधी स्मृति में "महात्मा गांधी डिजिटल सेंटर" का उद्घाटन
* गांधी दर्शन में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित
* संगीत के माध्यम से शांति और सद्भाव का संदेश
* झुग्गी बस्ती के बच्चों ने गांधी दर्शन में राखी मनाई
* केआईआईटी वर्ल्ड स्कूल, गुरुग्राम में "सद्भावना पीस क्लब" की शुरुआत
* विद्या भारती स्कूल, रोहिणी में "गांधी पीस क्लब" और स्वच्छता कार्यशाला
* किरोडीमल कॉलेज के सहयोग से "अहिंसक संवाद" कोर्स की शुरुआत
* गांधी दर्शन, राजघाट में सायंकालीन प्रार्थना सभा
* दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा चरखा 2.0 मेला
* "माटी 8" – पूर्वांचल की कला, संस्कृति और पर्यटन का उत्सव

गांधी स्मृति में गांधी कैफे का उद्घाटन

10 मई, 2024

अक्षय तृतीया के अवसर पर 10 मई, 2024 को गांधी स्मृति में गांधी कैफे का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समिति के कार्यकारी सदस्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल, कार्यक्रम समिति सदस्य श्री राजकुमार शर्मा, समाजसेवी श्री सतपाल भाटिया तथा निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद उपस्थित थे। कार्यक्रम में सैकड़ों स्कूली बच्चों ने भाग लिया। पर्यटकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस रेस्टोरेंट की शुरुआत की गई है।

गांधी स्मृति में "महात्मा गांधी डिजिटल सेंटर" का उद्घाटन

6 जून, 2024

महात्मा गांधी डिजिटल सेंटर" का उद्घाटन करते उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल, कार्यकारी समिति के सदस्य श्री महेश चंद्र शर्मा, श्री बनवारी, संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती अमिता साराभाई,

गांधी स्मृति में "महात्मा गांधी डिजिटल सेंटर" का उद्घाटन माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने 6 जून, 2024 को किया। इस अवसर पर कार्यकारी समिति के सदस्य श्री महेश चंद्र शर्मा, श्री बनवारी, श्रीमती अमिता साराभाई, संस्कृति मंत्रालयकी संयुक्त सचिव एवं समिति के अधिकारी उपस्थित थे। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद भी समारोह में उपस्थित रहे।

अतिथियों को महात्मा गांधी डिजिटल सेंटर की प्रणाली समझाते हुए गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के तकनीकी सहायक श्री पंकज शर्मा

इस डिजिटल केंद्र में गांधीजी के जीवन, दर्शन और इतिहास से संबंधित आकर्षक प्रदर्शन लगाए गए, जिन्हें बूट्स इमेक्स द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया।

गांधी दर्शन में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित

21 जून, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा राजघाट स्थित गांधी दर्शन में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वाल्मीकि नगर, पश्चिम चंपारण (बिहार) के सांसद श्री सुनील कुमार मुख्य अतिथि रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की।

600 से अधिक छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के डॉ. मुकेश द्विवेदी व उनकी टीम ने विभिन्न आसनों के माध्यम से योग के शारीरिक और मानसिक लाभों का प्रदर्शन किया। श्री सुनील कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की पहचान है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल से आज योग दिवस 172 देशों में मनाया जा रहा है, जो भारत के लिए गर्व का विषय है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास करते हुए लोग व सांस्कृतिक प्रस्तुति देते मिस्टिक स्वर के कलाकार

डॉ. ज्वाला प्रसाद ने कहा कि महात्मा गांधी ने भी प्राणायाम और आसनों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की बात कही थी। आज पूरी दुनिया में योग के प्रति आकर्षण बढ़ना एक शुभ संकेत है। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में "मिस्टिक स्वर" और "मंज़िल मिस्टिक्स" म्यूजिकल ग्रुप ने देशभक्ति और कबीर के गीत प्रस्तुत किए। सुलभ इंटरनेशनल और अमूल इंडिया इस योग कार्यक्रम के सहयोगी रहे।

संगीत के माध्यम से शांति और सद्भाव का संदेश

6 अगस्त, 2024

गांधी स्मृति में उपस्थित फिलाडेल्फिया के 70 बच्चों का समूह

अमेरिका के फिलाडेल्फिया (न्यू जर्सी) से 70 बच्चों के एक समूह ने गांधी स्मृति का दौरा किया और शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह यात्रा संगीत के माध्यम से शांति, सौहार्द और राष्ट्रभक्ति के प्रसार की एक अंतरराष्ट्रीय पहल का हिस्सा थी।

इन बच्चों को गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण कराया गया ताकि वे गांधीजी की अहिंसा और शांति की विचारधारा को समझ सकें। भारतीय समूह नालंदा वे फाउंडेशन के बच्चों ने भी सहभागिता की। दोनों देशों के बच्चों ने मिलकर देशभक्ति और शांति के गीत गाए — जिसने यह सिद्ध किया कि संगीत सीमाओं से परे एक विश्वभाषा है जो दिलों को जोड़ती है।

झुग्गी बस्ती के बच्चों ने गांधी दर्शन में रक्षा बंधन मनाया

17 अगस्त, 2024

सराय काले खां की झुग्गी बस्तियों के लगभग 70 बच्चों ने गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के अधिकारियों के साथ राखी पर्व मनाया। बच्चों द्वारा स्वयं बनाई गई राखियों ने प्यार, एकता और सम्मान के बंधन को प्रतीकात्मक रूप दिया।

कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने सभी के प्रति सम्मान के महत्व पर चर्चा की, जबकि श्री शकील खान ने बच्चों को 'क्रोध प्रबंधन' पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इन बच्चों का संबंध नवजागृति कलेक्टिव और फ़न स्कूल से था। श्री राजदीप पाठक ने संग्रहालय भ्रमण के दौरान बच्चों से संवादात्मक सत्र लिया।

सुश्री डालिया कर, श्री तपन कर और प्रो. (से.) आशा पुरी (जेएनयू) ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। यह दिन बच्चों के लिए गांधीवादी शिक्षा और आनंदपूर्ण सीख का अद्भुत अनुभव रहा।

केआईआईटी वर्ल्ड स्कूल, गुरुग्राम में "सद्भावना पीस क्लब" की शुरुआत

3 सितंबर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से केआईआईटी वर्ल्ड स्कूल, गुरुग्राम में सद्भावना पीस क्लब का शुभारंभ किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों में शांति, अहिंसा और संवाद कौशल का विकास करना है। प्रधानाचार्य ने उद्घाटन भाषण में कहा कि वर्तमान समय में शांति और सौहार्द की शिक्षा अत्यंत आवश्यक है।

सद्भावना पीस क्लब के बच्चों के साथ गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल

क्लब के प्रमुख उद्देश्य:

1. शांति, अहिंसा और विवाद समाधान को बढ़ावा देना।
2. सामाजिक सेवा और जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करना।
3. सहानुभूति और सामाजिक उत्तरदायित्व बढ़ाना।
4. छात्रों को समाज में सौहार्द स्थापित करने के लिए रचनात्मक विचार साझा करने का मंच देना।

पहला अभियान 5 सितंबर से "स्वच्छता अभियान सप्ताह" के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, वृक्षारोपण, और कचरा प्रबंधन कार्यशालाएँ शामिल थीं। 2 अक्टूबर से पहले निबंध प्रतियोगिता, शांति मार्च, फिल्म स्क्रीनिंग और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने बताया कि स्कूल में समिति का पीयर मीडिएशन प्रोग्राम भी शुरू किया जाएगा ताकि छात्र विवादों का समाधान स्वयं कर सकें।

विद्या भारती स्कूल, रोहिणी में "गांधी पीस क्लब" और स्वच्छता कार्यशाला

30 सितंबर, 2024

गांधी जयंती से पूर्व विद्या भारती स्कूल, रोहिणी में गांधी पीस क्लब का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में स्वभाव, स्वच्छता और संस्कार विषयों पर कार्यशाला हुई। बच्चों ने स्वच्छता शपथ ली और चरखा प्रदर्शन व गांधीजी पर प्रदर्शनी का आनंद लिया।

किरोडीमल कॉलेज के सहयोग से "अहिंसक संवाद" कोर्स की शुरुआत

11 फरवरी, 2025

अहिंसक संवाद कोर्स का संचालन करते डॉ. वेदाभ्यास कुंडू

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति तथा किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी अध्ययन मंडल ने संयुक्त रूप से "हमारी भलाई के लिए सम्मानजनक और अहिंसक संवाद"कोर्स आरंभ किया। मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. सिंह, निदेशक गांधी भवन ने कहा कि सम्मानजनक संवाद भारतीय संस्कृति की आत्मा है। प्राचार्य प्रो. दिनेश खत्तर ने समिति को धन्यवाद ज्ञापित किया। समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने प्रमुख व्याख्यान और कार्यशाला संचालित की, जिसमें संवाद की अहिंसक शैली और उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पर चर्चा हुई। यह कोर्स साप्ताहिक रूप से संचालित होगा।

गांधी दर्शन, राजघाट में सायंकालीन प्रार्थना सभा

फरवरी, 2025

गांधी दर्शन, राजघाट में सायंकालीन प्रार्थना सभा का शुभारम्भ किया गया। भजन, प्रार्थना और संगीत के माध्यम से इस सभा के द्वारा एकता, शांति और भक्ति का वातावरण निर्मित किया गया।कलाकार श्री हिमांशु कुमार, श्रीमती रश्मि गुप्ता और सुश्री ज्योत्स्ना की प्रस्तुतियों ने मन को छू लिया। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार का तबला वादन इसमें विशेष आकर्षण रहता है। यह सभा गांधीजी की उस सोच का प्रतीक है जहाँ संगीत और प्रार्थना जीवन में अहिंसा और करुणा की भावना जगाते हैं।

चरखा 2.0 फेस्टिवल" – आधुनिक युग में गांधीवाद का पुनरुत्थान

27–28 मार्च, 2025

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दो दिवसीय चरखा 2.0 फेस्टिवल का आयोजन किया गया। गांधी भवन के निदेशक प्रो. के.पी. सिंह कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने गांधी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग पर विचार साझा किए। जेएनयू की प्रो. बिंदु पुरी ने "समकालीन विमर्शों में गांधी विचार" विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में चरखा प्रदर्शन, पुस्तक एवं खादी स्मृति स्टॉल, और सांस्कृतिक संवाद आयोजित किए गए। डॉ. राजीव रंजन गिरी और पत्रकार अरविंद मोहन ने "सत्य, अहिंसा और स्थायित्व" पर अपने विचार रखे।

"माटी 8" – पूर्वांचल की कला, संस्कृति और पर्यटन का उत्सव

29 मार्च, 2025

गांधी दर्शन, राजघाट में माटी 8 – पूर्वांचल फेस्टिवल ऑफ आर्ट, कल्चर, फूड एंड टूरिज्म का आयोजन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा थे और अभिनेता सुधांशु पांडे विशिष्ट अतिथि रहे।कार्यक्रम में पद्मश्री पं. साजन मिश्र के भजनों से उद्घाटन हुआ। श्री मनोज सिन्हा ने कहा कि पूर्वांचल की सांस्कृतिक विविधता और भाषाई विरासत ने भारत की आत्मा को समृद्ध किया है। इस मौके पर त्योहार में लोककला, हस्तशिल्प, लोकनृत्य, भोजन, और पर्यटन की विविध झलकियाँ प्रस्तुत की गईं। श्री आसिफ आज़मी के संयोजन में यह आयोजन गांधीवादी आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बना।

सेमीनार/संवाद

* किश्वर देसाई द्वारा विभाजन पर सत्र का आयोजन
* प्रो. ओम नाथ बिमली द्वारा योग और समाधि पर व्याख्यान
* नेल्सन मंडेला की क्षमा करने की कला विषय पर व्याख्यान
* गांधी विचार सभा
* समकालीन समय में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता पर व्याख्यान
* 21वीं सदी में वैश्विक शांति के लिए गांधीवादी सिद्धांत विषय पर संवाद
* युवा नेतृत्व पर संवाद
* महात्मा गांधी की पत्रकारिता पर सेमीनार

"विभाजन की भयावहता को भुलाया नहीं जा सकता" — डॉ. किश्वर देसाई

1 मई, 2024

कार्यक्रम के प्रतिभागी शहीद स्तम्भ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

विभाजन की त्रासदी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किश्वर देसाई

मई, 2024 को गांधी स्मृति में 'सेवन सिटीज़' समूह के 45 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने शहीद स्तंभ (Martyr's Column) पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा गांधीजी के कक्ष का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर डॉ. सौरव राय और श्री राजदीप पाठक ने प्रतिनिधिमंडल से संवाद किया। बाद में आर्ट्स एंड कल्चरल हेरिटेज ट्रस्ट की अध्यक्ष एवं अमृतसर में 'पार्टीशन म्यूज़ियम' की स्थापना से जुड़ी तथा लेखिका सुश्री किश्वर देसाई के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित हुआ।

सुश्री देसाई ने विभाजन की त्रासदी और ब्रिटिश भूमिका से जुड़े मार्मिक प्रसंग साझा करते हुए कहा कि यह ऐसी घटना थी जिसके प्रभाव विश्वभर में पड़े। लाखों लोगों ने अपने माता-पिता, जीवनसाथी, बच्चों और संपत्ति को खोया; उन्हें उन घरों से निकाल दिया गया जहाँ उनके परिवार शायद सैकड़ों वर्षों से रहते आए थे, और वे बेसहारा हो गए। उन्होंने युवाओं को इतिहास से जोड़ने के लिए ऐसे संग्रहालयों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस संवाद से उपस्थितजनों—जिनमें राजदूतों की जीवनसाथी, शिक्षाविद, विभिन्न पेशों से जुड़े लोग, स्वयंसेवक और 'सेवन सिटीज़' समूह के सदस्य शामिल थे—प्रेरित हुए।

"योग और समाधि: आत्मसंयमन/आत्मसाक्षात्कार के सोपान" पर व्याख्यान

21 जून, 2024

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 के अवसर पर 21 जून, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने गांधी दर्शन, राजघाट में "योग और समाधि: आत्मसाक्षात्कार के सोपान विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया।

व्याख्यान दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज़ के निदेशक तथा कला संकाय, संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. ओम नाथ बिमली ने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की। स्वागत भाषण समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने दिया तथा धन्यवाद प्रस्ताव प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने रखा। इस अवसर पर जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. ए. पी. सिंह ने भी अपने विचार साझा किए।

प्रो. बिमाली ने योग और समाधि के संदर्भ को प्राचीन ग्रंथों—विशेषकर पतंजलि योगसूत्र, भगवद्गीता तथा हठयोग प्रदीपिका—से जोड़ते हुए स्पष्ट किया। उन्होंने पतंजलि के अष्टांग योग (यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि) को समाधि की दिशा में एक समग्र ढांचा बताया—जहाँ आसन और प्राणायाम महत्वपूर्ण होते हुए भी गहन आध्यात्मिक यात्रा की प्रारंभिक/तैयारी की अवस्थाएँ हैं। भगवद्गीता (विशेषकर अध्याय 6) के संदर्भ में उन्होंने ध्यान योग, अनुशासन, अंतःशांति तथा मन-इंद्रिय संयम द्वारा आत्मसाक्षात्कार की अवधारणा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 'आत्मसाक्षात्कार' का अर्थ शरीर-मन-बुद्धि-अहंकार से परे आत्मा/आत्मतत्त्व (आत्मन्/ब्रह्म) की अनुभूति और उसमें स्थिर होना है।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा गांधी दर्शन, राजघाट में योग और समाधि: आत्मसाक्षात्कार के सोपान विषय पर आयोजित व्याख्यान को प्रस्तुत करते दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. ओम नाथ बिमली

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. ज्वाला प्रसाद ने "अहं ब्रह्मास्मि" (मैं ब्रह्म हूँ) पर विचार रखते हुए कहा कि यह बृहदारण्यक उपनिषद का गहन वैदिक महावाक्य है, जो आत्मा की परम सत्य—ब्रह्म—से एकता की अनुभूति का प्रतीक है। उन्होंने भगवद्गीता में अर्जुन-कृष्ण संवाद का उल्लेख करते हुए बताया कि कृष्ण अर्जुन को सीमित अहं से ऊपर उठकर परम चेतना से अपनी एकात्मता समझने, अपने धर्म को पहचानने और विराट व्यवस्था में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं।

"मेल-मिलाप सस्ता नहीं होता; इसमें संघर्ष और सतत प्रयास लगते हैं" — सेड्रिक सी. क्राउली

18 जुलाई, 2024

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की 106वीं जयंती के उपलक्ष्य में 18 जुलाई, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में क्षमा और मेल-मिलाप की कला: मदीबा से सीख विषय पर सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक उच्चायुक्त महामहिम श्री सेड्रिक सी. क्राउली ने किया।

मुख्य वक्तव्य दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय की पूर्व अध्यक्ष डॉ. कविता शर्मा ने दिया। विशेष संबोधन दिल्ली विश्वविद्यालय के अफ्रीकी अध्ययन विभाग के डॉ. ए. एस. यारुइंगम ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की। उन्होंने अतिथियों को गांधी चरखा, पुस्तकें और पौधे भेंट कर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथियों के साथ वृक्षारोपण भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा।

अपने उद्घाटन संबोधन में श्री क्राउली ने आज हिंसा से ग्रस्त विश्व-समुदाय में शांति के लिए मेल-मिलाप की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भों के साथ कहा कि मेल-मिलाप आसान या "सस्ता" नहीं होता—इसके साथ संघर्ष, पीड़ा और कठिनाइयाँ जुड़ी होती हैं। उन्होंने जेलेनी कॉब के लेख का उल्लेख करते हुए कहा कि मंडेला की मेल-मिलाप के प्रति प्रतिबद्धता उनके रिवोनिया ट्रायल भाषण, राष्ट्रपति पद की शपथ और गैर-नस्ली लोकतांत्रिक समाज के लिए जीवनभर के समर्पण में दिखाई देती है। उन्होंने मंडेला की विरासत से सीख के रूप में छह बिंदुओं का उल्लेख किया—नैतिक दृढ़ता के साथ उदाहरण प्रस्तुत करना, यह समझना कि मेल-मिलाप की कीमत चुकानी पड़ती है, अलोकप्रिय होने पर भी क्षमा और मेल-मिलाप पर टिके रहना, यह जानना कि मेल-मिलाप का अर्थ अतीत को भुलाना नहीं, क्षमा को साहसपूर्ण और सोच-समझकर लिया गया निर्णय बनाना, तथा अहं त्यागकर सेवा और परोपकार को अपनाना।

नेल्सन मंडेला की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सेड्रिक सी. क्राउली, डॉ. कविता शर्मा, डॉ ज्वाला प्रसाद, श्री संजीत कुमार व डॉ वेदाभ्यास कुंडु

समारोह में केआर मंगलम वर्ल्ड स्कूल, वैशाली के बच्चों के मार्चिंग बैंड ने अतिथियों का स्वागत किया। आत्माराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों तथा इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को प्रभावित किया। सम्मेलन में 28 देशों के दूतावासों/उच्चायोगों से राजदूत, उच्चायुक्त और सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हुए (जैसे रूस, जिम्बाब्वे, जमैका, कोस्टा रिका, स्पेन, मोरक्को, युगांडा, अंगोला, जाम्बिया, लीबिया, सूडान, कोलंबिया, गैबॉन, गिनी आदि)। सभी विशिष्ट अतिथियों का समिति द्वारा सम्मान किया गया। शिक्षाजगत, विभिन्न संस्थानों के प्रमुख, कॉलेज फैकल्टी तथा स्कूल-कॉलेज-विश्वविद्यालयों के छात्र भी उपस्थित रहे।

दिल्ली विश्वविद्यालय (एआरएसडी कॉलेज) के बच्चों और इंदिरापुरम वर्ल्ड स्कूल के बच्चों के द्वारा भारत में कई दूतावासों के राजनयिकों के समक्ष मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी गई

इस अवसर पर डॉ. वेदाभ्यास कुंडू द्वारा तैयार मैनुअल का विमोचन मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम समिति सदस्य श्री राजकुमार शर्मा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन श्री संजीत कुमार (प्रशासनिक अधिकारी) के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

गांधी विचार सभा

समकालीन समय में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता पर श्री विजय गोयल का विचार

8 नवंबर, 2024

8 नवंबर, 2024 को गांधी स्मृति में समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की

गई, जिसमें वरिष्ठ पेशेवर, मीडिया प्रतिनिधि, समाजसेवी, लेखक आदि उपस्थित रहे। बैठक में श्री गोयल ने पिछले तीन वर्षों में समिति द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों और प्रमुख कार्यक्रमों पर चर्चा की तथा संस्थान की हालिया प्रगति और विकास कार्यों को रेखांकित किया। चर्चा के बाद श्री गोयल ने प्रतिनिधिमंडल को गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण भी कराया।

गांधी स्मृति में समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल की अध्यक्षता में आयोजित गांधी विचार सभा के दृश्य

"21वीं सदी में वैश्विक शांति के लिए गांधीवादी सिद्धांत" - संवाद

25 नवंबर, 2024

25 नवंबर, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने गांधी दर्शन, राजघाट में "21वीं सदी में वैश्विक शांति के लिए गांधी सिद्धांत" विषय पर एक संवाद आयोजित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने प्रस्तुति देते हुए गांधी दर्शन के चार आधार स्तंभ—सत्य, अहिंसा, सर्वोदय और सत्याग्रह—पर प्रकाश डाला और बताया कि ये सिद्धांत आज की चुनौतियों—संघर्ष समाधान, पर्यावरणीय क्षरण और असमानता—के लिए टिकाऊ ढांचा प्रदान करते हैं।

अध्यक्षीय संबोधन में समिति निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने गांधी दर्शन की समकालीन दुनिया में आवश्यकता पर जोर दिया और गांधीजी के जीवन प्रसंगों के माध्यम से शांति और न्याय के लिए उनके मार्ग को प्रेरक बताया। उन्होंने वैश्विक नीति निर्माण और शिक्षा प्रणालियों में गांधीय मूल्यों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

विशेष सत्र में डॉ. शमेनाज़ बानो ने मध्य एशिया में गांधीय मूल्यों के प्रचार पर ध्यान केंद्रित किया। कज़ाखस्तान के श्री काहमिदुल्ला ताजिएव, उज़्बेकिस्तान की सुश्री शाहनोज़ा उमरोवा तथा सुश्री दिलदोरा तुख्ताएवा सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। श्री असरोर अल्लायारोव ने "महात्मा गांधी और शांति" विषय पर संबोधन देते हुए आधुनिक संघर्षों में गांधी की अहिंसा-नीति के उपयोग पर चर्चा की। धन्यवाद प्रस्ताव श्री संजीत कुमार ने प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों को गांधी दर्शन संग्रहालयों का भ्रमण भी कराया गया।

संविधान दिवस के अंतर्गत "संवैधानिक मूल्य और महात्मा गांधी" पर संगोष्ठी

26 नवंबर, 2024

कार्यक्रम में अध्यक्षीय सम्बोधन देते हुए समिति उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल

भारत के 76वें संविधान दिवस के अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने गांधी दर्शन, राजघाट में "भारत का संविधान और नैतिक मूल्य" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) लक्ष्मी कांत गौर और विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता राम मोहन राय (महासचिव, गांधी ग्लोबल फैमिली) रहे। कार्यक्रम का अध्यक्षीय उद्बोधन माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने दिया। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम की थीम की भूमिका रखी। उन्होंने संविधान को "लोकतंत्र का उत्सव" बताते हुए कहा कि संविधान अधिकारों के साथ-साथ आत्म-अनुशासन की प्रेरणा भी देता है।

राम मोहन राय ने "गांधीवादी सिद्धांतों की दृष्टि से भारतीय संविधान" विषय पर कहा कि गांधीजी का संविधान पर प्रत्यक्ष प्रभाव भले न रहा हो, पर उनके विचार संविधान के पन्नों में प्रतिबिंबित होते हैं। उन्होंने गांधी के सत्य-अहिंसा और लोकतंत्र को नैतिक-सामाजिक व्यवस्था मानने वाले दृष्टिकोण का उल्लेख किया। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) लक्ष्मी कांत गौर ने परिवार, समाज और विश्व में संघर्षों के समाधान हेतु अहिंसक संचार और मध्यस्थता की शक्ति पर बात की तथा शासन में नैतिक मूल्यों की आवश्यकता रेखांकित की। गांधी ग्लोबल फाउंडेशन के श्री हरदयाल कुशवाहा ने 'हर घर संविधान' की अवधारणा पर अपने विचार रखे। अध्यक्षीय संबोधन में श्री विजय गोयल ने संविधान को विविधता की रक्षा करने वाला जीवंत ढांचा बताया और अधिकारों के साथ कर्तव्यों/जिम्मेदारियों तथा आत्म-अनुशासन की भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद प्रस्ताव श्री संजीत कुमार ने किया। उन्होंने संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों के संदर्भ में युवाओं से आग्रह किया कि वे संविधान को केवल कानूनी ढांचा नहीं, बल्कि नैतिक दिशासूचक भी समझें।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय सम्बोधन देते हुए समिति उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल

राष्ट्रीय संवाद: "सही–गलत से आगे: परिवर्तनकारी भविष्य के लिए युवा नेतृत्व की नई परिभाषा"
20 दिसंबर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 20 दिसंबर, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में राष्ट्रीय सम्मेलन/संवाद आयोजित किया, विषय था- **सही–गलत से आगे: परिवर्तनकारी भविष्य के लिए युवा नेतृत्व की नई परिभाषा**।

विभिन्न क्षेत्रों से 150 युवा सहयोगी जुटे और युवा नेतृत्व, नागरिक भागीदारी तथा युवा-केंद्रित विकास पर चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारत सरकार के कौशल विकास, उद्यमिता एवं शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी रहे। अन्य अतिथियों में सुश्री यामिनी मिश्रा (कंट्री डायरेक्टर, मैकआर्थर फाउंडेशन) और सुश्री प्रज्ञा वत्स (कम्युनिकेशन स्पेशलिस्ट) शामिल रहीं।

श्री जयंत चौधरी ने कहा कि स्किलिंग प्लेसमेंट के बिना सफल नहीं हो सकती, और कॉर्पोरेट क्षेत्र को युवाओं की जरूरतों के अनुरूप अधिक रोजगार अवसर बनाने होंगे। उन्होंने सक्रिय नागरिकता की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस सम्मेलन में डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स, वाइल्डटेल्स, वार्टालीप कोएलिशन जैसे सिविल सोसाइटी संगठन; रोहिणी नीलेकणी फिलैंथ्रॉपी व USAID जैसे परोपकारी पक्ष; Citizen Matters, CSR Journal जैसे मीडिया मंच; तथा अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी व ISDM जैसे अकादमिक संस्थान भी शामिल रहे।

असम, गुजरात, झारखंड, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के युवा नेताओं ने भी मंच साझा किया।कार्यक्रम से पहले जमीनी स्तर के नेताओं द्वारा 12 क्षेत्रीय संवाद आयोजित किए गए, जिनमें 600 से अधिक सहयोगियों की आवाज़ें समेकित हुईं।

"महात्मा गांधी और पत्रकारिता" पर संगोष्ठी
1 मार्च, 2025

1 मार्च, 2025 को गांधी दर्शन में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने "गांधी और पत्रकारिता" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। मुख्य वक्ता बिहार लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अरुण भगत रहे।

विशिष्ट अतिथियों में ICCR की पत्रिका गगनाचल के संपादक श्री रवि शंकर और मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक प्रो. देवेंद्र दीपक शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की। प्रो. अरुण भगत ने कहा कि गांधीजी ने पत्रकारिता के मानक स्थापित किए, उनकी पत्रकारिता आज भी प्रासंगिक है, पर दुर्भाग्यवश समाज-सरोकार वाली पत्रकारिता कम होती जा रही है और पत्रकार पक्षधर बनते जा रहे हैं।

श्री रवि शंकर ने कहा कि गांधीजी पत्रकारिता को सेवा मानते थे, पर आज यह व्यवसायिक होती जा रही है; मीडिया दूसरों को शिक्षित करने का दावा करता है, पर स्वयं भी अनेक बार बुनियादी समझ से चूक जाता है।

डॉ. ज्वाला प्रसाद ने कहा कि आज की पत्रकारिता का निरीक्षण जरूरी है; गांधीजी सत्य पर अडिग रहे, जबकि आज के दौर में चापलूसी का दबाव बढ़ा है—ऐसे समय में सत्य के मार्ग पर चलना चुनौती है।

कार्यक्रम का समापन भजन संध्या से हुआ, जिसमें गायक हिमांशु कुमार ने भक्तिमय संगीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. राजीव गुप्ता, श्री अजय अनुराग, समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू, शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय, विभिन्न संस्थानों के पत्रकारिता छात्रों, गांधीवादी कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा आयोजित "गांधी और पत्रकारिता" विषय पर संगोष्ठी में उपस्थित बिहार लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अरुण भगत, पत्रिका गगनाचल के संपादक श्री रवि शंकर और मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक प्रो. देवेंद्र दीपक

स्मरण कार्यक्रम

* अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन
* गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंती
* विश्व पर्यावरण दिवस 2024 पर वृक्षारोपण
* हिरोशिमा दिवस की 79वीं वर्षगाँठ पर स्मरण-सभा
* 78वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित
* “एक पेड़ माँ के नाम” के अंतर्गत गांधी स्मृति में पौधारोपण
* महर्षि वाल्मीकि जयंती
* लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती
* राष्ट्रनायक बिपिन चंद्र पाल की 166 वीं जयंती
* मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की 136वीं जयंती
* स्वतंत्रता सेनानी बटुकेश्वर दत्त को नमन
* रानी लक्ष्मीबाई की 196वीं जयंती पर श्रद्धांजली
* राजेंद्र प्रसाद की 140वीं जयंती
* डॉ भीमराव अंबेडकर पुण्य तिथि
* नेताजी की 128 वीं जयंती
* गुरु रविदास जयंती

गांधी दर्शन, राजघाट में अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस—विश्व पर श्रमिकों को नमन

1 मई, 2024

गांधी दर्शन, राजघाट में 1 मई 2024 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस वैश्विक श्रमिक समुदाय के प्रति सम्मान समारोह के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. ज्वाला प्रसाद, निदेशक, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने विश्वभर के श्रमिकों के अथक परिश्रम और योगदान का सम्मान किया।

अपने संबोधन में डॉ. प्रसाद ने मज़दूर दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए उसे गांधीवादी आदर्शों के अनुरूप बताया। कृतज्ञता के प्रतीकस्वरूप उन्होंने समिति के समस्त कर्मचारियों को नोटबुक और कैलेंडर भेंट किए। यह श्रमिकों की समर्पित सेवा-भाव को सम्मान ही नहीं, बल्कि गांधी दर्शन के मूल्यों को जीवन में निरंतर आत्मसात करने की प्रेरणा भी है।

इंटरनेशनल लेबर डे के मौके पर समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने लोगों को संबोधित किया

गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंती पर श्रद्धांजलि

7 मई, 2024

राजघाट के गांधी दर्शन में कल्पना चावला जागृति पार्क में नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंती पर उन्हें फूल चढ़ाए गए

गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंती (7 मई 2024) के उपलक्ष्य में दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी कॉलेज के गांधी अध्ययन मंडल के छात्रों ने गांधी दर्शन, राजघाट में "महात्मा गांधी और गुरुदेव" विषय पर एक संवाद-सत्र में सहभागिता की। विद्यार्थियों ने दोनों महापुरुषों के गहन दर्शन पर विचार किया। बाद में निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने छात्रों और स्टाफ के साथ कल्पना चावला पार्क में गुरुदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा गांधी अध्ययन मंडल के विद्यार्थियों को समिति के साथ आगे भी सार्थक कार्य-समन्वय के लिए प्रेरित किया।

विश्व पर्यावरण दिवस 2024 पर वृक्षारोपण

5 जून, 2024

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण करते हुए समिति निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद और स्टाफ सदस्य

विश्व पर्यावरण दिवस पर समिति निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद के नेतृत्व में गांधी स्मृति एवं गांधी दर्शन—दोनों परिसरों में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में बच्चों, समिति स्टाफ, कलाकारों और शिल्पियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की। विभिन्न फलदार पौधे लगाकर पर्यावरणीय सततता व हरित भविष्य के संकल्प को पुष्ट किया गया।

समारोह के दौरान डॉ. प्रसाद ने पर्यावरण-संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए सभी से जीवन के विशेष अवसरों पर वृक्षारोपण का संकल्प लेने की अपील की। इस वर्ष की थीम "भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखा-रोधी क्षमता" रही, जिसने वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों से बचने का गंभीर संदेश दिया।

हिरोशिमा दिवस की 79वीं वर्षगाँठ पर स्मरण-सभा

6 अगस्त, 2024

बाल भारती पब्लिक स्कूल के बच्चे 79वें हिरोशिमा दिवस के मौके पर गांधी दर्शन राजघाट में प्रार्थना में शामिल हुए।

बाल भारती पब्लिक स्कूल के लगभग 50 छात्रों ने हिरोशिमा दिवस की 79वीं वर्षगाँठ पर आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया। समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने बच्चों को समाज सेवा, आत्म-अनुशासन और आत्म-संयम का अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया तथा गांधीवादी मूल्यों पर चर्चा की।

छात्रों ने हिरोशिमा त्रासदी से मिली सीख पर प्रस्तुतियाँ दीं और भगवद्गीता के श्लोक प्रस्तुत किए। डॉ. वेदाभ्यास कुंडु (कार्यक्रम अधिकारी) ने शांति-निर्माण पर सत्र लिया और श्री संजीत कुमार (प्रशासनिक अधिकारी) ने गांधीवादी मूल्यों पर संबोधित किया। बच्चों के लिए गांधी क्विज़ भी आयोजित हुई और उन्हें संग्रहालय भ्रमण कराया गया।

गांधी दर्शन, राजघाट में 78वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

15 अगस्त, 2024

प्रो. राजकुमार भाटिया ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर गांधी दर्शन राजघाट में डॉ. ज्वाला प्रसाद के साथ तिरंगा फहराया, जिसमें बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां खास आकर्षण रहीं

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में एकता, राष्ट्रीय समरसता और विविधता की भावना को दर्शाते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला आयोजित की।

मुख्य अतिथि प्रो. राजकुमार भाटिया (चिंतक, साहित्यकार) ने डॉ. ज्वाला प्रसाद (निदेशक, गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति) के साथ तिरंगा फहराया और "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

इस अवसर पर अभिज्ञान नाट्य संघ के कलाकारों ने स्वतंत्रता-भाव से ओतप्रोत संगीतमय प्रस्तुतियाँ दीं। 'अबिरा' समूह (नेतृत्व: श्री उदय नारायण सिंह) ने आज़ादी के संघर्ष और गांधीजी की निर्णायक भूमिका पर आधारित गीत प्रस्तुत किए। श्री हिमांशु कुमार के देशभक्ति गीत और डॉ. गोरख प्रसाद मस्ताना की ओजस्वी कविताओं ने वातावरण को भाव-विह्वल कर दिया। हर घर तिरंगा अभियान की गूंज से परिसर प्रफुल्लित रहा। प्रो. भाटिया ने प्रतिभागी बच्चों को गांधी नोटबुक भेंट कीं, जिनमें सद्गुण-संवर्धन के बिंदु भी संकलित थे। कार्यक्रम के समापन पर प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

"एक पेड़ माँ के नाम" के अंतर्गत गांधी स्मृति में पौधारोपण

5 सितंबर, 2024

श्री विजय गोयल, माननीय उपाध्यक्ष ने गांधी स्मृति में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत एक पेड़ लगाते हुए दिख रहे हैं

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान को आगे बढ़ाते हुए श्री विजय गोयल (उपाध्यक्ष) ने स्टाफ के साथ गांधी स्मृति परिसर में फलदार पौधे का रोपण किया। इस पहल का उद्देश्य मातृ-समर्पण के भाव के साथ पर्यावरण-संरक्षण को बढ़ावा देना है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह

17 अक्टूबर, 2024

प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार, वाल्मीकि जयंती पर लोगों को संबोधित कर रहे हैं, जबकि निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू उनकी बातें सुन रहे हैं

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने गांधी दर्शन, राजघाट में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने स्टाफ के साथ पुष्पांजलि अर्पित की और रामायण के महाकवि के रूप में महर्षि वाल्मीकि के साहित्यिक और आध्यात्मिक योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के आत्म-परिवर्तन के संदेश—पाप से तपस्या तक की यात्रा—की समसामयिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए करुणा, धर्मनिष्ठा और सेवा-भाव को अपनाने का आग्रह किया।

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन

31 अक्टूबर, 2024

राष्ट्रीय एकता दिवस तथा सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर गांधी दर्शन, राजघाट में निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने स्टाफ के साथ पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक एकता-शपथ भी दिलाई गई, जिसमें एकता, अखंडता और आत्मनिर्भरता के संकल्प दोहराए गए।

राष्ट्रनायक बिपिन चंद्र पाल को श्रद्धांजलि

7 नवंबर, 2024

स्वतंत्रता सेनानी बिपिन चंद्र पाल की 166वीं जयंती पर गांधी दर्शन, राजघाट में एक व्याख्यान आयोजित हुआ। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद के नेतृत्व में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विशिष्ट अतिथि श्री श्रवण सिंह ने देशभक्ति गीत और छठ पर लोकगीत प्रस्तुत किया, जबकि वक्ताओं ने पाल के राष्ट्रवादी विचार, लेखन, वक्तृत्व और सामाजिक सुधार में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

(इनसेट): राजघाट के गांधी दर्शन में बिपिन चंद्र पाल पर चर्चा के दौरान अपना अनुभव बतलाता हुआ एक प्रतिभागी

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद: 136वीं जयंती पर स्मरण

11 नवंबर, 2024

निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार व स्टाफ सदस्यों के साथ, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को श्रद्धांजलि देते हुए।

समिति निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने समस्त स्टाफ के साथ गांधी दर्शन, राजघाट में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री) को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. वेदाभ्यास कुंडु और श्री संजीत कुमार ने शिक्षा, नैतिकता और मूल्यों के महत्व पर विचार रखे। इस अवसर पर परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

शहीद-स्वतंत्रता सेनानी बटुकेश्वर दत्त को नमन

16 नवंबर, 2024

श्री संजीत कुमार, डॉ. वेदाभ्यास कुंडू के साथ, बटुकेश्वर दत्त श्रद्धांजलि समारोह में दीप प्रज्ज्वलन करते हुए।

गांधी दर्शन, राजघाट में बटुकेश्वर दत्त की 114वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी गई। डॉ. वेदाभ्यास कुंडु और श्री संजीत कुमार ने उनके अविस्मरणीय साहस और केंद्रीय विधान परिषद बम प्रकरण (1929) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि

इसका उद्देश्य किसी को हानि पहुँचाना नहीं, बल्कि ब्रिटिश हुकूमत की अंतरात्मा को झकझोरना और जनता को जागृत करना था। दत्त की समाजवादी विचारधारा, युवाशक्ति में विश्वास और हाशिये के समुदायों के प्रति संवेदना पर भी चर्चा हुई।

रानी लक्ष्मीबाई की 196वीं जयंती—वीरांगना को वंदन

19 नवंबर, 2024

समिति ने रानी लक्ष्मी बाई को श्रद्धांजलि दी। स्टाफ ने भारत की आज़ादी पर भी अपने विचार साझा किए

गांधी दर्शन, राजघाट में रानी लक्ष्मीबाई की 196वीं जयंती पर सारगर्भित संवाद आयोजित हुआ। समिति के डॉ. वेदाभ्यास कुंडु और श्री संजीत कुमार ने रानी के साहस और धैर्य के शाश्वत संदेश पर चर्चा की तथा गांधीजी के सत्य-अहिंसा के दृढ़ संकल्प से उसका तुलनात्मक संदर्भ रखा।

श्री संजीत कुमार ने औपनिवेशिक दौर की पृष्ठभूमि, मुगल आक्रमणों के प्रभाव और महिला स्वतंत्रता सेनानियों की अदम्य वीरता का उल्लेख किया। कार्यक्रम में श्री शकील ने रानी लक्ष्मीबाई का संक्षिप्त परिचय दिया और श्री पीयूष ने सुभद्रा कुमारी चौहान की अमर कविता "झाँसी की रानी" का पाठ किया।

स्वतंत्रता-नायकों को नमन

3 दिसंबर, 2024

स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 140वीं जयंती और खुदीराम बोस की 135वीं जयंती पर गांधी दर्शन, राजघाट में श्रद्धांजलि सभा हुई। मुख्य अतिथि श्री राधेश्याम शर्मा (राजेंद्र प्रसाद समिति) ने डॉ. प्रसाद के राष्ट्रधर्म, विनम्रता और अटलबोध पर प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि श्री दिव्यांशु पांडे (वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट) ने डॉ. प्रसाद के नेतृत्व और खुदीराम के युवत्व-पराक्रम की समकालीन प्रासंगिकता पर विचार रखे, तथा अपने पारिवारिक संस्मरण भी साझा किए। प्रस्तावना में डॉ. ज्वाला प्रसाद ने डॉ. प्रसाद की संविधान सभा अध्यक्ष के रूप में भूमिका और गांधीवादी आदर्शों से उनकी प्रतिबद्धता का स्मरण कराया, साथ ही खुदीराम बोस के निर्भीक राष्ट्रवाद को प्रेरणा-स्रोत बताया। श्री संजीत कुमार ने 3 दिसंबर—अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस—के संदर्भ में समावेशिता और सशक्तिकरण की अपरिहार्यता पर प्रकाश डाला।

श्री राधेश्याम शर्मा, राजघाट के गांधी दर्शन में मौजूद लोगों को ध्यान से सुन रहे हैं

डॉ. भीमराव आंबेडकर को 69वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि

6 दिसंबर, 2024

गांधी दर्शन, राजघाट में डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि पर डॉ. वेदव्यास कुंडु और श्री संजीत कुमार सहित स्टाफ ने कल्पना चावला जागृति पार्क में प्रतिमा पर

प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार, राजघाट स्थित गांधी दर्शन में कल्पना चावला जागृति पार्क में डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि पर चर्चा करते हुए देखे जा सकते हैं

माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

श्री संजीत कुमार ने आंबेडकर के संविधान-निर्माण और जन-सरोकारों के प्रतिनिधित्व की अद्भुत भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. कुंडु ने आंबेडकर को दूरदर्शी समाज-सुधारक बताते हुए 1932 का पूना पैक्ट—गांधी-आंबेडकर के बीच दलित वर्ग के प्रतिनिधित्व पर हुए ऐतिहासिक समझौते का संदर्भ दिया, जिसने पृथक निर्वाचक मंडलों के बजाय आरक्षित सीटों की व्यवस्था से दलितों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस—128वीं जयंती पर स्मरण

23 जनवरी, 2025

CCRT के प्रशिक्षु अध्यापक गांधी दर्शन स्थित गांधी वाटिका में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए

गांधी दर्शन, राजघाट में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 128वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। डॉ. ज्वाला प्रसाद ने समिति स्टाफ तथा सीसीआरटी, द्वारका में प्रशिक्षणरत नौ राज्यों से आए लगभग 120 शिक्षकों के साथ पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि श्री दारा सिंह खुराना (मि. इंटरनेशनल 2017) थे। डॉ. राहुल कुमार (उप निदेशक, CCRT), डॉ. वेदाभ्यास कुंडू (कार्यक्रम अधिकारी) और श्री संजीत कुमार (प्रशासनिक अधिकारी) भी उपस्थित रहे तथा शिक्षकों के साथ संवाद किया।

गुरु रविदास जयंती समारोह

12 फरवरी, 2025

गांधी स्मृति और गांधी दर्शन, राजघाट में निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद के नेतृत्व में गुरु रविदास जी की जयंती पर समस्त स्टाफ ने श्रद्धांजलि दी और दोनों परिसरों में श्रमदान किया।

गांधी दर्शन, राजघाट के कार्यक्रम में एडवोकेट कुनाल मलिक मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पांजलि से हुई। श्री संजीत कुमार ने गुरु रविदास जी का संक्षिप्त जीवन-परिचय प्रस्तुत किया, जबकि डॉ. ज्वाला प्रसाद ने निष्ठापूर्वक कर्मयोग के सार पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एमटीएस कर्मी श्री शैलेश, श्री राजिंदर और श्री नौशाद को सम्मानित किया गया।

गुरु रविदास जयंती मनाने के लिए गांधी स्मृति और गांधी दर्शन में एक बड़ा सफाई अभियान चलाया गया। एडवोकेट कुणाल मलिक का लेक्चर प्रोग्राम का एक और मुख्य आकर्षण था

बच्चों के लिए कार्यक्रम

* जीसस मैरी जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल के साथ ओरिएंटेशन कार्यक्रम
* 'गांधी को समझना' विषय पर इतिहास संस्था के साथ सत्र
* झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों के बच्चों के लिए 10-दिवसीय गांधी समर स्कूल
* विद्यालयों के शिक्षकों के साथ ओरिएंटेशन
* बाल सुधार गृह के अपचारियों के लिए समर स्कूल
* बाल भारती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम
* माउंट आबू स्कूल में गांधी मेला आयोजित
* राष्ट्रपति भवन में बच्चों के साथ संवाद
* सेंट गिरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कार्यशाला एवं प्रदर्शनी आयोजित
* गांधी दर्शन में बाल दिवस समारोह आयोजित
* अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन
* गांधी दर्शन में कविता प्रतियोगिता का आयोजन
* विद्यालयों में विवाद प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन
* लिटिल फ्लावर्स स्कूल ने बच्चों के सोशल कॉन्क्लेव में जीता प्रथम स्थान
* 'आत्मनिर्भर भारत' पर संगोष्ठी और लेह लद्दाख पर कार्यशाला

विद्यालयी बच्चों के साथ अभिमुखीकरण कार्यक्रम
4 मई, 2024

4 मई, 2024 को गांधी स्मृति में जीसस मैरी जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पश्चिम विहार के बच्चों के साथ एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 244 विद्यार्थियों ने गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण किया तथा उन्हें मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान गांधी क्विज़ का भी आयोजन किया गया। इस अभिमुखीकरण कार्यक्रम में डॉ. सौरव के. राय एवं श्री राजदीप पाठक ने बच्चों से संवाद किया।

बच्चों के साथ अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

'गांधी को समझना' विषय पर इंटरैक्टिव सत्र
22 मई, 2024

'टेकिंग गांधी टू स्कूल' कार्यक्रम के अंतर्गत 22 मई, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में बच्चों के लिए 'गांधी को समझना' विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंडियन ट्रेडिशन्स हेरिटेज सोसाइटी (इतिहास) के 40 बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर इतिहास की संस्थापक निदेशक सुश्री स्मिता वत्स भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने बच्चों से संवाद किया। भ्रमण के दौरान बच्चों को गांधी दर्शन के संग्रहालयों का मार्गदर्शित दौरा भी कराया गया।

गांधी दर्शन राजघाट में 'गांधी को समझना' विषय पर आयोजित सत्र में उपस्थित उत्साही बच्चे

झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों के बच्चों के लिए 10-दिवसीय गांधी समर स्कूल
5 जून, 2024

5 जून, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने गांधी दर्शन, राजघाट में झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों के बच्चों के लिए 10-दिवसीय गांधी समर स्कूल का उद्घाटन किया।

इस समर स्कूल में विभिन्न क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। उन्हें रंगमंच, माइम एवं छऊ नृत्य, भरतनाट्यम, मिट्टी कला, जूट क्राफ्ट, संगीत, मध्यस्थता व संघर्ष समाधान, फिल्म निर्माण, मोमबत्ती निर्माण, चरखा कताई, लिप्पन आर्ट, कॉमिक स्ट्रिप आदि का प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की वरिष्ठ संसाधन व्यक्ति सुश्री निशा त्रिवेदी इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहीं।

झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों के बच्चों के लिए आयोजित 10-दिवसीय गांधी समर स्कूल में उपस्थित एनएसडी की सुश्री निशा त्रिवेदी व अन्य अतिथिगण

समर स्कूल का समापन समारोह (18 जून, 2024)

18 जून, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में 15-दिवसीय गांधी समर स्कूल का समापन समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर भारत में लिथुआनिया गणराज्य की राजदूत महामहिम सुश्री डायना मिकेविचिएने मुख्य अतिथि रहीं।

बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भव्य श्रृंखला प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति निदेशक, डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की। मुख्य विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के निदेशक श्री चित्तरंजन त्रिपाठी रहे।

समर स्कूल में बच्चों द्वारा सीखी गई पेंटिंग, लिप्पन आर्ट, मोमबत्तियाँ, मिट्टी कला, कॉमिक स्ट्रिप आदि की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसकी अतिथियों ने सराहना की। मुख्य अतिथि ने बच्चों की रचनात्मकता और उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतनी कम अवधि में उनकी सीख और सृजनशीलता प्रेरणादायी है।

भारत में लिथुआनिया गणराज्य की राजदूत महामहिम सुश्री डायना मिकेविचिएने, समिति निदेशक डॉ ज्वाला प्रसाद, गांधी दर्शन में आयोजित समर स्कूल में भाग लेते हुए

समर स्कूल में बच्चों द्वारा प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया

'टेकिंग गांधी टू स्कूल्स' के अंतर्गत शिक्षकों से संवाद 10 जुलाई, 2024

10 जुलाई, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 150 शिक्षकों के साथ संवाद सत्र आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय के निदेशक श्री ए. अन्नामलाई रहे तथा सत्र की अध्यक्षता डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की। श्री संजीत कुमार ने मूल्य-आधारित शिक्षा में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर चर्चा की।

प्रेक्षण गृह (बालक) में गांधी समर स्कूल
21–29 जुलाई, 2024

ऑब्ज़र्वेशन होम फॉर बॉयज़-1 के बच्चे गांधी समर स्कूल के दौरान आयोजित संवादात्मक सत्र में भाग लेते हुए तथा नीचे माइम एक्ट प्रस्तुत करते हुए।

21 जुलाई, 2024 से दिल्ली गेट स्थित बालक प्रेक्षण गृह-1 में एक सप्ताह का गांधी समर स्कूल आयोजित किया गया। इसमें योग, ध्यान, रंगमंच, नृत्य, क्रिल आर्ट और पेंटिंग जैसी गतिविधियाँ कराई गईं। बच्चों को लैंगिक समानता, करुणा और माइंडफुलनेस पर विशेष सत्र भी दिए गए। 29 जुलाई, 2024 को आयोजित समापन समारोह में बच्चों ने अपनी सीख को प्रस्तुतियों के माध्यम से साझा किया।

बाल भारती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम
12 सितंबर, 2024

बाल भारती पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद के छात्र गांधी दर्शन में आयोजित "माय लाइफ इज़ माय मैसेज" प्रदर्शनी में।

12 सितंबर, 2024 को बाल भारती पब्लिक स्कूल, बृज विहार, गाजियाबाद के 225 विद्यार्थियों एवं आठ शिक्षकों ने गांधी दर्शन, राजघाट का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी द्वारा आत्मसात किए गए गांधीवादी मूल्यों, नैतिकता और जीवन में अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को सत्य, ईमानदारी, समर्पण और अनुशासन के सिद्धांतों का पालन करने के लिए प्रेरित किया, जो जीवन में सुदृढ़ मूल्यों का निर्माण करते हैं।

समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। श्री शकील खान ने भी बच्चों से संवाद किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों को गांधी दर्शन संग्रहालयों का मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया।

गांधी जयंती 2024 के लिए सैकड़ों विद्यार्थियों की रिहर्सल
सितंबर, 2024

दिल्ली एवं एनसीआर के 35 से अधिक विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने गांधी दर्शन में महात्मा गांधी को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु रिहर्सल में भाग लिया। 25 सितंबर से प्रारंभ हुई ये रिहर्सल 2 अक्टूबर तक जारी रहेंगी। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी

की 155वीं जयंती के अवसर पर विद्यार्थी गांधी स्मृति में अपनी प्रस्तुति देंगे। इस सामूहिक पहल के माध्यम से नई पीढ़ी को गांधीजी के आदर्शों से जोड़ने और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का उद्देश्य रखा गया है।

माउंट आबू स्कूल में गांधी मेला आयोजित
1 अक्टूबर, 2024

महात्मा गांधी की 155वीं जयंती की पूर्व संध्या पर 1 अक्टूबर, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा रोहिणी स्थित माउंट आबू पब्लिक स्कूल में 'गांधी मेला' आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में 'गांधी पीस क्लब' की स्थापना भी की गई तथा विद्यार्थियों को 'स्वच्छता प्रतिज्ञा' दिलाई गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती ज्योति अरोड़ा एवं समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

(ऊपर): बच्चे अपनी कलाकृतियों के साथ सामूहिक छायाचित्र के लिए एकत्रित हैं
(नीचे): 'अंडरस्टैंडिंग गांधी' कार्यक्रम युवा बच्चों को आकर्षित करता गांधी साहित्य का पुस्तक स्टॉल।
श्री विजय गोयल बच्चों को संबोधित करते हुए।

उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल का गांधी स्मृति में बच्चों से संवाद
15 अक्टूबर, 2024

15 अक्टूबर, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने राष्ट्रपति भवन परिसर में निवास करने वाले बच्चों के साथ गांधी स्मृति में संवाद किया। उन्होंने महात्मा गांधी के जीवन के विविध और रोचक प्रसंगों को बच्चों के साथ साझा किया तथा उनसे प्रश्नोत्तरी भी की। बच्चों को गांधी स्मृति संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया और इस अवसर पर आयोजित गांधी क्विज़ में भी उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह संवाद बच्चों को गांधीजी के जीवन और आदर्शों से प्रेरित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

सेंट गिरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कार्यशाला एवं प्रदर्शनी आयोजित
15 अक्टूबर, 2024

श्रीमती नम्रता, सेंट गिरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षकों के लिए चरखा प्रदर्शन करती हुईं।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की 'टेकिंग गांधी टू स्कूल्स' पहल के अंतर्गत 15 अक्टूबर, 2024 को रोहिणी स्थित सेंट गिरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में चलाए जा रहे 'स्पेशल कैंपेन 4.0' के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में गांधीवादी मूल्यों का प्रसार

करना था। इस अवसर पर 'माइंडफुलनेस', 'शांति शिक्षा' तथा 'गांधीवादी मूल्य' विषयों पर व्याख्यान एवं संवाद सत्र आयोजित किए गए। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, आत्मानुशासन और अहिंसा की भावना से प्रेरित करने का प्रयास किया गया।

बाल दिवस पर रचनात्मकता की अनूठी प्रस्तुति
14 नवंबर, 2024

14 नवंबर, 2024 को ज्ञान शक्ति विद्यालय, नोएडा के लगभग 60 विद्यार्थियों तथा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कर्मचारियों ने गांधी दर्शन, राजघाट में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का आरंभ कल्पना चावला जागृति पार्क में डॉ. ज्वाला प्रसाद के नेतृत्व में पं. जवाहरलाल नेहरू को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इस अवसर पर बच्चों ने कविताएँ प्रस्तुत कीं और बाल दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उनके वक्तव्यों में सृजनात्मकता, संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कार्यक्रम ने बच्चों को अभिव्यक्ति का मंच प्रदान किया और उनके उत्साह ने पूरे वातावरण को ऊर्जा से भर दिया।

अन्वेषण के 15 वर्ष: अनुभवात्मक शिक्षा और विरासत से संवाद का उत्सव
7 दिसंबर, 2024

इतिहास संस्था के प्रमुख अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम 'अन्वेषण' का भव्य समापन समारोह 7 दिसंबर, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग

समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल, गांधी दर्शन, राजघाट में 'अन्वेषण 2024' के विभिन्न वर्गों के विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान करते हुए।

से आयोजित किया गया। अपने 15वें वर्ष में प्रवेश कर चुके इस कार्यक्रम में 280 प्रतिभागियों में से चयनित 20 टीमों ने "अग्नि, पृथ्वी और जल" विषयों पर आधारित प्रस्तुतियाँ दीं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल थे। उन्होंने विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कृत भी किया।

इतिहास की संस्थापक निदेशक सुश्री स्मिता वत्स ने कार्यक्रम की 15 वर्षीय यात्रा को रेखांकित करते हुए बताया कि यह वर्ष संस्था के 20 वर्ष पूर्ण होने का भी प्रतीक है। समारोह में चयनित 20 टीमों ने अपनी सृजनात्मकता और समर्पण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर समिति द्वारा बच्चों के लिए गांधी क्विज का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. ज्वाला प्रसाद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

कविता प्रतियोगिता में युवा कवियों का दमदार प्रदर्शन
19 दिसंबर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 19 दिसंबर, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में "अहिंसा का मार्ग" विषय पर कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिल्ली एवं एनसीआर क्षेत्र के लगभग 50 विद्यालयों की सहभागिता के साथ यह आयोजन गांधीवादी विचारों को काव्य के माध्यम से अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच बना।

संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती उमा नंदुरी गांधी वाटिका में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करती हुईं, साथ में समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अहिंसा, सत्य, करुणा और मानवता जैसे मूल्यों को अपनी कविताओं के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में संवेदनशीलता, वैचारिक परिपक्वता और सामाजिक प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से झलक रही थी। कार्यक्रम

की मुख्य अतिथि संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव (अकादमी) श्रीमती उमा नंदूरी थीं। अपने आगमन पर उन्होंने गांधी दर्शन परिसर में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत एक पौधा रोपित किया। उनका स्वागत निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने किया।

प्रतियोगिता का समापन युवा कवियों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के साथ हुआ। एवरग्रीन पब्लिक स्कूल, वसुंधरा एन्क्लेव की सुश्री विदुषी वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लिटिल फ्लॉवर्स इंटरनेशनल स्कूल के श्री देवेश द्वितीय तथा मॉडर्न पब्लिक स्कूल के श्री ध्रुव नेगी तृतीय स्थान पर रहे। आंध्र एजुकेशन सोसायटी, आईटीओ की सुश्री चेष्टा शर्मा तथा सर्वोदय सह-शिक्षा विद्यालय नं. 2, कालकाजी के श्री आदर्श शुक्ला को प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किए गए।

सुश्री विदुषी वर्मा, प्रतियोगिता के निर्णायकों एवं समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद से पुरस्कार प्राप्त करती हुईं

प्रतियोगिता का मूल्यांकन एक विशिष्ट निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें संगीतकार श्री दीपक कास्टेलिनो, गायक श्री हिमांशु कुमार, कवयित्री सुश्री सरला मिश्रा तथा श्री विनोद पराशर शामिल थे। उनके निष्पक्ष और सूक्ष्म मूल्यांकन ने प्रतियोगिता के स्तर को उच्च बनाए रखा तथा काव्य प्रतिभा के उत्सव को सार्थक आयाम प्रदान किया।

30 जनवरी:77वें शहादत दिवस कार्यक्रम हेतु रिहर्सल आयोजित

23 जनवरी, 2025

30 जनवरी, 2025 को आयोजित होने वाले 77वें शहादत दिवस कार्यक्रम की तैयारियों के अंतर्गत 23 जनवरी को गांधी दर्शन, राजघाट में विशेष रिहर्सल सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिल्ली एवं एनसीआर क्षेत्र के लगभग 50 विद्यालयों से आए लगभग 300 विद्यार्थी एवं शिक्षक उत्साहपूर्वक संगीतमय प्रशिक्षण में सहभागी बने।

कार्यक्रम के दौरान समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने बच्चों को संबोधित करते हुए गांधीजी के जीवन, त्याग और आदर्शों को स्मरण करने की प्रेरणा दी। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने भी विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अपने विचार साझा किए और उन्हें समर्पण एवं अनुशासन के साथ प्रस्तुति की तैयारी करने के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यालयी विद्यार्थियों हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम

9 जनवरी, 2025

'टेकिंग गांधी टू स्कूल' पहल के अंतर्गत 'अंडरस्टैंडिंग गांधी' विषय पर आयोजित दो-दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम के तहत 9 जनवरी, 2025 को राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मदनपुर खादर तथा मोती बाग–1 के विद्यार्थियों ने गांधी दर्शन, राजघाट का भ्रमण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गांधी दर्शन संग्रहालय का अवलोकन किया। साथ ही उन्हें मिट्टी कला (पॉटरी), चरखा कातने, पुस्तकालय तथा गांधीवादी मूल्यों से परिचित कराया गया।

राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मदनपुर खादर और मोती बाग के छात्र गांधी दर्शन, राजघाट के भ्रमण के दौरान

समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए गांधीजी के मूल्यों—नैतिकता, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं आचरण—पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडु भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। यह अभिमुखीकरण कार्यक्रम विद्यार्थियों को गांधीजी के विचारों को समझने और उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुआ।

विद्यालयों में 'संघर्ष रूपांतरण' पर शिक्षकों हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम

15 जनवरी, 2025

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 15 जनवरी, 2025 को "विद्यालयों में संघर्ष रूपांतरण" विषय पर एक अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 58 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन सत्र में निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने अपने संबोधन में राष्ट्र निर्माण तथा जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडु ने किया। प्रशिक्षण को तीन प्रमुख घटकों में विभाजित किया गया। विद्यालयों में उत्पन्न होने वाले संघर्षों की प्रकृति एवं उनके रचनात्मक समाधान के उपाय, विद्यार्थियों में सहकर्मी मध्यस्थता एवं संवाद-वार्ता कौशल का परिचय और अहिंसक संवाद के महत्व पर चर्चा।

प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने अपने विचार रखते हुए दैनिक जीवन में गांधीवादी मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया। शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा किए, जिनमें उन्होंने विद्यार्थियों के बीच उत्पन्न विवादों को रचनात्मक तरीके से सुलझाने के प्रयासों का उल्लेख किया। यह कार्यक्रम विद्यालयी वातावरण को अधिक संवादशील, संवेदनशील और अहिंसात्मक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू (बाएँ) द्वारा संचालित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए

"हमारे अहिंसक पदचिह्नों का मापन" विषय पर कार्यशाला आयोजित

18 जनवरी, 2025

18 जनवरी, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में "हमारे अहिंसक पदचिह्नों का मापन" विषय पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें दिल्ली एवं एनसीआर के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बापू की शिक्षाओं को केवल विचार तक सीमित न रखकर उन्हें दैनिक जीवन में व्यवहारिक रूप से अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडु ने सत्र का संचालन करते हुए अहिंसा के विभिन्न आयामों—विचार, वाणी और व्यवहार—पर विस्तार से चर्चा की। विद्यार्थियों ने आत्ममंथन करते हुए अपने जीवन में अहिंसा के अभ्यास को परखने और अपने "अहिंसक पदचिह्नों" को मापने का प्रयास किया। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। सत्र के दौरान विद्यार्थियों के बीच सार्थक संवाद और विचार-विमर्श हुआ, जिसमें उन्होंने इस बात पर चिंतन किया कि वे अपने दैनिक जीवन में अहिंसा को कैसे पोषित और सुदृढ़ कर सकते हैं।

लिटिल फ्लावर्स स्कूल ने बच्चों के सोशल कॉन्क्लेव में जीता प्रथम स्थान

22 जनवरी, 2025

समिति उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने 22 जनवरी, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में बच्चों के सोशल कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। कॉन्क्लेव में दिल्ली और एनसीआर के 50 स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया और "सस्टेनेबल लाइफस्टाइल और क्लाइमेट चेंज" विषय पर अपने सामाजिक परियोजनाओं की प्रस्तुति दी। श्री गोयल ने बच्चों के प्रयासों की सराहना भी की। प्रतियोगिता में लिटिल फ्लावर्स पब्लिक स्कूल, शिवाजी पार्क विजेता रहा। विजेता स्कूल को "वसुधैव कुटुम्बकम रनिंग ट्रॉफी" निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद द्वारा प्रदान की गई।

इस अवसर पर निर्णायक मंडल में शामिल थे:श्रीमती सौमिदत्ता गुप्ता, पर्यावरण विशेषज्ञ, सुश्री इंदिरा गणेश, हेरिटेज विशेषज्ञ, श्री संजीत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी और श्री उद्धव शांडिल्य, पीएचडी शोधार्थी। प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार रेनबो

इंग्लिश स्कूल, जनकपुरी ने और तृतीय पुरस्कार टैगोर इंटरनेशनल स्कूल, वसंत विहार ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, दो सराहना पुरस्कार मॉडर्न पब्लिक स्कूल, शालीमार बाग और वेद व्यास डीएवी पब्लिक स्कूल, विकासपुरी को दिए गए। निर्णायकों द्वारा तीन विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए गए, जो रचनात्मकता और समर्पित प्रयास के लिए विकास भारती पब्लिक स्कूल, रोहिणी; ब्लू बेल्स इंटरनेशनल स्कूल, ईस्ट ऑफ कैलाश; और ज्ञान मंदिर पब्लिक स्कूल, नरैना विहार को दिए गए।

समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल चिल्ड्रेन सोशल कॉन्क्लेव में भाग ले रहे छात्रों से संवाद करते हुए

समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित चिल्ड्रेन सोशल कॉन्क्लेव में शिक्षकों, निर्णायकों एवं छात्रों को संबोधित करते हुए।

निर्णायक मंडल में श्री संजीत कुमार, सुश्री इंदिरा गणेश, सुश्री सौमी दत्ता एवं श्री उद्भव शांडिल्य शामिल हैं, जो प्रतियोगिता के दौरान बच्चों की सामाजिक परियोजनाओं को समझते और उनसे संवाद करते हुए दिखाई दे रहे हैं

लिटिल फ्लावर्स स्कूल, शिवाजी पार्क के छात्र, अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद से चिल्ड्रेन सोशल कॉन्क्लेव की रोलिंग ट्रॉफी प्राप्त करते हुए।

लेह, लद्दाख

गांधीवादी मूल्य और अहिंसात्मक संवाद पर कार्यशाला

31 अक्टूबर, 2024

31 अक्टूबर, 2024 को लेह में भारतीय विद्या निकेतन हाई स्कूल, चोगलमसर और अन्य स्कूलों के छात्रों के लिए गांधीवादी मूल्य और अहिंसात्मक संवाद पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा आयोजित किया गया, जो महात्मा गांधी के दर्शन और शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित संस्था है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन डॉ. वेदाभ्यास कुंडु, कार्यक्रम अधिकारी, ने किया। डॉ. कुंडु ने छात्रों को गांधीवादी मूल्यों पर आधारित सक्रिय चर्चाओं और गतिविधियों के माध्यम से मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में छात्रों ने सत्य, करुणा, सहानुभूति और सभी व्यक्तियों के प्रति सम्मान जैसे गांधीवादी मूल्यों को समझा।

इंटरैक्टिव सत्रों के दौरान, छात्रों ने अपने दैनिक जीवन में अहिंसात्मक संवाद के व्यावहारिक प्रयोगों को खोजा, जिससे वे संघर्षों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने और अपने स्कूल व स्थानीय समुदाय में सामंजस्य और समझ को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित हुए। इस कार्यशाला ने छात्रों को अपने परिवेश में परिवर्तनकारी भूमिका निभाने और सामुदायिक सद्भाव स्थापित करने का अवसर प्रदान किया।

"आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत" पर संगोष्ठी

31 अक्टूबर, 2024

31 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रीय एकता दिवस और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने भारतीय विद्या निकेतन हाई स्कूल, चोगलमसर, लेह के साथ मिलकर "आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के लगभग 150 छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण डॉ. काँचोक रिग्जिन, अध्यक्ष, भारतीय विद्या निकेतन हाई स्कूल, चोगलमसर ने दिया। मुख्य भाषण डॉ. वेदाभ्यास कुंडु, कार्यक्रम अधिकारी ने दिया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री ओम कैलाश, उप महाप्रबंधक, NHIDCL, लद्दाख उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नल ए. के. श्रीवास्तव, लद्दाख स्काउट भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम में सभी लोगों ने राष्ट्रीय एकता शपथ ली। इस अवसर पर स्कूल में "गांधी पीस क्लब" की स्थापना भी की गई, जो गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के तत्वावधान में संचालित होगा। छात्रों ने संगोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लिया और आत्मनिर्भर भारत के महत्व और इसकी विकास यात्रा पर अपने विचार साझा किए।

टेकिंग गांधी टू स्कूल

1. 4 अप्रैल 2024 — एम्बिएंस पब्लिक स्कूल, सफदरजंग एन्क्लेव के 70 छात्र और 4 शिक्षक गांधी स्मृति आए। उन्हें गांधी स्मृति संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया और गांधीजी के शहीद स्थल का दर्शन कराया गया। छात्रों ने उत्साह से गांधी क्विज़ में भाग लिया।

2. 6 अप्रैल 2024 — भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी श्री उमेश अपने परिवार सहित गांधी स्मृति आए। उन्होंने शहीद स्तंभ, महात्मा गांधी का कक्ष, और मल्टी-मीडिया प्रदर्शनी देखी। सुश्री प्रीति ने उन्हें गाइडेड टूर कराया।

3. 18 अप्रैल 2024 — डीएवी पब्लिक स्कूल, पश्चिम विहार के 319 छात्र और 10 शिक्षक गांधी स्मृति संग्रहालय आए और पूरे संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण किया।

4. 18 अप्रैल 2024 — प्रज्ञान स्कूल, ग्रेटर नोएडा के 54 छात्र और 3 शिक्षक 'टेकिंग गांधी टू स्कूल' कार्यक्रम के तहत गांधी स्मृति संग्रहालय आए और पूरे संग्रहालय का गाइडेड टूर किया। बच्चों ने गांधी क्विज़ में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को मासिक पत्रिका 'अंतिम जन' की प्रति दी गई।

5. 27 अप्रैल 2024 — ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल, विकासपुरी के लगभग 300 छात्र और 30 शिक्षक गांधी स्मृति संग्रहालय आए। बच्चों ने गांधी क्विज़ में सक्रिय भागीदारी की। प्रत्येक बच्चे को बाल पत्रिका 'मोनीया' की प्रति दी गई।

6. 27 अप्रैल 2024 — महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल, अशोक विहार के 98 छात्र और 8 शिक्षक राजघाट स्थित गांधी दर्शन के संग्रहालय आए। शिक्षकों को 'अंतिम जन' की प्रतियाँ दी गईं।

7. 30 अप्रैल 2024 — समर फील्ड्स स्कूल, कैलाश कॉलोनी के 193 छात्र और 8 शिक्षक गांधी स्मृति आए। डॉ. सौरव कुमार राय और श्री राजदीप पाठक ने बच्चों से संवाद कर गांधी स्मृति के इतिहास से अवगत कराया। बच्चों ने मल्टी-मीडिया संग्रहालय और गांधीजी का कक्ष देखा।

8. 3 मई 2024 — हिलवुड्स अकादमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, प्रीत विहार के 148 बच्चे और शिक्षक गांधी स्मृति आए। पूरे संग्रहालय का गाइडेड टूर कराया गया, गांधी क्विज़ हुआ और विद्यालय की लाइब्रेरी हेतु 'अंतिम जन' की प्रतियाँ दी गईं।

9. 4 मई 2024 — महाराजा अग्रसेन स्कूल, अशोक विहार के 85 बच्चे और 7 शिक्षक गांधी दर्शन, राजघाट आए और यहाँ के संग्रहालयों का अवलोकन किया।

10. 8–10 मई 2024 — समर फील्ड्स स्कूल के 243 बच्चे और 5 शिक्षक 8 मई को गांधी स्मृति आए। लगभग 100 बच्चों के साथ ओरिएंटेशन हुआ जिसमें श्री राजदीप पाठक ने विभाजन का इतिहास और बिरला हाउस (वर्तमान गांधी स्मृति) में गांधीजी के आगमन की जानकारी दी। गांधी क्विज़ भी कराया गया और प्रतिभागियों को 'अंतिम जन' की प्रतियाँ दी गईं।

a) 9 मई 2024 — समर फील्ड्स स्कूल के 90 छात्र पुनः संग्रहालय आए।

b) 10 मई 2024 — समर फील्ड्स स्कूल, कैलाश कॉलोनी के 190 छात्र और 5 शिक्षक गांधी स्मृति आए; उन्हे समिति के इतिहास की जानकारी प्रदान की गई और मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया।

11. अटल आदर्श विद्यालय, किदवई नगर के लगभग 100 छात्र गांधी दर्शन, राजघाट आए; इस मौके पर उन्होंने गांधी क्विज़ में भाग लिया तथा एथिक्स, एंगर मैनेजमेंट और कृतज्ञता व्यक्त करने पर कार्यशाला हुई।

12. 10 मई 2024 — चौगुले पब्लिक स्कूल (मराठा मित्र मंडल रजि.), करोल बाग के 234 बच्चे गांधी स्मृति आए; इस अवसर पर उनका ओरिएंटेशन किया गया। बच्चों ने शहीद स्तंभ और संग्रहालय का भ्रमण भी किया, साथ ही गांधी क्विज़ भी आयोजित की गई।

13. नेवी चिल्ड्रेन स्कूल, चाणक्यपुरी के 156 बच्चे 'टेकिंग गांधी टू स्कूल' के तहत गांधी स्मृति आए; बच्चों को गांधी स्मृति का संक्षिप्त इतिहास बताकर उनका मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया।

14. 30 जुलाई 2024 — भारती पब्लिक स्कूल, स्वास्थ्य विहार के 38 बच्चे और शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों को गांधी स्मृति का संक्षिप्त इतिहास बताकर उनका मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया।

15. 2 अगस्त 2024 — सेंट मैरीज़ स्कूल, द्वारका के 77 छात्र और शिक्षक गांधी स्मृति आए। डॉ. सौरव राय और बाद में श्री राजदीप पाठक ने बच्चों से संवाद किया; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

16. 6 अगस्त 2024 — फिलाडेल्फिया, न्यू जर्सी (यूएसए) के 70 बच्चों का समूह गांधी स्मृति आया; बच्चों ने शहीद स्तंभ और संग्रहालय का भ्रमण भी किया, साथ ही गांधी क्विज़ भी आयोजित की गई। इस अवसर पर नालंदा वे फाउंडेशन के समूह ने भी सहभागिता की; बच्चों ने देशभक्ति, शांति और सौहार्द के गीत प्रस्तुत किए।

17. 17 अगस्त 2024 — मैक्स फोर्ट स्कूल, रोहिणी के 193 बच्चे और 15 शिक्षक गांधी स्मृति आए; समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय और श्री राजदीप पाठक ने इस जगह का महत्व समझाया। बच्चों ने शहीद स्तंभ और संग्रहालय का भ्रमण भी किया, साथ ही

गांधी क्विज़ भी आयोजित की गई।

18. 22 अगस्त 2024 — पाथवेज़ स्कूल, नोएडा के 130 बच्चे और 9 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने समिति के गांधी विशेषज्ञों से गांधीजी के जीवन पर कई प्रश्न पूछे।

19. 24 अगस्त 2024 — जी. डी. गोयनका स्कूल, रोहिणी के 350 छात्र और शिक्षक गांधी स्मृति आए; इस अवसर पर समूहों में रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गई और गांधी स्मृति के इतिहास पर चर्चा हुई।

20. 4 सितंबर 2024 — सरदार पटेल विद्यालय, लोदी रोड के 163 छात्र और उनके शिक्षक गांधी स्मृति आए; डॉ. सौरव कुमार राय और श्री राजदीप पाठक नेबच्चों को यहाँ के इतिहास से अवगत कराया छात्रों ने गांधी दर्शन को रचनात्मक ढंग से समझा।

21. 19/20/26 सितंबर 2024 — सेंट मैरी स्कूल, सफदरजंग एन्क्लेव के 35 छात्र और 3 शिक्षक,फिर 27 छात्र और 5 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

22. 21 सितंबर 2024 — ओमकार विद्यालय, संभाजी नगर, महाराष्ट्र के 43 छात्र और 6 शिक्षक गांधी दर्शन आए; छात्रों का गांधीवादी मूल्यों और स्वच्छता ही सेवा 2024 पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ; बच्चों ने गांधी दर्शन की प्रदर्शिनी 'माय लाइफ इज़ माई मेसेज' पैविलियन का भ्रमण भी किया।

23. 24 सितंबर 2024 — बाल भारती पब्लिक स्कूल, दिल्ली के छात्र गांधी स्मृति संग्रहालय आए; उनका उद्देश्य गांधीजी के जीवन, आदर्श और स्वतंत्रता संघर्ष से परिचय करना था।

24. 24 सितंबर 2024 — मॉडर्न पब्लिक स्कूल, दिल्ली के 153 छात्र और 18 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया। संग्रहालय भ्रमण से पहले शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय ने बच्चों से संवाद किया।

25. अर्वाचीन इंटरनेशनल स्कूल, दिलशाद गार्डन के 60 छात्र और 4 शिक्षक गांधी दर्शन आए। उन्होंने पैविलियन नं. 1 और 4 का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

26. 26 सितंबर 2024 — एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा के कक्षा IV के 214 छात्र और 12 शिक्षक गांधी स्मृति आए; उन्होंने गांधीजी के कक्ष सहित संग्रहालय का अवलोकन किया।

27. 27 सितंबर 2024 — के. आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल, विकासपुरी के छात्रों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई; उन्होंने गांधी क्विज़ में भाग लिया और संग्रहालय भ्रमण भी किया।

28. 3 अक्टूबर 2024 — जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, ईस्ट दिल्ली के 80 छात्र और 6 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया

29. 4 अक्टूबर 2024 — टैगोर इंटरनेशनल स्कूल, ईस्ट ऑफ कैलाश के 165 छात्र और शिक्षक गांधी दर्शन आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया

30. 4 अक्टूबर 2024 — द गुरुकुल स्कूल, गाज़ियाबाद के 31 छात्र और 2 शिक्षक गांधी स्मृति आए। बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया

31. 4 अक्टूबर 2024 — के. आर. मंगलम स्कूल, विकासपुरी के 145 छात्र और 7 शिक्षक गांधी स्मृति संग्रहालय आए। बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया

32. 4 अक्टूबर 2024 — श्री चैतन्य स्कूल, कोयंबटूर के 250 छात्र गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया।

33. 5 अक्टूबर 2024 — दरबारी लाल DAV मॉडल स्कूल, पीतमपुरा के 212 छात्र और 22 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया।

34. 8 अक्टूबर 2024 — सोमरविल स्कूल, ग्रेटर नोएडा के 250 बच्चे गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया।

35. 9 अक्टूबर 2024 — मॉडर्न पब्लिक स्कूल, शालीमार बाग में 'टेकिंग गांधी टू स्कूल' और स्पेशल कैंपेन 4.0 के तहत कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर गांधीजी के बचपन और स्वच्छता पर नाटक, कविता, भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 80 छात्रों और 4 शिक्षकों ने भाग लिया।

36. 15 अक्टूबर 2024 — ममता मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल, विकासपुरी के 151 छात्र और 8 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

37. 15 अक्टूबर 2024 — दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुरुग्राम के 219 छात्र और 17 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

38. 18 अक्टूबर 2024 — सरकारी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, वेस्ट ज्योति नगर के 58 छात्र और 2 शिक्षक गांधी दर्शन आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

39. 18 व 22 अक्टूबर 2024 — द एयर फ़ोर्स स्कूल, सुब्रोतो पार्क के 73 छात्र और 2 शिक्षक गांधी स्मृति आए; उन्होंने गांधी क्विज़ और संग्रहालय भ्रमण किया। 22 अक्टूबर को 70 छात्र आए।

40. 18–19 अक्टूबर 2024 — सरस्वती विद्या मंदिर, किशनगंज (बिहार) के 24 छात्र और 3 शिक्षक गांधी दर्शन आए; उन्होंने 19 अक्टूबर को गांधी दर्शन प्रदर्शनी का अवलोकन किया, राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र और राजघाट पर समाधि का दौरा कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

41. 19 अक्टूबर 2024 — विशाल भारती पब्लिक स्कूल, पश्चिम विहार के 158 छात्र और 16 शिक्षक गांधी स्मृति आए; समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय ने गांधी स्मृति का महत्व समझाया। बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

42. 22 अक्टूबर 2024 — जी. डी. गोयनका स्कूल, द्वारका के 296 छात्र और 15 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

43. 23 अक्टूबर 2024 — द एयर फ़ोर्स स्कूल, सुब्रोतो पार्क की कक्षा 5 के 69 छात्र गांधी स्मृति संग्रहालय आए; समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय ने गांधी स्मृति का महत्व समझाया। बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

44. 24 अक्टूबर 2024 — जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, द्वारका के 161 छात्र गांधी स्मृति संग्रहालय आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

45. 25 अक्टूबर 2024 — विकास भारती पब्लिक स्कूल, सेक्टर-24, रोहिणी के 150 छात्र गांधी स्मृति आए; गांधी क्विज़ और संग्रहालय भ्रमण।

46. 26 अक्टूबर 2024 — विशाल भारती पब्लिक स्कूल के 123 बच्चे और 13 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

47. 26 अक्टूबर 2024 — दिल्ली कॉन्वेंट स्कूल, शालीमार गार्डन, गाज़ियाबाद के 39 बच्चे और 3 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

48. 12 नवंबर 2024 — विकास भारती पब्लिक स्कूल, रोहिणी के 138 छात्र और संकाय गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया। उन्हें 'अंतिम जन' पत्रिका भी वितरित की गई।

49. 14 नवंबर 2024 — जिला परिषद हाई स्कूल, नवाबपेट, तेलंगाना के 22 छात्र-शिक्षक गांधी स्मृति संग्रहालय आए; समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय ने गांधी विचारों पर इंटरेक्टिव सत्र लिया।

50. 27 नवंबर 2024 — सेंट मैरीज़ गर्ल्स हाई स्कूल (चामराजपेट, बेंगलुरु) के 75 बच्चे गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

51. 30 नवंबर 2024 — सरकारी बालक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, त्रिलोकपुरी के 60 छात्र गांधी दर्शन संग्रहालय आए; बच्चों ने गाइडेड टूर के माध्यम से गांधीजी के आदर्श समझे।

52. 4 दिसंबर 2024 — डीएवी स्कूल, तेलंगाना के 16 छात्र 'टेकिंग गांधी टू स्कूल' के तहत गांधी स्मृति संग्रहालय आए; बच्चों ने गाइडेड टूर के माध्यम से गांधीजी के आदर्श समझे।

53. 6 दिसंबर 2024 — साई विद्या मंदिर (अध्यक्ष श्री भद्रेहैया सहित), बेंगलुरु के 48 छात्र-शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया। छात्रों ने दिल्ली के अन्य संग्रहालयों में अपने अनुभव साझा किए।

54. 7 दिसंबर 2024 — बाल भारती पब्लिक स्कूल, रोहिणी के 44 छात्र-शिक्षक गांधी स्मृति संग्रहालय आए; उन्होंने गांधी क्विज़ में उत्साहपूर्ण भागीदारी ली।

55. 7 दिसंबर 2024 — सेंट कोलंबा'ज़ स्कूल द्वारा समन्वित दिल्ली व देशभर के 40 छात्र (वंचित वर्ग के बच्चे भी साथ) गांधी स्मृति आए; बच्चों ने गाइडेड टूर के माध्यम से गांधीजी के आदर्श समझे।

56. 8 दिसंबर 2024 — एम. एम. नेशनल स्कूल, लोनी, गाज़ियाबाद के 72 छात्र और 12 शिक्षक गांधी स्मृति आए;बच्चों ने गाइडेड टूर के माध्यम से गांधीजी के आदर्श समझे।

57. 10 दिसंबर 2024 — लोटस कृष्णा विद्या भवन, सेक्टर 73, नोएडा के 60 छात्र, 5 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

58. 10–12 दिसंबर 2024 — भारती एयरटेल फाउंडेशन (सत्य भारती स्कूल प्रोग्राम) के 65 छात्र + 12 शिक्षक गांधी दर्शन, राजघाट आए; मानवाधिकार दिवस (10 दिसंबर) पर ओरिएंटेशन; संग्रहालय और राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का दौरा। 11 दिसंबर को श्री शकील अहमद के साथ इंटरेक्टिव सत्र आयोजित किया गया ।

59. 13 दिसंबर 2024 — सेंट कोलंबस स्कूल, दिल्ली के लगभग 247 छात्र और 5 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

60. सरकारी सर्वोदय कन्या विद्यालय, नांगलोई के 500 छात्र गांधी दर्शन, राजघाट आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया। विद्यालय 18 दिसंबर 2024 को 60 छात्रों के साथ पुनः आया।

61. 21 दिसंबर 2024 — बेबी पब्लिक स्कूल, दिल्ली के 67 छात्र-शिक्षक गांधी स्मृति आए; उन्होंने गांधीजी के जीवन व विचार के बारे में जाना।

62. 21 दिसंबर 2024 — जवाहर नवोदय विद्यालय, मुंगेशपुर, दिल्ली के 50 छात्र-शिक्षक गांधी दर्शन आए; निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने छात्रों से संवाद किया; गांधी क्विज़ के विजेताओं को 'अंतिम जन' पत्रिका पुरस्कारस्वरूप दी गई।

63. 4 जनवरी 2025 — मलयालम पढ़नकेन्द्र, आर.के. पुरम, दिल्ली के 20 छात्र गांधी स्मृति आए; शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय ने संवाद किया।

64. 18 जनवरी 2025 — सेंट मैरीज़ स्कूल, झज्जर (हरियाणा) के 33 छात्र गांधी स्मृति संग्रहालय आए; शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय ने संवाद किया।

65. 21 जनवरी 2025 — डॉ. बी. आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस, जनकपुरी के 72 छात्र और 3 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया। डॉ. सौरव राय के इंटरेक्टिव सत्र से छात्र प्रेरित हुए।

66. **21–22 जनवरी 2025 — माउंट सेंट मैरीज़ स्कूल, दिल्ली कैंट के 244 छात्र, 12 शिक्षक और 252 छात्र व 14 शिक्षक क्रमशः 21 और 22 जनवरी को गांधी स्मृति आ**ए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

67. 21 जनवरी 2025 — डॉ. बी. आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस, कालकाजी के 77 छात्र और 5 शिक्षक गांधी स्मृति आए; प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने गांधी मूल्यों पर चर्चा की; बच्चों ने गांधी क्विज़ में भी भाग लिया।

68. 24 जनवरी 2025 — सर्वोदय बाल विद्यालय, प्रह्लादपुर के 145 छात्र और सरकारी सर्वोदय को-एजुकेशनल स्कूल, रोहिणी के 44 छात्र गांधी दर्शन संग्रहालय आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

69. 6 फ़रवरी 2025 — एचडीएफसी स्कूल, सुषांत लोक, गुरुग्राम के 181 छात्र और 23 शिक्षक गांधी स्मृति आए; बच्चों ने

संग्रहालय का अवलोकन किया।

70. 14 फ़रवरी 2025 — डीपीएस स्कूल, रोहिणी के 155 छात्र और 10 शिक्षक गांधी दर्शन, राजघाट आए; उन्होंने गांधी दर्शन संग्रहालय और राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का भ्रमण किया, बच्चों ने गांधी क्विज़ में भाग लिया।

71. 14 फ़रवरी 2025 — दिल्ली कॉन्वेंट स्कूल, शालीमार गार्डन के 26 बच्चे गांधी स्मृति आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।

72. 28 फ़रवरी 2025 — देव कॉन्वेंट स्कूल, समयपुर, दिल्ली के लगभग 73 बच्चे गांधी दर्शन, राजघाट आए; बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया।गांधी हाट की भजन संध्या में पं. हिमांशु कुमार संग 'राम धुन' गाई। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने कलाकारों का सम्मान किया और शिक्षकों को 'अंतिम जन' की नवीनतम प्रतियाँ दीं।

73. 4 मार्च 2025 — के. आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल, ग्रेटर कैलाश के 330 छात्र गांधी स्मृति आए; गाइडेड टूर।

74. 6 मार्च 2025 — शिव नाडार स्कूल, नोएडा के 150 छात्र गांधी स्मृति आए; संग्रहालय भ्रमण।

75. 7 मार्च 2025 — विवेकानंद स्कूल, आनंद विहार के 103 छात्र (और साथ आए छात्रों) गांधी स्मृति आए; गांधी दर्शन के सिद्धांतों पर ओरिएंटेशन।

76. 4 मार्च 2025 — (पुनरुल्लेख) के. आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल, ग्रेटर कैलाश के 330 छात्र गांधी स्मृति आए; गाइडेड टूर।

77. 25 मार्च 2025 — रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के 37 शिक्षक (फैकल्टी सदस्य सहित) गांधी स्मृति आए; उत्साही विद्यार्थियों/प्रतिभागियों को गाइडेड टूर कराया गया।

युवाओं के लिए कार्यक्रम

* दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम
* गांधी स्मृति में शहीद भगत सिंह कॉलेज के विद्यार्थियों की गांधी क्विज़ में भागीदारी
* जीसस एंड मैरी कॉलेज के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम
* गांधी स्टडी सर्कल के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम
* दक्षिण एशिया क्षेत्र के युवाओं के साथ संवाद
* हिन्दू कॉलेज के संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम
* डेक्सटेरिटी ग्लोबल के विद्यार्थियों के साथ संवाद
* दिल्ली ज्यूडिशियल अकादमी के साथ ओरिएंटेशन कार्यक्रम
* जामिया मिलिया इस्लामिया के नेल्सन मंडेला सेंटर के विद्यार्थियों के साथ ओरिएंटेशन कार्यक्रम
* 15 वीं चैंपियन रन में सेंकड़ों ने भाग लिया
* ओ पी जिंदल विश्वविद्यालय के साथ कार्यक्रम
* गांधी दर्शन में विद्यार्थियों के लिए कविता प्रतियोगिता
* जाकिर हुसैन कॉलेज के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम
* कार्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य विषयक कार्यशाला
* कमला नेहरू कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ गांधी फिएस्टा 2024
* रामानुजम कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ संवाद
* दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 'फ्रेम बाय फ्रेम'
* गांधीवादी कक्षा प्रबंधन विषयक कार्यशाला
* डिजिटल युग में गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा विषयक संवाद
* स्वयंसेवा का सार विषय पर हिन्दू कॉलेज के साथ कार्यशाला आयोजित

दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ ओरिएंटेशन

12 अप्रैल, 2024

डॉ. सौरव कुमार राय, शोध अधिकारी, समिति विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

दिल्ली विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के 75 विद्यार्थियों (शिक्षकों सहित) के एक समूह ने गांधी स्मृति संग्रहालय भ्रमण के दौरान गांधी स्मृति में आयोजित अभिमुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

गांधी स्मृति में कॉलेज विद्यार्थियों की गांधी क्विज़ में भागीदारी

16 अप्रैल, 2024

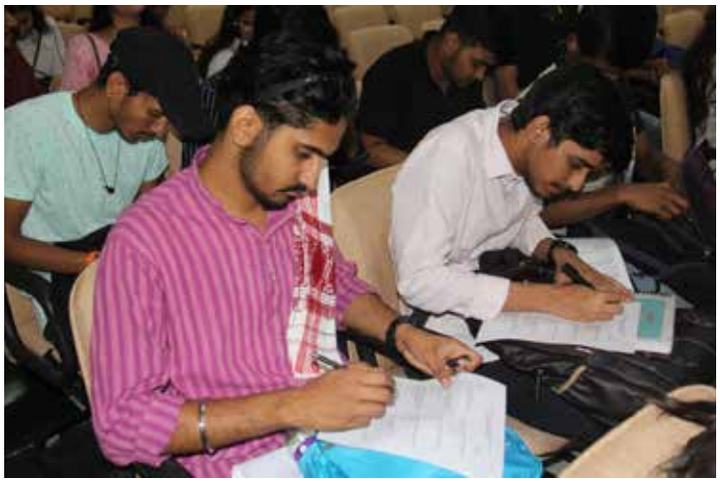

शहीद भगत सिंह कॉलेज, नई दिल्ली के गांधी स्टडी सर्कल के विद्यार्थी अपने फैकल्टी सदस्यों के साथ 16 अप्रैल, 2024 को गांधी स्मृति संग्रहालय पहुँचे। उन्होंने गांधी क्विज़ में भाग लिया और संग्रहालय के मार्गदर्शित भ्रमण का आनंद लिया।

जीसस एंड मैरी कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ ओरिएंटेशन कार्यक्रम

20 अप्रैल, 2024

समिति के मासिक प्रकाशन "अंतिम जन" पत्रिका की प्रतियों के साथ छात्र

दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज की 42 छात्राएँ (शिक्षकों सहित) 'गांधी को समझो' कार्यक्रम के अंतर्गत गांधी स्मृति पहुँचीं। भ्रमण के दौरान गांधी स्मृति में एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय, हिंदी विभाग के प्राध्यापक प्रो. अपूर्वानंद ने छात्राओं से संवाद किया। इस अवसर पर आयोजित गांधी क्विज़ में भी छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को समिति की मासिक पत्रिका 'अंतिम जन' की प्रतियाँ वितरित की गईं।

गांधी स्टडी सर्कल के विद्यार्थियों के साथ ओरिएंटेशन कार्यशाला

20 अप्रैल, 2021

समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने 20 अप्रैल, 2021 को गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यशाला में दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेजों के गांधी स्टडी सर्कल के विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने भी इस अवसर पर ओरिएंटेशन सत्र संचालित किया। विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियाँ दीं।

यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए गांधी सिद्धांतों की समझ और व्याख्या प्रस्तुत करने का मंच बनी। प्रस्तुतियों और चर्चाओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने गांधी की विरासत और समकालीन सामाजिक चुनौतियों के समाधान में उसकी प्रासंगिकता पर गहराई से विमर्श किया।

कार्यक्रम की सहयोगात्मक प्रकृति ने विद्यार्थियों में आपसी सौहार्द बढ़ाया और गांधी की शिक्षाओं पर चिंतन करते हुए सकारात्मक परिवर्तन हेतु उनके प्रयोग की प्रेरणा दी। सक्रिय संवाद और बौद्धिक आदान-प्रदान के जरिए प्रतिभागियों ने न केवल अपनी समझ समृद्ध की, बल्कि सामूहिक सीख में योगदान देते हुए गांधी की उस दृष्टि को आगे बढ़ाया जिसमें शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का साधन माना गया है।

दक्षिण एशिया क्षेत्र के युवाओं के साथ संवाद

26 अप्रैल, 2024

डॉ. वेदाभ्यास कुंडू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी दर्शन में दक्षिण एशिया से आए प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए

पीपुल्स फोरम फॉर राइज़ ऑफ साउथ एशिया के अंतर्गत 26 अप्रैल, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में दक्षिण एशियाई क्षेत्र के युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन युवसत्ता, इंडियन काउंसिल फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन, आत्मशक्ति ट्रस्ट द्वारा (नॉलेज पार्टनर: मानव रचना विद्यांतरिक्ष, टेक्नोलॉजी पार्टनर: लावा) के सहयोग से हुआ।

समिति ने वरिष्ठ गांधीवादियों के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की—जिसमें हरिजन सेवक संघ के अध्यक्ष श्री शंकर कुमार सान्याल, उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मी दास, तथा AIPC के अध्यक्ष श्री रजनीश कुमार शामिल थे। समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद के साथ प्रतिनिधिमंडल ने राजघाट स्थित महात्मा गांधी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधी दर्शन में विद्यार्थियों ने गांधीवादी मूल्यों का अध्ययन किया

10 मई, 2024

'अंडरस्टैंडिंग गांधी इन प्रैक्सिस' श्रृंखला के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज के संस्कृत विभाग के 35 विद्यार्थियों ने गांधी दर्शन का भ्रमण किया। शिक्षकों के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने गांधीवादी मूल्यों और अहिंसक संचार का व्यापक अध्ययन किया।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने इंटरैक्टिव सत्र में महात्मा गांधी के विचारों की गहराई पर चर्चा कराई। विद्यार्थियों को गांधी दर्शन के संग्रहालयों का भ्रमण भी कराया गया। इस कार्यक्रम को रोचक बनाने हेतु गांधी क्विज़ आयोजित की गई। यह भ्रमण विद्यार्थियों के अध्ययन को समृद्ध करने के साथ-साथ आज के समय में गांधीवादी आदर्शों की प्रासंगिकता के प्रति उनकी समझ भी बढ़ाने वाला सिद्ध हुआ।

डेक्सटेरिटी ग्लोबल के विद्यार्थियों के साथ संवाद

11 जुलाई, 2024

समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद, डेक्स्टेरिटी ग्लोबल के विद्यार्थियों के साथ

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने 11 जुलाई, 2024 को राजघाट स्थित गांधी दर्शन में डेक्सटेरिटी ग्लोबल (एक नेशनल ऑर्गनाइज़ेशन जो एजुकेशनल मौकों और ट्रेनिंग के ज़रिए अगली पीढ़ी के लीडर्स को संरक्षित करता है) के 40 स्टूडेंट्स के एक समूह के साथ लीडरशिप डेवलपमेंट और गांधीवादी सिद्धांतों पर एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम किया।

इस दिलचस्प बातचीत से स्टूडेंट्स की मानसिक ताकत का पता चला। जाने-माने मोटिवेशनल स्पीकर श्री शरद विवेक सागर ने विद्यार्थियों की इस टीम को गांधी दर्शन तक पहुंचाया। इस मौके पर उन्होंने गांधी दर्शन म्यूज़ियम भी देखा।

न्यायिक अधिकारियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

26 जुलाई, 2024

26 जुलाई, 2024 को दिल्ली ज्यूडिशियल अकादमी के 79 न्यायिक अधिकारियों के लिए "बार और बेंच के बीच सार्थक संवाद हेतु अहिंसक संचार" विषय पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने सत्र संचालित किया। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने औद्योगिक विवादों के अनुभव साझा करते हुए न्याय-क्षेत्र में गांधी दर्शन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

(ऊपर): समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार सभा को संबोधित करते हुए तथा (नीचे): गांधी दर्शन, राजघाट में समूह छायाचित्र के लिए एकत्रित प्रतिभागी

डिजिटल युग में गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने पर कार्यशाला

17 अगस्त, 2024

(ऊपर): प्रशासनिक अधिकारी, श्री संजीत कुमार प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए तथा (नीचे): गांधी दर्शन, राजघाट में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू के साथ संवादात्मक सत्र के दौरान प्रतिभागी।

'अंडरस्टैंडिंग गांधी इन प्रैक्सिस' श्रृंखला के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के डीडीयू कॉलेज के लगभग 75 विद्यार्थी गांधी दर्शन, राजघाट पहुँचे। इसका मुख्य आकर्षण रहा— "डिजिटल युग में गांधीवादी मूल्यों का संवर्धन" विषय पर डॉ. वेदाभ्यास कुंडू द्वारा आयोजित कार्यशाला।

इसके बाद विद्यार्थियों ने रोल-प्ले किए, जिनमें वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में सत्य, अहिंसा और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रयोग को जीवंत रूप में दिखाया। विद्यार्थियों ने संग्रहालय का भ्रमण भी किया। श्री संजीत कुमार ने प्रेरक संबोधन देकर विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में गांधी सिद्धांत अपनाने हेतु प्रेरित किया।

अहिंसक संचार और अहिंसक संघर्ष समाधान पर ओरिएंटेशन

31 अगस्त, 2024

'अंडरस्टैंडिंग गांधी इन प्रैक्सिस' विषयक उन्मुखीकरण सत्र के पश्चात प्रतिभागी राजघाट स्थित गांधी दर्शन संग्रहालय का भ्रमण करते हुए।

जामिया मिलिया इस्लामिया के नेल्सन मंडेला सेंटर (शांति व संघर्ष समाधान) के 54 विद्यार्थी अपने फैकल्टी सदस्यों डॉ. बिनिश मरियम एवं डॉ. राशिद अब्बासी के साथ 31 अगस्त, 2024 को गांधी दर्शन पहुँचे। डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने "अहिंसक संचार और अहिंसक संघर्ष समाधान" पर ओरिएंटेशन किया। उन्होंने समकालीन संघर्ष समाधान में गांधीवादी सिद्धांतों की प्रासंगिकता बताते हुए अहिंसा को केवल रणनीति नहीं, जीवन-पद्धति के रूप में अपनाने पर जोर दिया। केस-स्टडीज़ और इंटरैक्टिव अभ्यासों के माध्यम से सहानुभूति, सक्रिय सुनना और विविध दृष्टिकोण समझने पर अभ्यास कराया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने गांधी दर्शन म्यूज़ियम भी देखा।

"आज हम दृढ़ता और समर्पण की भावना का उत्सव मना रहे हैं" — श्री विजय गोयल

22 सितंबर, 2024

22 सितंबर, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में 15वीं चैंपियंस रन फॉर पीस आयोजित हुई, जिसमें दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों धावकों ने भाग लिया। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री श्री विजय गोयल ने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आयोजन का समन्वय पूर्व एशियाई मैराथन चैंपियन एवं हेल्थ फिटनेस ट्रस्ट की

संस्थापक निदेशक डॉ. सुनीता गोदारा ने किया।

श्री विजय गोयल, माननीय उपाध्यक्ष, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति , राजघाट से 15वीं चैंपियंस रन फॉर पीस का नेतृत्व करते हुए

श्री गोयल ने प्रतिभागियों की ऊर्जा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह दौड़ केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राष्ट्र को बाँधने वाले मूल्यों का उत्सव है। उन्होंने 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' जैसे प्रयासों का उल्लेख करते हुए फिटनेस और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की बात कही। अपने संबोधन में श्री विजय गोयल ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा, "चैंपियंस रन फॉर पीस केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि उन मूल्यों का उत्सव है जो हमें एक राष्ट्र के रूप में जोड़ते हैं।"

"विश्व पर्यटन दिवस" के अवसर पर श्री विजय गोयल प्रतिभागियों को शपथ दिलाते हुए

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में नए चैंपियनों के उदय का साक्षी बन रहा है—चाहे वह खेल का क्षेत्र हो या संस्कृति का, उद्यमिता हो या शिक्षा। आज की यह दौड़ उनके धैर्य, समर्पण और अदम्य जज़्बे को समर्पित है। अंत में पुरस्कार वितरण हुआ; समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने पुरस्कार प्रदान किए और सुबह 10 किमी दौड़ को भी हरी झंडी दिखाई।

'गांधी के भारत में आधुनिक शिक्षा' विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान

2 अक्टूबर, 2024

2 अक्टूबर, 2024 को ओ पी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के इंडिया पॉलिसी फोरम ने समिति के सहयोग से महात्मा गांधी जयंती पर एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया।यूजीसी के सचिव प्रो. मनीष आर. जोशी ने "गांधी के भारत में आधुनिक और सुलभ शिक्षा का महत्व" विषय पर व्याख्यान दिया। लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने गांधी के शिक्षा-चिंतन पर प्रकाश डाला, जबकि रजिस्ट्रार प्रो. डी. एस. पटनायक ने स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान ओ. पी. जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय का विशिष्ट जनसमूह एवं प्रतिभागी

कार्यक्रम का आरंभ गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू के उद्घाटन वक्तव्य से हुआ। उन्होंने एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर गांधीजी के आजीवन आग्रह को रेखांकित किया। स्वागत संबोधन ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रो. डी. एस. पटनायक ने दिया। उन्होंने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं के मन को प्रेरित करने और उन्हें सार्थक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

'अंडरस्टैंडिंग गांधी इन प्रैक्सिस' - ओरिएंटेशन कार्यक्रम

3 अक्टूबर, 2024

ज़ाकिर हुसैन कॉलेज के गांधी स्टडी सर्किल के प्रतिभागी अपने भ्रमण के दौरान उन्मुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत महात्मा गांधी रेलवे कोच का अवलोकन करते हुए

3 अक्तूबर 2024 को जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के गांधी अध्ययन मंडल के विद्यार्थियों ने 'अंडरस्टैंडिंग गांधी

इन प्रैक्सिस' शृंखला के अंतर्गत गांधी दर्शन का भ्रमण किया। इस पहल का उद्देश्य युवा मनों में गांधीवादी दर्शन की भावना को सुदृढ़ करना है। सत्र में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि युवा वर्ग अपने साथियों और व्यापक समाज में अहिंसा, सत्य और सामाजिक न्याय जैसे गांधीवादी मूल्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

ओरिएंटेशन सत्र का संचालन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू तथा जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के प्रो. संजीव कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि गांधीजी के सिद्धांतों को समकालीन चुनौतियों के समाधान में किस प्रकार व्यवहार में उतारा जा सकता है। चर्चाओं का केंद्र करुणा, नैतिक नेतृत्व और शांतिपूर्ण सक्रियता जैसे मूल्यों की प्रासंगिकता पर रहा, जिनके माध्यम से वर्तमान सामाजिक समस्याओं का सकारात्मक समाधान खोजा जा सकता है।

कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य विषयक कार्यशाला

9 अक्तूबर 2024

'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' की पूर्व संध्या पर 9 अक्तूबर 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा राजघाट स्थित गांधी दर्शन परिसर में "कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए संसाधन व्यक्तियों का परिचय कराया।

ब्रेन बिहेवियर रिसर्च फाउंडेशन की डॉ. मीना मिश्रा, समिति के श्री विवेक कुमार के साथ संवाद करते हुए

इस अवसर पर ब्रेन बिहेवियर रिसर्च फाउंडेशन की डॉ. मीना मिश्रा तथा क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. आंचल ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए। कार्यशाला का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, कार्यस्थल पर उत्पन्न होने वाले सामान्य तनाव कारकों की पहचान करना तथा उनसे निपटने के व्यावहारिक उपाय प्रस्तुत करना था। डॉ. मीना मिश्रा ने पेशेवर वातावरण में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रारंभिक संकेतों को पहचानने की आवश्यकता पर बल देते हुए इस विषय पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

गांधी फिएस्टा 2024: युवाओं की रचनात्मकता और गांधी की प्रासंगिकता

(15 अक्टूबर, 2024)

गांधी फिएस्टा 2024 के दौरान डॉ. वेदाभ्यास कुंडू, कार्यक्रम अधिकारी, द्वारा संचालित सत्र

दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू कॉलेज के गांधी अध्ययन मंडल ने गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से 15 अक्तूबर 2024 को कॉलेज सभागार में अपना बहुप्रतीक्षित वार्षिक उत्सव 'गांधी फिएस्टा 2024' सफलतापूर्वक आयोजित किया।

समिति ने कमला नेहरू कॉलेज में आयोजित गांधी फिएस्टा में अपने 'सृजन' उत्पादों का प्रदर्शन भी किया

इस वर्ष का विषय "न्यूनतम" रखा गया, जिसमें सादगी और सजगता जैसे गांधीवादी मूल्यों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम में इस बात की पड़ताल की गई कि तीव्र गति से बदलती आज की दुनिया में गांधीजी के ये सिद्धांत किस प्रकार प्रासंगिक और मार्गदर्शक बने हुए हैं।

रामानुजन कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ संवाद

19 अक्तूबर 2024

19 अक्तूबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के 30 विद्यार्थियों ने अपने शिक्षक उमेश झा के साथ गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण किया।इस अवसर पर गांधी स्मृति एवं

दर्शन समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय ने विद्यार्थियों के साथ एक संवादात्मक सत्र का संचालन किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए महात्मा गांधी के जीवन, उनके विचारों और उनके संघर्षों को गहराई से समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध हुआ।

"गांधीवादी अहिंसक संवाद" विषयक कार्यशाला

1 नवंबर 2024

लेह-लद्दाख में 'अंडरस्टैंडिंग गांधी' विषय पर आयोजित कार्यशाला प्रगति पर

1नवंबर 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा लद्दाख विश्वविद्यालय के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में "गांधीवादी अहिंसक संवाद" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का संचालन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने किया।

डॉ. कुंडू ने अपने वक्तव्य में बताया कि अहिंसक संवाद की मूल संरचना महात्मा गांधी के अहिंसा सिद्धांत के पाँच आधारस्तंभों में निहित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवाद की भाषा, संवेदना और दृष्टिकोण—तीनों में अहिंसा का समावेश आवश्यक है। इस अवसर पर चोगलामसर स्थित भारतीय विद्या निकेतन हाई स्कूल के प्रधानाचार्य श्री गोपाल सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में लगभग 30 प्राध्यापकगण और 25 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. मेहता के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यशाला अपने उद्देश्य, अहिंसक संवाद के प्रति जागरूकता और कौशल विकास को सफलतापूर्वक प्राप्त करने में सिद्ध हुई। शिक्षा विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. आशु राजपूत ने सत्र का संचालन किया।

युवा विनिमय कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने साझा किए अपने विचार

16–20 नवंबर 2024

16 नवंबर 2024 को चौथे कश्मीरी युवा विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत 116 प्रतिभागियों की सहभागिता वाला एक व्यापक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विविध और प्रभावशाली सत्र शामिल रहे। प्रातः सत्र में डॉ. विधुषी शर्मा ने "अमृत काल: इंडिया@2027" विषय पर चर्चा करते हुए भारत के रूपांतरणकारी भविष्य की परिकल्पना प्रस्तुत की।

श्री विनोद कुमार, एलडीएम सेंट्रल दिल्ली, ने भारत सरकार की वित्तीय समावेशन से संबंधित प्रमुख योजना पर विस्तृत जानकारी दी और उसके जमीनी स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव को रेखांकित किया। वहीं, सेंट्रल दिल्ली के डीसीपी श्री एम. हर्षवर्धन ने नशा और मादक पदार्थों के दुरुपयोग जैसे गंभीर मुद्दे पर संबोधित करते हुए जागरूकता बढ़ाने और संवाद को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने विद्यार्थियों के साथ शांति-निर्माण विषय पर एक संवादात्मक सत्र संचालित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत समिति की टीम द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का भ्रमण भी कराया गया, जिसमें भारत की स्वच्छता यात्रा को प्रदर्शित किया गया। इसके अतिरिक्त, दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें युवा सहभागिता पर विचार-विमर्श हुआ। समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ वेदाभ्यास कुंडु द्वारा शांति के प्रसार में युवाओं की भूमिका पर एक चिंतन-प्रेरक सत्र भी आयोजित किया गया। यह आयोजन ज्ञान-विनिमय, जागरूकता निर्माण और प्रतिभागियों को सकारात्मक पहल के लिए प्रेरित करने का सशक्त मंच सिद्ध हुआ।

कश्मीरी युवा विनिमय कार्यक्रम का समापन

16–20 नवंबर 2024 तक आयोजित चौथा कश्मीरी युवा विनिमय कार्यक्रम 20 नवंबर 2024 को राजघाट स्थित गांधी दर्शन में एक उत्साहपूर्ण समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री श्री विजय गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

श्री विजय गोयल, माननीय उपाध्यक्ष, का कश्मीरी युवाओं द्वारा गर्मजोशी से स्वागत

अपने संबोधन में श्री गोयल ने कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना करते हुए बताया कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था काफी हद तक

श्री विजय गोयल, माननीय उपाध्यक्ष, एवं समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार, गांधी दर्शन, राजघाट में कश्मीर के युवाओं के साथ

पर्यटन पर निर्भर करती है। युवाओं से संवाद करते हुए उन्होंने लाल किले के निर्माताओं से संबंधित रोचक प्रश्न पूछे, जिससे कार्यक्रम में जीवंत संवाद का वातावरण बना।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में मंत्री के रूप में अपने अनुभवों को भी साझा किया। साथ ही, उन्होंने अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की और कहा कि इस निर्णय ने कश्मीर में पर्यटन और समृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्री विजय गोयल कश्मीरी व्यंजन का स्वाद लेते हुए

गांधी अध्ययन मंडल के पदाधिकारियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित

16 नवम्बर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 16 नवम्बर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के गांधी अध्ययन मंडल के छात्र पदाधिकारियों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया।

19 महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने गांधीवादी दर्शन के प्रसार हेतु किए जा रहे अपने कार्यों तथा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के साथ मिलकर आयोजित किए जाने वाले संयुक्त कार्यक्रमों के प्रस्ताव साझा किए। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने विद्यार्थियों की पहल और समिति के साथ नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के उनके उत्साह की सराहना की।

गांधी दर्शन में आयोजित संवादात्मक सत्र के दौरान एक प्रतिभागी अपने विचार साझा करती हुईं, मंचासीन अतिथि ध्यानपूर्वक सुनते हुए

"फ्रेम बाय फ्रेम" अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

19 नवंबर, 2024

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म ने गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से 19 नवम्बर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय स्थित सत्यकाम भवन में अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव "फ्रेम बाय फ्रेम" का उद्घाटन किया। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल दिल्ली विश्वविद्यालय में दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह के मुख्य अतिथि रहे।

दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित फिल्म महोत्सव के विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान करते हुए श्री विजय गोयल, माननीय उपाध्यक्ष, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।

उन्होंने विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल कोठारी, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर के अधिष्ठाता श्री बलराम पाणि,

आरएसएस उत्तर भारत के प्रचार प्रमुख श्री अनिल कुमार, दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म के निदेशक प्रो. जे. पी. दुबे, डीएसजे के डॉ. अतुल गौतम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गांधी स्मृति संग्रहालय में युवाओं के साथ संवाद

5 नवम्बर, 2024

"टेकिंग गांधी टू यूथ" पहल के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स के लगभग 10 विद्यार्थियों ने 5 नवम्बर, 2024 को गांधी स्मृति स्थित गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण किया। इस अवसर पर एक गांधी क्विज़ का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी विजेताओं को पुरस्कारस्वरूप अंतिमजन पत्रिका प्रदान की गई।

गांधी दर्शन, राजघाट में श्री राजेश अस्थाना द्वारा दीप प्रज्वलन, निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद एवं प्रशासनिक अधिकारी संजीत कुमार भी उपस्थित है ।

इसके अतिरिक्त, दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी गांधी स्मृति का दौरा किया और उन्हें संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर उनके साथ एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस 2024 पर संवाद

5 दिसम्बर, 2024

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के उपलक्ष्य में 5 दिसम्बर, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने गांधी दर्शन, राजघाट में एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। आगामी फिल्म "चंपारण सत्याग्रह" में पं. राजकुमार शुक्ल की भूमिका निभा रहे प्रख्यात फिल्म निर्माता एवं अभिनेता श्री राजेश अस्थाना इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने महात्मा गांधी के दर्शन और स्वयंसेवा की शाश्वत भावना पर अपने विचार साझा किए। श्री राजेश अस्थाना ने भी सभा को संबोधित करते हुए सेवा के मूल भाव पर प्रकाश डाला। समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने स्वयंसेवा के महत्व तथा अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के संदर्भ में उसके सामाजिक प्रासंगिकता पर विस्तृत जानकारी दी और यह रेखांकित किया कि समुदाय की सेवा और कल्याण की जो भावना गांधीजी ने अपने जीवन से स्थापित की, वही इस दिवस का मूल प्रेरक तत्व है।

राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन

12 जनवरी, 2025

गांधी दर्शन, राजघाट में उद्यमिता एवं विकसित भारत विषयक चर्चा में युवा प्रतिभागी विशिष्ट जनसमूह के साथ सहभागिता करते हुए।

12 जनवरी को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। इस उपलक्ष्य में "गांधीप्रेन्योर – महात्मा गांधी के स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के विचार" विषयक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी के स्वदेशी, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के दर्शन पर प्रकाश डाला तथा बताया कि आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मबल के लिए ये सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों से आए युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और गांधीवादी सिद्धांतों से प्रेरित अपने नवाचारपूर्ण उद्यमशील विचार साझा किए। 'आवर मिट्टी फाउंडेशन' के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने युवा प्रतिभाओं को आधुनिक उद्यमिता में गांधीजी के विचारों की प्रासंगिकता पर विमर्श करने और

अगली पीढ़ी में आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त बनाने का एक सार्थक मंच प्रदान किया।

"कक्षा प्रबंधन में गांधीवादी मूल्यों का समावेश" विषय पर कार्यशाला

23 जनवरी, 2025

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सीसीआरटी के प्रतिभागियों ने राजघाट स्थित गांधी दर्शन संग्रहालय तथा 30 जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण किया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती के उपलक्ष्य में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 23 जनवरी, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में "कक्षा प्रबंधन में गांधीवादी मूल्यों का समावेश" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला भारत के नौ राज्यों से आए सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग (सीसीआरटी) के 120 शिक्षकों के लिए आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री हिमांशु कुमार द्वारा नेताजी को समर्पित संगीतमय श्रद्धांजलि के साथ हुआ।

गांधी अध्ययन मंडल के विद्यार्थियों के साथ संवाद

31 जनवरी, 2025

31 जनवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेग बहादुर (एसजीटीबी) खालसा कॉलेज के गांधी अध्ययन मंडल के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने गांधी स्मृति का भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य महात्मा गांधी के जीवन, दर्शन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को गहराई से समझना था। समूह ने गांधी स्मृति संग्रहालय का अवलोकन किया, जहाँ राष्ट्रपिता के जीवन और सिद्धांतों को दर्शाती समृद्ध छायाचित्रों, प्रदर्शनों और संवादात्मक प्रस्तुतियों का संग्रह है। विद्यार्थियों ने प्रदर्शित सामग्री का गंभीरता से अध्ययन किया और गांधीजी के शांति, अहिंसा और सत्य के शाश्वत संदेश पर चर्चा की। इस अवसर पर शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के साथ संवाद किया। उन्होंने गांधीजी की विरासत और उसकी समकालीन प्रासंगिकता पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने सामाजिक सद्भाव और नैतिक नेतृत्व के निर्माण में गांधीवादी मूल्यों की आवश्यकता पर बल दिया। चर्चा के दौरान यह भी विचार किया गया कि युवा वर्ग इन सिद्धांतों को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

"अंडरस्टैंडिंग गांधी इन प्रैक्टिस" विषय पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम

12 फरवरी, 2025

12 फरवरी, 2025 को गुरु रविदास जयंती के अवसर पर

उन्मुखीकरण कार्यक्रम के पश्चात गांधी दर्शन, राजघाट में युवा प्रतिभागियों का समूह छायाचित्र।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने गांधी दर्शन, राजघाट में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज के संस्कृत विभाग के बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए हमारे जीवन में गुरुओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर संस्कृत विभाग, हिंदू कॉलेज से पधारे विशिष्ट अतिथियों का डॉ. ज्वाला प्रसाद ने स्वागत किया। इनमें प्रो. विजय गर्ग, प्रो. राजेंद्र कुमार, डॉ. जगमोहन, डॉ. सुनील जोशी और प्रो. दुर्गेश मिश्रा शामिल थे, जिन्होंने विद्यार्थियों को भी संबोधित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. वेदाभ्यास कुंडू, कार्यक्रम अधिकारी

द्वारा 'स्वयंसेवा' विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया। श्री शकील खान ने 'क्रोध प्रबंधन' पर अपने विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व विद्यार्थियों ने गांधी दर्शन की प्रदर्शनी दीर्घाओं का अवलोकन किया तथा गांधी क्विज़ में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

NYKS के साथ जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम

20–25 फरवरी, 2025

डॉ. ज्वाला प्रसाद, निदेशक, जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम में युवा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए।

GSDS और नेहरू युवा केंद्र संगठन के संयुक्त तत्वावधान में 20–25 फरवरी, 2025 को "जनजातीय युवा विनिमय" आयोजित हुआ, जिसमें कश्मीर, छत्तीसगढ़, गुजरात, ओडिशा, झारखंड और मध्यप्रदेश के लगभग 250 युवाओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि सुश्री आशा लाकड़ा (सदस्य, ST आयोग) रहीं। डॉ. ज्वाला प्रसाद ने सत्य, आत्मअनुशासन, अहिंसा, ईमानदारी और नैतिक कर्मों जैसे मूल्यों पर जोर देते हुए गांधीजी के जीवन प्रसंग साझा किए। राज्यों के समूहों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रमुख आकर्षण रहीं।

'डिजिटल युग में गांधीवादी मूल्यों के संवर्धन' पर संवाद

25 फरवरी, 2025

गांधी दर्शन, राजघाट में संवादात्मक सत्र के दौरान प्रतिभागी।

"अंडरस्टैंडिंग गांधी इन प्रैक्टिस" श्रृंखला के अंतर्गत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 25 फरवरी, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में 'डिजिटल युग में गांधीवादी मूल्यों के संवर्धन' विषय पर एक संवाद आयोजित किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों—कमला नेहरू कॉलेज, गार्गी कॉलेज, एआरएसडी कॉलेज, हिंदू कॉलेज, एलएसआर कॉलेज तथा दयाल सिंह कॉलेज से लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने किया। शोध अधिकारी डॉ. सौरव के. राय ने भी प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गांधी क्विज़ में भाग लिया और गांधी दर्शन संग्रहालयों का अवलोकन भी किया। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने भौतिकता के इस दौर में संवेदनशील संवाद की महत्ता पर प्रकाश डाला।

'स्वयंसेवा का सार और भारतीय समाज पर उसका सकारात्मक प्रभाव' विषय पर कार्यशाला आयोजित

22 मार्च, 2025

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने अपनी सतत श्रृंखला "अंडरस्टैंडिंग गांधी इन प्रैक्टिस" के अंतर्गत 22 मार्च, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में 'स्वयंसेवा का सार और भारतीय समाज पर उसका सकारात्मक प्रभाव' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रशासनिक अधिकारी, समिति, श्री संजीत कुमार संवाद के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए।

समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए समाज कल्याण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प की दिशा में सक्रिय सहभागिता पर बल दिया। हिंदू कॉलेज के हिंदी विभाग की प्रो. नीलम सिंह ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे सैद्धांतिक ज्ञान से आगे बढ़कर महात्मा गांधी के सिद्धांतों को जीवन की

वास्तविक परिस्थितियों में लागू करें। उन्होंने कार्य के प्रति सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के मूल्यों को अपनाने पर जोर देते हुए आधुनिक समय में अनावश्यक प्रचार-प्रसार की प्रवृत्ति से सावधान रहने की सलाह दी। NSS इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पल्लव नंदवाना ने त्याग के माध्यम से सेवा की गांधीवादी अवधारणा को रेखांकित किया। उन्होंने हिंदू कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा स्वच्छता अभियान, स्वयं सहायता समूहों के सहयोग, अनाथालयों में सेवा, दिव्यांग बच्चों के समर्थन और रक्तदान शिविरों जैसे विविध क्षेत्रों में किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समर्पित सेवा के माध्यम से इस इकाई ने समाज की अनेक बाधाओं को दूर करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

श्री संजीत कुमार डॉ. पल्लव नंदवाना को गांधी चरखा भेंट करते हुए, इस अवसर पर प्रो. नीलम सिंह (दाएँ) एवं डॉ. सौरव कुमार राय (बाएँ) उपस्थित हैं ।

महिलाओं के लिए कार्यक्रम

* स्लम के बच्चों के साथ राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन
* 81वां कस्तूरबा निर्वाण दिवस
* अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा
* अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लैंगिक समानता पर कार्यक्रम
* "विद्यालयों में संघर्ष-परिवर्तन और पीयर मेडिएशन" पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन

24 जनवरी, 2025

गांधी दर्शन, राजघाट में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में युवा प्रतिभागी।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर संस्था'जमघट' से जुड़े विभिन्न झुग्गी क्षेत्रों के 70 बच्चों ने 24 जनवरी, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट का भ्रमण किया। इस दौरान गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने बच्चों से संवाद किया और सत्यनिष्ठा, शिक्षा तथा स्वच्छता जैसे मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्हें गणतंत्र दिवस के महत्व के बारे में भी बताया गया।

इस अवसर पर बच्चों ने देशभक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। समिति के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी श्री अजय कुमार झा ने भी बच्चों से बातचीत की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने प्रतिभागियों के साथ एक सत्र भी आयोजित किया।

81वां कस्तूरबा निर्वाण दिवस

22 फरवरी, 2025

22 फरवरी, 2025 को कस्तूरबा गांधी के 81वें निर्वाण दिवस के अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा गांधी दर्शन, राजघाट में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न कॉलेजों एवं स्कूलों सहित नेहरू युवा केंद्र संगठन (NYKS) समेत लगभग 25 संस्थानों के 650 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। इस अवसर की मुख्य अतिथि हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रो. मनीषा पांडेय रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि एशिया लॉ कॉलेज, नोएडा की छात्र कल्याण विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीति शर्मा थीं।'

(ऊपर): युवा स्कूली बच्चों ने कस्तूरबा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। (नीचे): हिंदू कॉलेज की प्रो. मनीषा पांडे (इनसेट) ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार उपस्थित श्रोताओं के साथ साझा किए।

इस अवसर पर "विकसित भारत में युवा महिलाओं की भूमिका" विषय पर एक कॉन्क्लेव आयोजित हुआ। ओडिशा और छत्तीसगढ़ के जनजातीय नृत्य सहित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और नुक्कड़ नाटकों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम की थीम पर आधारित टाउनहॉल चर्चा का समन्वय समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने किया तथा इसका संचालन डॉ. प्रीति शर्मा ने किया। इस अवसर पर समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शांति पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा

10 मार्च, 2025

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 10 मार्च, 2025 को गांधी स्मृति में शांति विषय पर एक अंतरधार्मिक प्रार्थना सभा आयोजित की गई। यह विशेष आयोजन 'गिल्ड फॉर सर्विस' एवं 'वार विडोज़ एसोसिएशन' द्वारा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के योगदान, उनकी शक्ति और समाज में उनकी भूमिका को सम्मान देना था। इस अवसर पर गिल्ड फॉर सर्विस की अध्यक्ष डॉ. मीरा खन्ना उपस्थित रहीं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के अंतर्गत आयोजन "नवदुर्गा इन एक्शन: विशेषज्ञों ने लैंगिक समानता की राह पर चर्चा "

12 मार्च, 2025

गांधी दर्शन, राजघाट में 'लैंगिक समानता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान समिति की निदेशक (प्रभारी) सुश्री पल्लवी प्रशांत होलकर ने अपने विचार व्यक्त किए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के अंतर्गत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 12 मार्च, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में "लैंगिक समानता" विषय पर एक राउंड टेबल सम्मेलन आयोजित किया। इसमें खेल, पत्रकारिता, शिक्षा, रंगमंच, चिकित्सा, पर्यावरण अध्ययन, कानून और सिविल सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों की विशेषज्ञों ने भाग लिया। सत्र की अध्यक्षता समिति की निदेशक श्रीमती पल्लवी प्रशांत होलकर ने की और उन्होंने अध्यक्षीय संबोधन भी दिया। अपने संबोधन में श्रीमती होलकर ने महिला जीवन में "चयन" के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि चयन महत्वपूर्ण है, पर यह समझना भी उतना ही आवश्यक है कि चयन तय कैसे होते हैं। उन्होंने शुरुआती उम्र से ही लड़कियों में आत्मविश्वास पैदा करने और परिवार की भूमिका को निर्णायक बताते हुए पैनल को "नवदुर्गा" कहा। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से आर्थिक स्वावलंबन पर भी बल दिया। विशिष्ट वक्ताओं में एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोदारा शामिल थीं, जिन्होंने खेलों में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा के महत्व पर बल देते हुए महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। दिल्ली उच्च न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता सुश्री अदिति मोहन ने न्यायपालिका में महिलाओं की भूमिका, विधिक क्षेत्र में विद्यमान लैंगिक असमानता तथा मध्यस्थता प्रक्रियाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण जामिया मिलिया इस्लामिया के राशिद और सहर द्वारा "जेंडर इक्वैलिटी" पर लाइव आर्ट प्रस्तुति रही। समापन 'बाला कार्तिक' की भजन संध्या से हुआ, जिसमें भक्ति व सूफी भजनों की प्रस्तुति शामिल रही। कार्यक्रम में शिक्षक, रंगकर्मी, कला-जगत के पेशेवर, स्कूल-कॉलेज के छात्र और एनजीओ प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

"विद्यालयों में संघर्ष-परिवर्तन और पीयर मेडिएशन" पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

29 मार्च, 2025

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 29 मार्च, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में रोहिणी स्थित सेंट गिरी स्कूल की महिला शिक्षिकाओं हेतु "विद्यालयों में संघर्ष-परिवर्तन और सहपाठी मध्यस्थता" पर एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें 50 महिला शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने कक्षा में संघर्ष प्रबंधन, पीयर मीडिएशन आदि विषयों पर कार्यशाला कराई। शोध अधिकारी डॉ. सौरव राय ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और अभिभावकीय देखभाल तथा बच्चों की धारणा के संदर्भ में अपने विचार साझा किए। सत्र में संवाद, सहानुभूति, सम्मान, समझ तथा शिक्षक-छात्र संबंध विकसित करने की आवश्यकता पर केंद्रित चर्चा भी हुई। यह कार्यशाला गांधीजी के अहिंसा और संवाद आधारित सिद्धांतों के अनुरूप शांति एवं संघर्ष-समाधान कौशल को शिक्षा-ढांचे में मजबूत करने पर केंद्रित रही।

गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित अभिमुखीकरण कार्यक्रम की झलकियाँ।

हिन्दी को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम

* हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने विषयक कार्यशाला
* राजभाषा की बैठक का आयोजन
* हिन्दी पखवाड़ा के तहत प्रतियोगिताएं

कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु कार्यशाला

11 जून, 2024

संस्कृति मंत्रालय के राजभाषा विभाग के उपनिदेशक श्री शिशिर शर्मा गांधी दर्शन में आयोजित कार्यशाला में सम्मिलित हुए। कार्यशाला के दौरान डॉ. ज्वाला प्रसाद ने उनका सम्मान किया।

कार्यालय के दैनिक कार्यों में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 11 जून, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का केंद्रबिंदु कर्मचारियों को उनके आधिकारिक कार्यों में हिंदी के अधिकतम उपयोग हेतु प्रेरित करना था, जिससे शासकीय कार्यप्रणाली में राजभाषा के महत्व को व्यवहार में उतारा जा सके। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के राजभाषा विभाग के उपनिदेशक श्री शिशिर शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों को दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी उपयोग के व्यावहारिक उपायों पर मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की। अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी के सांस्कृतिक महत्व और देश को एक सूत्र में बाँधने वाली भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। आधिकारिक कार्यों में हिंदी अपनाने से हम अपनी जड़ों से जुड़ते हैं और राष्ट्रीय एकीकरण को मजबूती मिलती है। मुख्य अतिथि श्री शिशिर शर्मा ने प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी में कार्य करने से प्रशासनिक प्रक्रियाएँ अधिक सरल और प्रभावी बनती हैं तथा नागरिकों के साथ संवाद भी सहज होता है। हमें अपनी राजभाषा के प्रयोग पर गर्व करना चाहिए और दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। इस कार्यक्रम में समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू और शोध अधिकारी डॉ. सौरव के. राय सहित विभिन्न कर्मचारियों ने भाग लिया।

राजभाषा की त्रैमासिक बैठक

5 अगस्त, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की त्रैमासिक राजभाषा बैठक 5 अगस्त, 2024 को गांधी दर्शन में समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य समिति के कार्यों में हिंदी के प्रचार-प्रसार और उसके प्रभावी उपयोग पर विचार-विमर्श करना था।

समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने गांधी दर्शन में समिति के कर्मचारियों के साथ राजभाषा विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि समिति के सभी आधिकारिक दस्तावेजों और संचार में हिंदी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारियों व सदस्यों के लिए हिंदी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी विचार किया गया, ताकि हिंदी पर उनकी पकड़ और सुदृढ़ हो सके। समिति की विभिन्न प्रकाशन सामग्री, पुस्तिकाएँ तथा ऑनलाइन कंटेंट हिंदी में उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई, जिससे समिति की गतिविधियाँ हिंदी भाषी जनसमुदाय तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुँच सकें।

इसके अतिरिक्त हिंदी दिवस एवं अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की योजनाएँ भी बनाई गईं। समिति की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी सामग्री की उपलब्धता बढ़ाने पर भी विचार हुआ, जिससे उपयोगकर्ता समिति की गतिविधियों व सूचनाओं को सहजता से समझ सकें।

अनुवाद सेवाओं को मजबूत करने हेतु एक विशेष अनुवाद टीम गठित करने का प्रस्ताव भी रखा गया, जो समिति के महत्वपूर्ण दस्तावेजों और सामग्री का हिंदी में अनुवाद सुनिश्चित करेगी। डॉ. ज्वाला प्रसाद ने समिति द्वारा बाल प्रेक्षण गृह पर तैयार मैनुअल के हिंदी अनुवाद की सराहना की और सभी सदस्यों को हिंदी के व्यापक उपयोग व प्रचार हेतु प्रेरित करते हुए अंत में सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

हिंदी पखवाड़ा

1. 17 सितंबर, 2024 को "गांधी के सपनों को साकार करती विकसित भारत की अवधारणा" विषय पर भाषण प्रतियोगिता गांधी दर्शन तथा गांधी स्मृति—दोनों परिसरों में आयोजित की गई।
2. 19 सितंबर, 2024 को हिंदी पखवाड़ा एवं स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुई। विषय था— "स्वच्छता ही सेवा"। गांधी स्मृति और गांधी दर्शन—दोनों परिसरों में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया।
3. 21 सितंबर, 2024 को हिंदी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर समिति के कर्मचारियों ने "स्वच्छता ही सेवा" विषय पर अपनी भावनाएँ लेखन के माध्यम से व्यक्त कीं।

समिति के प्रतिभागियों ने गांधी स्मृति एवं गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

4. 24 सितंबर, 2024 को कविता-पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्वच्छता और देशभक्ति विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में समिति कर्मचारियों ने अपनी काव्य-प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह

सितंबर 2024 में आयोजित हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह 18 दिसंबर, 2024 को गांधी स्मृति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की। उन्होंने उत्साही कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए और संप्रेषण की भाषा के रूप में हिंदी के उपयोग पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने हिंदी को एक साझा संपर्क भाषा के रूप में अपनाने के महत्व की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. सौरव राय ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

इसके अतिरिक्त 19 दिसंबर, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ. ज्वाला प्रसाद ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू और प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार के साथ विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिता के प्रमाणपत्र भी प्रदान किए।

समिति के प्रतिभागियों ने गांधी स्मृति एवं गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हर घर तिरंगा अभियान

* जागरूकता अभियान
* कार्यालयी प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण
* बुनियादी विद्यालय चंपारण में तिरंगा यात्रा
* राजकीय बुनियादी विद्यालय चंपारण में कला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं
* युवा नेतृत्व कार्यक्रम आयोजित
* खादी और महिलाओं पर सेमीनार
* हिन्दी पखवाड़ा के तहत प्रतियोगिताएं
* सामाजिक सहभागिता कार्यक्रम

भारत सरकार की पहल के अंतर्गत आयोजित "हर घर तिरंगा अभियान" का उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति और एकता की भावना को सशक्त बनाना था, जिसके तहत लोगों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया गया।गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने इस राष्ट्रीय आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई, इसे "आज़ादी का अमृत काल" के उत्सव और उसकी सतत यात्रा का प्रतीक मानते हुए गांधीवादी मूल्यों के प्रचार के साथ जोड़ा।

उद्देश्य

हर घर तिरंगा अभियान में भाग लेने का गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति का उद्देश्य लोगों में तिरंगे के प्रति जागरूकता और उसका महत्व बताना था। साथ ही आजादी का अमृत महोत्सव के विराट दृष्टिकोण के साथ जनता में गर्व, एकता और देशभक्ति की भावना भरना भी इस अभियान का उद्देश्य था।

जागरूकता अभियान

1. गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, संगीत वीडियो और नागरिक भागीदारी के माध्यम से एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें तिरंगे के ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व पर प्रकाश डाला गया।

2. विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामुदायिक केंद्रों में जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किए गए, जहाँ ध्वज की सही उपयोग-पद्धति और उसके प्रतीकात्मक अर्थों पर चर्चा की गई।

3. गांधी स्मृति (तीस जनवरी मार्ग) और गांधी दर्शन (राजघाट) में आने वाले देश-विदेश के आगंतुकों के लिए सेल्फ़ी प्वाइंट और फ्लैग ज़ोन बनाए गए, जहाँ लोगों ने तिरंगे के साथ अपनी देशभक्ति की भावनाएं व्यक्त कीं।

4. आगंतुकों के लिए विशेष सेल्फी प्वाइंट बनाए गए, जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के साथ तस्वीरें लेकर स्वतंत्रता के प्रत्येक क्षण को उल्लासपूर्वक संजोया।

5. इस अवसर पर समिति के कर्मचारियों ने भी अपने परिवारों सहित अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर इस अभियान में योगदान दिया।

हर घर तिरंगा पदयात्रा — 800 से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता

9 अगस्त, 2024

भारत छोड़ो आंदोलन की 82वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 9 अगस्त 2024 को "हर घर तिरंगा पदयात्रा" का आयोजन किया। यह यात्रा गांधी वाटिका, राजघाट से आरंभ होकर चरती लाल गोयल हेरिटेज पार्क (लालकिले के समीप) पंहुचकर संपन्न हुई। मुख्य अतिथि संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती अमिता प्रसाद सरभाई ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया।

संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती अमिता प्रसाद सरभाई ने गांधी दर्शन, राजघाट से 'हर घर तिरंगा' पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें सैकड़ों प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

800 से अधिक विद्यार्थियों ने तिरंगे के साथ देशभक्ति के नारों और बैंड प्रस्तुति से वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। एनसीसी की छात्राओं की अगुवाई में निकली यह यात्रा सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध एकता का आह्वान बन गई। पदयात्रा से पूर्व गांधी दर्शन, राजघाट में चित्रकला और क्विज़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

इस अवसर पर गांधी हर्बल गार्डन का उद्घाटन श्रीमती अमिता प्रसाद सरभाई, डॉ. अनुराधा शर्मा और डॉ. ज्वाला प्रसाद ने किया। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को "हर घर तिरंगा शपथ" दिलाई और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश दिया।

डॉ. ज्वाला प्रसाद ने कहा कि 9 अगस्त वही दिन है जब महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ हुआ था, यह पदयात्रा उन्हीं बलिदानियों की स्मृति को समर्पित है।

समिति द्वारा आयोजित 'हर घर तिरंगा' पदयात्रा की झलकियाँ।

'कार्यालयीन प्रक्रियाएँ, अनुशासन एवं आचरण नियम' विषय पर प्रशिक्षण आयोजित

9 अगस्त, 2024

'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 9 अगस्त, 2024 को कर्मचारियों के लिए 'तिरंगा संवाद' का आयोजन किया गया। इसी क्रम में 'कार्यालयीन प्रक्रियाएँ, अनुशासन एवं आचरण नियम' विषयक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसका संचालन समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने कर्तव्यों का निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया।

श्री संजीत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी ने गांधी दर्शन, राजघाट में आचरण नियमों पर प्रशिक्षण सत्र को संबोधित किया।

यह प्रशिक्षण सत्र इस उद्देश्य से सुविचारित रूप से तैयार किया गया था कि कर्मचारी कार्यालयीन प्रक्रियाओं की मूलभूत समझ को गहराई से आत्मसात करें और उन्हें दैनिक कार्यप्रणाली में प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। यह केवल नियमों की पुनरावृत्ति तक सीमित नहीं था, बल्कि ऐसी कार्य-संस्कृति विकसित करने का प्रयास था जिसमें प्रक्रियाओं को समझा जाए, उनका सम्मान किया जाए और उन्हें सहज रूप से कार्यप्रवाह का हिस्सा बनाया जाए।

इन प्रक्रियाओं के महत्व पर बल देते हुए प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों को वह ज्ञान और कौशल प्रदान करना था, जिससे वे प्रशासनिक कार्यों की जटिलताओं को आत्मविश्वास और दक्षता के साथ संभाल सकें। इस दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित किया गया कि सभी कर्मचारी न केवल अपने आचरण को नियंत्रित करने वाले नियमों से परिचित हों, बल्कि उनके पीछे निहित उद्देश्य को भी समझें—ताकि अनुशासन, स्पष्टता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित कार्य वातावरण का निर्माण हो सके।

बुनियादी विद्यालय चंपारण के विद्यालयों में तिरंगा यात्रा

9 अगस्त, 2024

बुनियादी विद्यालय, चंपारण (बिहार) के बच्चों और शिक्षकों ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया।

राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरिसिया अड्डा (पश्चिम चंपारण, बिहार) के गांधीवादी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत चौधुरी टोला, वृत्ति टोला और नई बस्ती में तिरंगा पदयात्रा आयोजित की। इस यात्रा ने स्थानीय समाज में राष्ट्रीय एकता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया, जो गांधीवादी विचारधारा की जीवंत मिसाल बनी।

राजकीय बुनियादी विद्यालय, कुमारबाग बृंदावन आश्रम, चंपारण में कला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ आयोजित

12 अगस्त, 2024

12 अगस्त, 2024 को चंपारण स्थित कुमारबाग बृंदावन आश्रम के राजकीय बुनियादी विद्यालय में कला प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक आयोजन किया

गया। यह अवसर विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और ज्ञान का उत्सव बन गया, जहाँ उन्हें अपनी कलात्मक प्रतिभा और बौद्धिक क्षमता प्रदर्शित करने का मंच मिला। कला प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय था, "भारत का स्वतंत्रता संग्राम और उसके नायक।" विद्यार्थियों ने चित्रकला, रेखाचित्र और पोस्टर के माध्यम से ऐतिहासिक घटनाओं, राष्ट्रीय नेताओं तथा स्वतंत्रता आंदोलन के प्रतीकों को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में देशभक्ति और इतिहासबोध की स्पष्ट झलक दिखाई दी।

इसी के साथ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सामान्य ज्ञान, समसामयिक घटनाक्रम और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से संबंधित प्रश्न शामिल थे। विद्यार्थियों की टीमों ने विभिन्न चरणों में भाग लेते हुए अपने ज्ञान और त्वरित सोच का प्रदर्शन किया। प्रश्नोत्तरी में ऐतिहासिक प्रसंगों से लेकर समकालीन विषयों तक विविध आयामों को समाहित किया गया, जिससे प्रतिभागियों की व्यापक समझ का समुचित परीक्षण हो सका।

युवा नेतृत्व संवाद — गांधी और आधुनिक दृष्टि

12 अगस्त, 2024

नीदरलैंड दूतावास के आर्थिक परामर्शदाता श्री जोस्ट गेजर ने विद्यार्थियों की सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर गांधी स्मृति में श्री प्रदीप गांधी एवं श्री संजीत कुमार भी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस और "हर घर तिरंगा अभियान" के अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने सात राज्यों के युवाओं के साथ "अंडरस्टेंडिंग गांधी" विषय पर संवाद आयोजित किया। इस संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद श्री प्रदीप गांधी ने की। मुख्य वक्ता श्री जोस्ट गीजर (आर्थिक परामर्शदाता, नीदरलैंड्स दूतावास) और सुश्री प्रिया जोशी (नीति सलाहकार, ऊर्जा एवं जलवायु) रहीं।

गांधी स्मृति में विशिष्ट अतिथियों के साथ प्रतिभागियों ने समूह छायाचित्र के लिए सहभागिता की।

कार्यक्रम में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने गांधी के विचारों की पर्यावरणीय और सामाजिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला, वहीं शोध अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय ने ट्रस्टीशिप के सिद्धांत पर चर्चा की। द्वितीय सत्र में उद्योग क्षेत्र से श्री वीर सागर, श्री संदीप नरूला, श्री गुरमीत सिंह, और श्री विक्रांत सक्सेना ने युवाओं से संवाद किया। विद्यार्थियों ने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण भी किया।

'खादी और महिलाएँ' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

14 अगस्त, 2024

समिति द्वारा आई.पी. महिला कॉलेज में 'हर घर तिरंगा' अभियान उत्साहपूर्वक मनाया गया, जहाँ चरखे का सजीव प्रदर्शन आयोजित किया गया।

'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2024' तथा 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वूमेन ने 14 अगस्त, 2024 को 'खादी और महिलाएँ' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

मुख्य वक्तव्य स्वदेशी जागरण मंच से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉ. कश्मीरी लाल ने दिया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम और स्वदेशी आंदोलन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विस्तार से बताया कि महात्मा गांधी ने किस प्रकार लाखों महिलाओं को चरखा कातने के लिए प्रेरित किया, जो आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बना।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने अपने संबोधन में रेखांकित किया कि खादी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक क्यों बनी। उन्होंने बताया कि चरखा कातने के माध्यम से महिलाओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में उल्लेखनीय योगदान दिया।

इस अवसर पर इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वूमेन की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया, गांधी अध्ययन मंडल के संयोजक डॉ. राजीव गुप्ता तथा महिला विकास प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. चेतना गुप्ता भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान समिति द्वारा पुस्तकों और खादी उत्पादों का एक स्टॉल लगाया गया। साथ ही समिति की सुश्री रेनू द्वारा चरखा कातने का प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनों को खादी की परंपरा से सजीव रूप में परिचित कराया।

सामाजिक सहभागिता

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों, निवासी कल्याण संघों तथा सामुदायिक नेताओं के साथ सहयोग स्थापित कर इस पहल में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की। विशेष रूप से तिरंगा यात्रा के दौरान विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत संगीतमय प्रस्तुतियाँ दीं।

II. 'हर घर तिरंगा अभियान' के अनुरूप 600 से अधिक बच्चों की सहभागिता पर विशेष बल दिया गया। उन्हें तिरंगे की थीम पर चित्रकला, नारे और कविताएँ रचने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना और सृजनात्मक अभिव्यक्ति का विकास हो सके।

III. हेल्थ फिटनेस ट्रस्ट के रनर्स, पूर्व एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोदारा के नेतृत्व में, राष्ट्रीय ध्वज के साथ राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में इस अभियान से जुड़े। उन्होंने देशभक्ति के नारे लगाते हुए समिति की इस पहल में सक्रिय सहभागिता दर्ज की।

प्रभाव और जनसंपर्क

I.इस पहल को दिल्ली और एनसीआर के सैंकड़ों प्रतिभागी बच्चों की जोरदार प्रतिक्रिया देखने को मिली।

II.गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सोशल मीडिया हैंडल द्वारा नियमित रूप से समिति द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रमों के समाचार, रिपोर्ट्स को सोशल मीडिया पर डाला गया, ताकि इन कार्यक्रमों की जानकारी समाज के सभी वर्गों तक पँहुच सके।

समिति द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 4.0

* गांधी दर्शन में स्वच्छता अभियान
* गांधी और स्वच्छता विषयक प्रदर्शनी का उद्घाटन
* स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता पर व्याख्यान
* गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा स्वच्छता अभियान
* के आई आई टी वर्ल्ड स्कूल, गुरुग्राम द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम
* मजलिस पार्क में स्वच्छता अभियान
* माता सुंदरी कॉलेज के साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान
* सराय काले खां में स्वच्छता अभियान
* दिल्ली और एनसीआर के 40 स्कूलों के 350 बच्चों द्वारा स्वच्छता संकल्प
* केआर मंगलम वर्ल्ड स्कूल विकासपुरी के साथ स्वच्छता अभियान
* ज्ञान शक्ति नोएडा के साथ स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता पर कार्यशाला
* स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता आयोजित
* स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
* सीपीडब्ल्यूडी द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत औषधीय पौधों का वितरण
* गांधी दर्शन में 14 एमसीडी स्कूलों के 250 विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान 4.0 में प्रतिभागिता

भारत सरकार के स्वच्छता अभियान 4.0 के तहत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा अक्टूबर 2024 में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। समिति के निदेशक डॉ ज्वाला प्रसाद ने अभियान के महत्व के बारे में बताया और महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए स्वच्छता कार्यक्रम की जानकारी दी। इस अभियान को 1 से 31 अक्टूबर 2024 के बीच पूरे उत्साह और समर्पण के साथ गांधी स्मृति तीस जनवरी मार्ग और गांधी दर्शन राजघाट के विभिन्न भागों में चलाया गया।

श्री विजय गोयल ने गांधी दर्शन में स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया

17 सितम्बर, 2024

माननीय उपाध्यक्ष, श्री विजय गोयल द्वारा प्रतिभागियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने 17 सितम्बर, 2024 को गांधी दर्शन परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान का शुभारंभ स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करते हुए किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में स्वच्छता कार्य किया तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया।

कार्यक्रम में कार्यक्रम समिति के सदस्य श्री राजकुमार शर्मा तथा सक्षम (विशेष रूप से दिव्यांगजनों के लिए कार्यरत संगठन) के दिल्ली राज्य सचिव श्री मामचंद शर्मा भी उपस्थित रहे। समिति के सभी कर्मचारियों और सक्षम संगठन के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की। यह आयोजन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भी किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम के दौरान श्री विजय गोयल ने उपस्थित कर्मचारियों और अतिथियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा सभी से स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आग्रह किया।

गांधी और स्वच्छता पर प्रदर्शनी का उद्घाटन

17 सितम्बर, 2024

'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान के अंतर्गत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद के साथ मिलकर राजघाट स्थित गांधी दर्शन परिसर में "महात्मा गांधी और स्वच्छता" विषय पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में 16 छायाचित्रों के माध्यम से स्वच्छता के दैनिक जीवन में महत्व तथा महात्मा गांधी द्वारा अपने मिशन में स्वच्छता को दिए गए केंद्रीय स्थान को दर्शाया गया है। आगंतुक इन प्रदर्शनों के माध्यम से यह समझ सकते हैं कि स्वच्छता केवल व्यवहार नहीं, बल्कि गांधीजी के जीवन-दर्शन का अभिन्न अंग थी।

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' विषय पर व्याख्यान आयोजित

17 सितम्बर, 2024

माननीय उपाध्यक्ष, श्री विजय गोयल, निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद के साथ गांधी दर्शन में "महात्मा गांधी और स्वच्छता" विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान के अंतर्गत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 17 सितम्बर, 2024 को 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। यह व्याख्यान सक्षम संगठन (दिव्यांगजनों के लिए कार्यरत) के दिल्ली राज्य सचिव श्री मामचंद शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने आंतरिक स्वच्छता के महत्व पर विशेष बल दिया और बताया कि वास्तविक स्वच्छता मन और विचारों की पवित्रता से प्रारंभ होती है। समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्वच्छता की भावना को केवल बाहरी व्यवहार तक सीमित न रखते हुए उसे अपनी आदतों और दृष्टिकोण का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है।

गांधी दर्शन एवं गांधी स्मृति में स्वच्छता अभियान

सितम्बर, 2024

सितम्बर 2024 के दौरान गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में सक्रिय भागीदारी करते हुए तीस जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति तथा राजघाट स्थित गांधी दर्शन के

प्रमुख स्थलों पर व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किए।

इस पहल के अंतर्गत गांधी स्मृति परिसर में विश्व शांति नगाड़ा (वर्ल्ड पीस गोंग) के आसपास तथा संग्रहालय के भीतर विशेष सफाई अभियान चलाया गया, ताकि परिसर आगंतुकों के लिए स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आकर्षक बना रहे। यह प्रयास महात्मा गांधी के स्वच्छता और समाज सेवा संबंधी मूल्यों के प्रति संस्था की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसी क्रम में गांधी दर्शन, राजघाट परिसर में भी विभिन्न स्थलों की सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया। इस अभियान ने दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए इन ऐतिहासिक स्थलों की गरिमा और पवित्रता को बनाए रखने के प्रति समिति के समर्पण को प्रदर्शित किया।

केआईआईटी वर्ल्ड स्कूल, गुरुग्राम में स्वच्छता शपथ दिलाई गई

18 सितम्बर, 2024

18 सितम्बर, 2024 को केआईआईटी वर्ल्ड स्कूल, गुरुग्राम में सद्भावना पीस क्लब द्वारा विभिन्न कक्षाओं में स्वच्छता शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। सद्भावना पीस क्लब, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की एक पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच शांति, सद्भाव और अहिंसा के मूल्यों का प्रसार करना है।

केआईआईटी वर्ल्ड स्कूल के बच्चों ने स्वच्छता शपथ में सहभागिता की।

मजलिस पार्क में जनभागीदारी कार्यक्रम

18 सितंबर, 2024

समिति ने नई दिल्ली के मजलिस पार्क स्थित झुग्गी बस्ती के बच्चों के बीच जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किया। "माइंडफुलनेस मेडिटेशन" के माध्यम से आंतरिक स्वच्छता पर कार्यशाला हुई और पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू और श्री शकील खान के साथ बच्चों ने "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" की शपथ ली और स्वच्छता पर नाटक भी प्रस्तुत किया।

माता सुंदरी कॉलेज के साथ 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम आयोजित

21 सितम्बर, 2024

माता सुंदरी कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान तथा अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के उपलक्ष्य में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी कॉलेज के गांधी अध्ययन मंडल ने 21 सितम्बर, 2024 को संयुक्त रूप से "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" विषय पर ओपन माइक कविता एवं संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कविता पाठ और संगीतमय प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता के आंतरिक और बाह्य आयामों को रचनात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता शपथ भी ली और स्वच्छता को अपने व्यवहार और जीवन-मूल्यों का हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

सराय काले खां में स्वच्छता पहल आयोजित

24 सितम्बर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने जन-भागीदारी पहल के अंतर्गत 24 सितम्बर, 2024 को सराय काले खां स्थित एक झुग्गी बस्ती में 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान बस्ती के बच्चों ने स्वयं आगे बढ़कर स्वच्छता अभियान चलाया और अपने आसपास के क्षेत्र की सफाई की। इसके पश्चात श्री शकील खान ने 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' विषय पर सत्र का संचालन किया

दिल्ली-एनसीआर के 40 विद्यालयों के 350 विद्यार्थियों ने स्वच्छता शपथ ली

25 सितम्बर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 25 सितम्बर, 2024 को गांधी दर्शन में 40 विद्यालयों के लगभग 350 विद्यार्थियों के लिए स्वच्छता शपथ कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर कुछ विद्यार्थियों ने स्वच्छता के महत्व पर अपने विचार भी व्यक्त किए। जीएसडीएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने बच्चों को स्वच्छता शपथ दिलाई।

के. आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल, विकासपुरी में स्वच्छता शपथ

27 सितम्बर, 2024

'स्वच्छता ही सेवा' पहल के अंतर्गत 27 सितम्बर, 2024 को गांधी स्मृति में के. आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल, विकासपुरी के विद्यार्थियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया।

ज्ञान शक्ति विद्यालय, नोएडा में 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' कार्यशाला – जन-भागीदारी पहल

27 सितम्बर, 2024

जन-भागीदारी पहल के अंतर्गत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 27 सितम्बर, 2024 को नोएडा स्थित ज्ञान शक्ति विद्यालय में 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की।कार्यक्रम में बच्चों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके पश्चात श्री शकील खान और श्री समीर द्वारा एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता और नैतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में स्वच्छ आचरण और सकारात्मक जीवन मूल्यों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक प्रेरक पहल सिद्ध हुआ।

कहानी–कथन प्रतियोगिता का आयोजन
28 सितंबर, 2024

28 सितंबर, 2024 को 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' विषय पर दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए एक कहानी–कथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने विषय की मूल भावना को अभिव्यक्त करती हुई अपनी स्वलिखित कहानियाँ प्रस्तुत कीं। प्रतियोगिता में लेडी इरविन कॉलेज की कशिश चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। माता सुंदरी कॉलेज की सलोनी झा द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि अंजली दिवाकर ने तृतीय स्थान हासिल किया।

"स्वच्छता ही सेवा 2024" अभियान के अंतर्गत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति में पोस्टर–निर्माण प्रतियोगिता आयोजित
29 सितंबर, 2024

29 सितंबर, 2024 को राष्ट्रव्यापी "स्वच्छता ही सेवा 2024" अभियान के तहत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा गांधी दर्शन, राजघाट में पोस्टर–निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली और एनसीआर के 20 से अधिक विद्यालयों के सैकड़ों बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय "स्वभाव में स्वच्छता, संस्कृति में स्वच्छता" रखा गया, जिसका उद्देश्य बच्चों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से उनके व्यवहार, संस्कृति और दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व को उजागर करना था।

CPWD द्वारा औषधीय पौधों का वितरण
14 अक्टूबर, 2024

समिति ने CPWD के सहयोग से आंवला, नीम आदि औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण गांधी स्मृति में किया। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के महत्व पर जनजागरूकता बढ़ाना था।

22 अक्टूबर, 2024 – दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार के 14 स्कूलों के लगभग 250 छात्रों ने गांधी दर्शन का शैक्षणिक दौरा किया (स्वच्छता 4.0 और 'टेकिंग गांधी टू स्कूल' पहल)। बच्चों ने भाषण, कविता, नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से गांधीजी के जीवन और शिक्षाओं को अभिव्यक्त किया।

सीपीडब्ल्यूडी द्वारा गांधी स्मृति में समिति के कर्मचारियों को औषधीय पौधों का वितरण किया गया।

23 अक्टूबर, 2024 – एस. एस. पब्लिक स्कूल, नाथूपुरा (दिल्ली) के लगभग 80 छात्रों ने गांधी दर्शन में स्वच्छता और गांधी मूल्यों पर कार्यक्रम किया; गीत, नाटक, कविता प्रस्तुत हुईं।

24 अक्टूबर, 2024 – मानव भावना पब्लिक स्कूल, नाथूपुरा के लगभग 70 छात्र समिति की स्पेशल कैंपेन 4.0 में शामिल हुए। गांधीवादी मूल्यों पर प्रस्तुतियाँ हुईं। 10 शिक्षक भी सहभागी रहे। समिति की शोध सहयोगी डॉ. सैलजा गुल्लापल्ली और सुश्री शुभांगी गिरधर ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए।

26 अक्टूबर, 2024 – KAMS कॉन्वेंट के लगभग 50 छात्रों ने गांधी दर्शन में गांधीवादी मूल्य और स्वच्छता पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ व भाषण दिए। प्राचार्य श्रीमती सोनिया सैनी ने विद्यालय में 'गांधी पीस क्लब' स्थापित करने की घोषणा की। विद्यार्थियों ने स्वच्छता पर नाटक, 'एक पेड़ माँ के नाम' पर नृत्य और सतत जीवन

पर विचार साझा किए।

27 अक्टूबर, 2024 – श्री मोहित मोहन (ऑफिस सुपरवाइजर) के पर्यवेक्षण में गांधी दर्शन, राजघाट में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें कर्मचारियों के परिजन भी शामिल हुए।

28 अक्टूबर, 2024 – समिति ने दिल्ली के आंध्रा स्कूल की तीन शाखाओं (आइटीओ, आर. के. पुरम, प्रसाद नगर) के लिए कार्यशाला और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। छात्रों ने स्ट्रीट प्ले, भाषण दिए। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने गांधी मूल्यों और उन्हें जीवन में अपनाने पर संबोधित किया।

29 अक्टूबर, 2024 – एस. आर. कैपिटल पब्लिक स्कूल, नवीन शाहदरा के लगभग 250 छात्र-शिक्षक गांधी स्मृति आए। महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रवाद विषयक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुईं। छात्रों ने स्वच्छता पर पोस्टर, स्लोगन, ड्राइंग भी प्रदर्शित किए। डॉ. ज्वाला प्रसाद ने शिक्षकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्तियों में अहिंसा, सत्य और सरलता के गांधीवादी सिद्धांत झलके। संग्रहालय-दर्शन से बच्चों ने गांधीजी के इतिहास और दर्शन से गहरा जुड़ाव महसूस किया।

विद्यार्थियों ने महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रवाद पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें उनकी प्रतिभा और इन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्वच्छता विषयक पोस्टर, स्लोगन और चित्रों की प्रदर्शनी लगाई, जिसके माध्यम से अभियान के उद्देश्यों के प्रति अपनी सृजनात्मक सहभागिता को गर्व के साथ प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर डॉ. प्रसाद ने सहभागी शिक्षकों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्तियों में गांधीजी के अहिंसा, सत्य और सादगी के सिद्धांतों के प्रति गहरी श्रद्धा स्पष्ट रूप से झलक रही थी। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने संग्रहालयों का मार्गदर्शित भ्रमण भी किया, जहाँ उन्हें गांधीजी के जीवन, विचारों और दर्शन को निकट से समझने का अवसर मिला। इस अनुभव ने उन्हें गांधीजी की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और शाश्वत संदेश से गहराई से जोड़ते हुए एक आत्मीय संबंध स्थापित करने की प्रेरणा दी।

चंपारण में कार्यक्रम

* कार्यक्रम समिति सदस्यों का चंपारण के बुनियादी विद्यालयों का दौरा
* राजकीय बुनियादी विद्यालय, वृंदावन और सिरसिया अड्डा में स्वच्छता अभियान 4.0
* राजकीय बुनियादी विद्यालय सिरसिया में बाल दिवस मनाया
* डॉ भीमराव अंबेडकर की स्मृति में पौधरोपण
* बुनियादी विद्यालय सिरसिया में बाल सामाजिक सम्मेलन

कार्यक्रम समिति सदस्यों का चंपारण के बुनियादी विद्यालयों का दौरा
दिनांक: 24 अगस्त, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की कार्यक्रम समिति के सदस्य श्री धर्मवीर शर्मा और श्री सतपाल भाटिया ने 22–23 अगस्त, 2024 को पश्चिम चंपारण के चनपटिया प्रखंड स्थित बुनियादी विद्यालय सिरिसिया अड्डा तथा बुनियादी विद्यालय, वृंदावन आश्रम, बेतिया का निरीक्षण किया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण का मूल्यांकन किया और गांधीवादी शिक्षकों एवं छात्रों से बात कर उनके अनुभवों को जाना। उन्होंने विद्यालय से जुड़ी समस्याओं और बच्चों द्वारा झेली जा रही चुनौतियों पर चर्चा की तथा विद्यालय प्रबन्धन को यह आश्वासन दिया कि समिति इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए हर संभव सहयोग करेगी। समिति ने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें पुरस्कार देकर आगे भी अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

(ऊपर): जीएसडीएस की कार्यक्रम समिति के सदस्य चंपारण स्थित बुनियादी विद्यालय में कक्षा प्रबंधन का निरीक्षण करते हुए।
(नीचे): समिति के प्रतिनिधि विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों के साथ।

इस अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडु और श्री शकील भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के साथ-साथ विद्यालय परिसर में डॉ. ज्वाला प्रसाद के नेतृत्व में वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. वेदाभ्यास कुंडू, श्री शकील तथा विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। डॉ. प्रसाद ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय परिवार को इस दिशा में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

श्री संजय कुमार राय, श्री नितेश कुमार पांडेय, श्री राजेश कुमार महतो, श्री सुनील कुमार, सुश्री अंतिमा राय, श्री मनुलाल कुमार तथा श्री परस ठाकुर ने समिति के सदस्यों के आगमन और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय निरीक्षण का समन्वय स्थानीय विद्यालय समन्वयक श्री सत्यंत कुमार और प्रधानाध्यापक अशोक राम ने किया। उन्होंने कार्यक्रम के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करते हुए निरीक्षण दल को पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

स्वच्छता अभियान 4.0

राजकीय बुनियादी विद्यालय, वृंदावन

17 सितंबर, 2024 को भारत सरकार के "स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता" अभियान के तहत राजकीय बुनियादी विद्यालय, बेतिया (वृंदावन, पश्चिम चंपारण) के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बापू कुटीर से विद्यालय तक स्वच्छता यात्रा निकाली।

राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरसिया

17 सितंबर 2024 को 'स्वच्छता ही सेवा' तथा 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' अभियान के अंतर्गत राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरसिया अड्डा, पश्चिम चंपारण (बिहार) के गांधीवादी शिक्षकों ने दुर्गा स्थान (सातों माई) और बजरंग बली स्थान (महावीर मंदिर) के प्रांगण की साफ-सफाई की।

19 सितंबर 2024 को इसी अभियान के तहत विद्यालय परिसर में स्थित कस्तूरबा कुटीर—जिसका पुनरुद्धार गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा कराया गया है—के प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया गया। गांधीवादी शिक्षकों ने स्वयं नेतृत्व करते हुए परिसर की सफाई की।

वृंदावन और सिरसिया अड्डा स्थित बुनियादी विद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभागी उत्साहपूर्वक अभियान 4.0 में भाग लेते हुए।

20 सितंबर 2024 को स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर 'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में लगभग 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

23 सितंबर 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली की पहल के अंतर्गत 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत विद्यालय परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। गांधीवादी शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर विद्यालय परिसर की साफ-सफाई की और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

24 सितंबर 2024 को विद्यालय में स्थित खेल सामग्री एवं व्यायाम परिसर की साफ-सफाई की गई। यह कार्यक्रम 'स्वच्छता ही सेवा', 'स्वभाव स्वच्छता' एवं 'संस्कार स्वच्छता' विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

25 सितंबर 2024 को 'स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता' थीम के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के दौरान चौधरी टोला गांव स्थित सूर्य षष्ठी (छठ) घाट परिसर की साफ-सफाई की गई। महात्मा गांधी द्वारा स्थापित इस विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षकों ने गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली की पहल के अंतर्गत उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छता का संदेश समाज तक पहुँचाया। इन गतिविधियों ने विद्यालय और आसपास के समुदाय में स्वच्छता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के प्रति भी नई चेतना का संचार किया।

राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरसिया अड्डा, पश्चिम चंपारण (बिहार) में स्वच्छता अभियान
19 अक्टूबर 2024

19 अक्टूबर 2024 को 'स्वच्छता अभियान 4 के अंतर्गत राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरसिया अड्डा, पश्चिम चंपारण (बिहार) में एक विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रव्यापी पहल का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में स्वच्छता और स्वास्थ्यमूलक वातावरण को बढ़ावा देना है। इस अभियान का नेतृत्व विद्यालय के शिक्षकों ने सक्रिय रूप से किया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति मंत्रालय तथा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से संपन्न हुआ। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर विद्यालय परिसर तथा उसके आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया।

यह स्वच्छता अभियान केवल एक दिन की गतिविधि नहीं, बल्कि एक व्यापक जागरूकता प्रयास का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय को स्वच्छता के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाना है। यह पहल महात्मा गांधी के उस विचार

से प्रेरित है, जिसमें उन्होंने स्वच्छता को व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन के कल्याण का अनिवार्य अंग बताया था। इस अवसर पर यह संदेश भी दिया गया कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि जीवन-शैली है—और विद्यालय से बेहतर इसकी शुरुआत की जगह भला और क्या हो सकती है।

बाल दिवस समारोह
राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरिसिया, चंपारण –
14 नवंबर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा बाल दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सामूहिक भोज कार्यक्रम भी हुआ। बच्चों और शिक्षकों ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि दी।

डॉ. बी. आर. आंबेडकर की स्मृति में वृक्षारोपण, चंपारण
6 दिसंबर 2024

6 दिसंबर 2024 को राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरसिया अड्डा, पश्चिम चंपारण (बिहार) में डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर एक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यावरणविद् श्री दुर्गेश पाठक को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत तीन फलदार पौधे लगाए गए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में वृक्षों की भूमिका को समझा। इस पहल के माध्यम से बच्चों को यह संदेश दिया गया कि प्रकृति की रक्षा करना ही महापुरुषों की सच्ची स्मृति है।

बुनियादी विद्यालय, सिरसिया (बिहार) में बाल सामाजिक सम्मेलन
30 जनवरी 2025

(ऊपर): बुनियादी विद्यालय के बच्चे अपने प्रोजेक्ट के साथ बाल सामाजिक सम्मेलन में भाग लेते हुए दिखाई दे रहे हैं।
(नीचे): पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान उपस्थित विशिष्ट जनसमूह।

30 जनवरी 2025 को महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि के अवसर पर राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरसिया अड्डा, प्रखंड चनपटिया, पश्चिम चंपारण में "बाल सामाजिक सम्मेलन" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चनपटिया प्रखंड के 20 बुनियादी विद्यालयों के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की। समारोह में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. देवीलाल यादव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार से श्री ओम प्रकाश प्रसाद, श्री शैलेंद्र कुमार राय तथा विद्यालय के प्रभारी श्री अशोक राम विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गांधी दर्शन आर्ट गैलरी में प्रदर्शनियां

* नवरस एंड बियॉन्ड"-कला प्रदर्शनी का उद्घाटन
* नौ कलाकारों के समूह की प्रदर्शनी का उद्घाटन
* प्रयास कला प्रदर्शनी
* व्हाइट स्वान आर्ट फेस्टिवल और प्रदर्शनी
* जश्न-ए-अस्तित्व" - कला और अभिव्यक्ति का उत्सव
* 51 कलाकारों की कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

"नवरस एंड बियॉन्ड" कलाकार स्वपन सरकार की कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

21 जनवरी, 2025

माननीय उपाध्यक्ष, श्री विजय गोयल ने श्री स्वप्न कुमार सरकार द्वारा क्यूरेट की गई प्रदर्शनी 'नवरस' का अवलोकन किया। चित्र में समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद भी दिखाई दे रहे हैं।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ.ज्वाला प्रसाद ने 21 जनवरी 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट स्थित गांधी दर्शन कला दीर्घा में कलाकार स्वपन कुमार सरकार की पेंटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस कला प्रदर्शनी ने मानव भावनाओं, सामाजिक सरोकारों और मानवता व प्रकृति के बीच सामंजस्य को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। पौराणिकता, रहस्यवाद और सार्वभौमिक भावनाओं का संगम इन कलाकृतियों में दिखाई देता है, जो आत्ममंथन और आंतरिक जुड़ाव की प्रेरणा देती हैं। यह प्रदर्शनी 29 जनवरी 2025 तक आयोजित की गयी।

22 जनवरी 2025 को समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने डॉ. ज्वाला प्रसाद के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कलाकार श्री स्वपन कुमार सरकार ने उनका स्वागत किया। श्री गोयल ने दर्शकों के साथ सम्वाद किया और कलाकारों को बधाई दी।

नौ कलाकारों की समूह प्रदर्शनी "आर्ट थ्रू आर्टरीज" का उद्घाटन

25 फरवरी, 2025

गांधी दर्शन कला दीर्घा, राजघाट में निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने "आर्ट थ्रू आर्टरीज" नामक समूह प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में नौ कलाकारों — सुजाता अग्रवाल, मनीष झा, ओलोरुएमी ओबदिया, अनु धर्माणी, प्रतिभा अवस्थी, सुरेश कुमार, सुची बुधिराजा, दिनेश कुमार राम और श्याम सुंदर की पेंटिंग्स और मूर्तिकृतियाँ प्रदर्शित की गईं। प्रदर्शनी 2 मार्च 2025 तक दर्शकों के लिए खुली रही।

"प्रयास" कला प्रदर्शनी — विविध कलाओं का संगम

4 से 9 मार्च, 2025

समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार कलाकारों के साथ प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित रहे।

कलाकार अनु धर्माणी द्वारा संयोजित "प्रयास" नामक विशिष्ट कला प्रदर्शनी का उद्घाटन 4 मार्च 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार द्वारा किया गया।

इस प्रदर्शनी में 27 कलाकारों की विविध रचनात्मक कृतियाँ प्रदर्शित की गईं, जिनमें कला, साहित्य, शिक्षा, और मीडिया जगत से जुड़े कई नाम शामिल थे — जैसे डॉ. सरबस्ती रीलू मोहंती, आकांक्षा जैन, आराधना गुप्ता, भावना चौधरी, चंदा बक्शी, चारुल अग्रवाल, काव्या बंसल, मनिंदर कौर, मनीषा मट्टास, मनीष झा, किरण चोपड़ा, नंदिनी चोपड़ा, रश्मि अग्रवाल, हरी ओम और जय सेठिया आदि। यह प्रदर्शनी कलात्मक विविधता और सामूहिक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण रही और 9 मार्च 2025 तक खुली रही।

व्हाइट स्वान आर्ट फेस्टिवल और प्रदर्शनी

11 मार्च, 2025

व्हाइट स्वान आर्ट फेस्टिवल और प्रदर्शनी का उद्घाटन 11 मार्च 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में हुआ। इस भव्य आयोजन में 120 कलाकारों की प्रतिभा प्रदर्शित हुई — जिनमें जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली कॉलेज ऑफ़ आर्ट, और जे.जे. स्कूल ऑफ़ आर्ट के लगभग 100 उभरते कलाकारों के साथ एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मूर्तिकार भी शामिल थे।

क्यूरेटर डॉ. अंजलि निगम ने इस प्रदर्शनी को संयोजित किया, जिसमें रचनात्मकता, विविधता और कलात्मक नवोन्मेष का शानदार समावेश रहा। इस महोत्सव ने युवा और स्थापित कलाकारों को मंच प्रदान करते हुए कला को सांस्कृतिक संवाद और सामाजिक सहभागिता के माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया।

"जश्न-ए-अस्तित्व" - कला और अभिव्यक्ति का उत्सव

18 मार्च, 2025

एनजीएमए के महानिदेशक डॉ. संजीव किशोर गौतम तथा समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार कलाकारों के साथ 'जश्न-ए-अस्तित्व' कला प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर।

गांधी दर्शन कला दीर्घा, राजघाट में 18 मार्च 2025 को "जश्न-ए-अस्तित्व" कला प्रदर्शनी का उद्घाटन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय के महानिदेशक डॉ.संजीव किशोर गौतम , ने की। समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार, डॉ. वेदाभ्यास कुंडु (कार्यक्रम अधिकारी) और डॉ. सौरव कुमार राय (शोध अधिकारी) भी उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी में विविध कलाकारों की रचनाएँ प्रदर्शित की गईं, जो रचनात्मकता, संस्कृति और आत्म-अभिव्यक्ति के रंगों से ओतप्रोत थीं। यह प्रदर्शनी 18 से 23 मार्च 2025 तक आयोजित रही और कला-प्रेमियों तथा समीक्षकों ने इसे कला के सार और स्टोरी टेलिंग की शक्ति को समर्पित एक अद्वितीय आयोजन बताया।

गांधी दर्शन, राजघाट में प्रतिष्ठित कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

25 से 30 मार्च, 2025

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 25 से 30 मार्च 2025 तक गांधी दर्शन कला दीर्घा, राजघाट में एक राष्ट्रीय स्तर की कला प्रदर्शनी आयोजित की, जिसमें देशभर के 51 प्रसिद्ध कलाकारों ने सहभागिता की। प्रदर्शनी का उद्घाटन पद्मश्री बिमन बिहारी दास (अध्यक्ष, ऑल इंडिया फाइन आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स सोसाइटी; सुप्रसिद्ध मूर्तिकार एवं पूर्व प्राचार्य, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ आर्ट एंड क्राफ्ट, कोलकाता) द्वारा किया गया।

अपने सम्बोधन में उन्होंने कला को सामाजिक सौहार्द और गांधीवादी आदर्शों के प्रतिबिंब के रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सुश्री अंजलि सेठी मल्होत्रा (क्यूरेटर) ने समिति के अधिकारियों डॉ. वेदाभ्यास कुंडु और डॉ. सौरव कुमार राय के साथ प्रदर्शनी का संयोजन किया। सुश्री मल्होत्रा ने इस अवसर पर महात्मा गांधी का एक चित्र भी उन्हें भेंट किया।

प्रदर्शनी में चित्रकला, मूर्तिकला और मिश्रित माध्यमों की स्थापत्य कला प्रदर्शित की गईं, जिनमें आधुनिक समाज और संस्कृति के विविध विषयों को अभिनव दृष्टि से अभिव्यक्त किया गया। यह प्रदर्शनी भारत की संपन्न कलात्मक विरासत का उत्सव रही और नए कलाकारों के लिए राष्ट्रीय पहचान प्राप्त करने का सशक्त मंच बनी।

पद्मश्री बिमान बिहारी दास, अध्यक्ष एआईएफएसीएस, ने गांधी दर्शन आर्ट गैलरी में अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

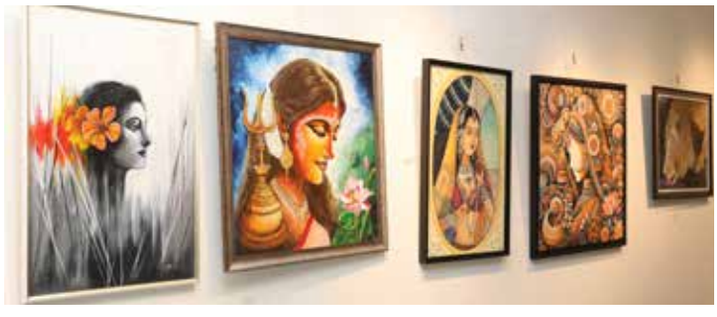

गांधी शांति अध्ययन एवं शोध केंद्र

* गांधी स्मृति को नई दिल्ली स्थित अर्जेंटीना दूतावास द्वारा महात्मा गांधी का डाक टिकट प्राप्त हुआ।
* भारत में आर्मेनिया के दूतावास द्वारा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति को महात्मा गांधी का डाक टिकट भेंट किया गया।
* साइप्रस से महात्मा गांधी के डाक टिकट प्राप्त।
* भारत में कोस्टा रिका के दूतावास से महात्मा गांधी को समर्पित डाक टिकट प्राप्त हुए।
* बुद्ध और गांधी के पदचिन्हों पर विषयक संवाद।
* 'समकालीन समय में गांधी को समझना' विषय पर संवाद।
* अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा विश्व शांति का आह्वान।
* समिति को पुर्तगाल के दूतावास से डाक टिकट प्राप्त।

गांधी स्मृति को अर्जेंटीना में जारी महात्मा गांधी पर आधारित डाक टिकट प्राप्त

8 मई, 2024

माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल की महात्मा गांधी को समर्पित डाक टिकट संग्रहालय स्थापित करने की पहल के अंतर्गत, भारत स्थित अर्जेंटीना दूतावास ने 9 मई, 2024 को अर्जेंटीना में जारी महात्मा गांधी को सम्मानित करते डाक टिकट गांधी स्मृति को भेंट किए।

गांधी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय एवं कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक ने सुश्री सेसिलिया इनेस सिल्वरबर्ग (कार्यवाहक प्रभारी, a.i.) तथा श्री मार्सेलो बोफी (प्रमुख, कांसुलर अनुभाग) से यह डाक टिकट प्राप्त किए। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महात्मा गांधी कक्ष और शहीद स्तंभ का भी अवलोकन किया।

यह डाक टिकट भारत–अर्जेंटीना मैत्री का प्रतीक है, जो गांधीजी की अहिंसा और शांति की विरासत का उत्सव मनाता है। यह पहल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुदृढ़ करने के साथ-साथ दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती प्रदान करती है।

समिति को भारत स्थित आर्मेनिया दूतावास से महात्मा गांधी पर डाक टिकट प्राप्त

12 जुलाई, 2024

12 जुलाई, 2024 को भारत में आर्मेनिया गणराज्य के दूतावास के प्रथम सचिव डॉ. व्लादिमीर पोगोस्यान ने गांधी स्मृति को महात्मा गांधी की छवि वाला एक मूल डाक टिकट भेंट किया। यह डाक टिकट वर्ष 2019 में आर्मेनिया में महात्मा गांधी की 150वीं

आर्मेनिया गणराज्य के दूतावास के प्रथम सचिव डॉ. व्लादिमीर पोगोस्यान ने गांधी स्मृति में गांधीजी का डाक टिकट भेंट किया।

जयंती के उपलक्ष्य में जारी किया गया था। डॉ. पोगोस्यान ने डाक टिकट के साथ आर्मेनिया में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा का एक छायाचित्र भी प्रदान किया। उनके इस दौरे के दौरान डाक टिकट को समिति के अनुसंधान अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय तथा कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक ने प्राप्त किया। यह पहल समितिके माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल के नेतृत्व में संचालित उस अभियान का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत महात्मा गांधी से संबंधित डाक टिकटों, सिक्कों और अन्य स्मृति-चिह्नों पर आधारित एक संग्रहालय विकसित किया जा रहा है—जो उनके महान जीवन और विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करेगा।

गांधी स्मृति को साइप्रस से महात्मा गांधी पर आधारित डाक टिकट प्राप्त

26 जुलाई, 2024

26 जुलाई, 2024 को भारत में साइप्रस गणराज्य के उच्चायुक्त महामहिम श्री एवागोरस व्रायोनिदेस ने गांधी स्मृति के अपने दौरे के दौरान शहीद स्तंभ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने महामहिम श्री व्रायोनिदेस का स्वागत गांधी चरखा और खादी अंगवस्त्रम भेंट कर किया।

इस अवसर पर श्री व्रायोनिदेस ने साइप्रस में वर्ष 2019 में गांधीजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जारी किए गए महात्मा गांधी को समर्पित डाक टिकटों और विशेष लिफाफों का एक संग्रह गांधी दर्शन, राजघाट में प्रस्तावित डाक टिकट संग्रहालय के लिए सौंपा। दौरे के दौरान उन्होंने महात्मा गांधी कक्ष और संग्रहालय का भी अवलोकन किया।इस अवसर पर उच्चायुक्त ने 2019 में गांधीजी की 150वीं जयंती पर साइप्रस में जारी डाक-टिकट प्रस्तावित स्टाम्प म्यूज़ियम (गांधी दर्शन, राजघाट) के लिए सौंपे। उन्होंने महात्मा गांधी कक्ष और संग्रहालय का भी अवलोकन किया।

कोस्टा रिका दूतावास द्वारा महात्मा गांधी को समर्पित डाक टिकटों का संग्रह श्री विजय गोयल को भेंट

27 सितंबर, 2024

भारत में कोस्टा रिका दूतावास की सुश्री सोफिया सालास मोंगे द्वारा महात्मा गांधी पर आधारित डाक टिकटों का संग्रह माननीय श्री विजय गोयल, उपाध्यक्ष, समिति को भेंट करते हुए।

27 सितंबर, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने गांधी स्मृति में भारत स्थित कोस्टा रिका दूतावास से महात्मा गांधी को समर्पित डाक टिकटों का एक विशेष संग्रह प्राप्त किया। यह डाक टिकट संग्रह कोस्टा रिका दूतावास की कार्यवाहक प्रभारी सुश्री सोफिया सालास मोंगे द्वारा गांधी दर्शन, राजघाट में प्रस्तावित स्टाम्प संग्रहालय के लिए योगदान स्वरूप भेंट किया गया।

बुद्ध और गांधी के पदचिन्हों पर

9 फरवरी, 2025

विभिन्न देशों से आए तीर्थयात्री गांधी स्मृति के प्रार्थना स्थल पर संवादात्मक सत्र के दौरान एकत्रित हुए।

ऑस्ट्रेलिया, पुर्तगाल, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, अफ़गानिस्तान, स्विट्ज़रलैंड, भारत सहित 13 देशों से आए तीर्थयात्रियों—जिनमें बौद्ध भिक्षु, विद्वान, शांति साधक और विद्यार्थी शामिल थे—ने 9 फरवरी, 2025 को बुद्ध और गांधी के सिद्धांतों की गहन समझ के उद्देश्य से गांधी स्मृति का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अहिंसा ट्रस्ट के धर्माचार्य शांतम सेठ ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत शहीद स्तंभ पर एक ध्यान सत्र से हुई। इसके उपरांत "बुद्ध और गांधी के पदचिन्हों पर" विषय पर एक संवाद आयोजित किया गया, जिसमें निस्वार्थता, आत्मबोध तथा बुद्ध और गांधी द्वारा प्रतिपादित आध्यात्मिकता के आयामों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस संवाद का एक प्रमुख आकर्षण गांधीजी की महत्वपूर्ण कृति हिंद स्वराज पर विचार-विमर्श भी रहा।

'समकालीन समय में गांधी को समझना' विषय पर संवाद आयोजित

15 फरवरी, 2025

20 देशों से आए प्रतिभागी गांधी दर्शन, राजघाट के भ्रमण के दौरान समूह चित्र के लिए सम्मिलित हुए।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 15 फरवरी, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में 20 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के साथ 'समकालीन समय में गांधी को समझना' विषय पर एक संवाद का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने की। यह प्रतिनिधिमंडल भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रणाली एवं लेखा परीक्षा केंद्र तथा अल्बानिया, ब्राज़ील, बांग्लादेश, भूटान, चिली, कोस्टा रिका, क्रोएशिया, मिस्र, इरिट्रिया, फिजी, जॉर्जिया, गुयाना, भारत, मॉरीशस, मोरक्को, नेपाल, रूस, समोआ, सिएरा लियोन, दक्षिण अफ्रीका और वियतनाम के सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहा था।

निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने प्रतिभागियों के साथ सेवा, सत्य और अहिंसा के गांधीवादी सिद्धांतों को साझा किया। समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने वैश्विक शांति के लिए संवाद और मेल-मिलाप की पद्धतियों पर विशेष बल दिया। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने सहानुभूतिपूर्ण समझ और न्याय के मूल तत्वों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, वहीं अनुसंधान अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय ने महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित ट्रस्टीशिप (न्यासिता) के सिद्धांत को रेखांकित किया।

इससे पूर्व प्रतिनिधिमंडल ने गांधी दर्शन संग्रहालय "माय लाइफ इज़ माई मैसेज" का भी अवलोकन किया। प्रतिनिधियों को महात्मा गांधी की लिखित पुस्तक "ट्रुथ इज़ गॉड" की एक प्रति भेंट स्वरूप प्रदान की गई।

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण दल का भ्रमण
15 मार्च, 2025

25 देशों से आए प्रतिभागी गांधी दर्शन, राजघाट के भ्रमण तथा संवादात्मक सत्र में सहभागिता करते हुए।

CISA के 163वें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अर्जेंटीना, बांग्लादेश, भूटान, चिली, कोलंबिया, इक्वाडोर, घाना, भारत, माली, मोरक्को, पराग्वे, साओ टोमे गणराज्य, वेनेज़ुएला आदि देशों के 25 सदस्यीय दल ने गांधी दर्शन का भ्रमण किया और म्यूज़ियम की गाइडेड टूर ली। प्रतिनिधिमंडल को गांधीजी का "रचनात्मक कार्यक्रम (Constructive Programme)" भेंट किया गया।

डॉ. वेदाभ्यास कुंडु और डॉ. सौरव कुमार राय के साथ संवाद में प्रतिभागियों ने समनुभूति, करुणा, नेतृत्व और विश्वास-निर्माण के मूल्यों पर बल दिया। डॉ. राय ने गांधीजी की निधि-पारदर्शिता का उदाहरण देते हुए ईमानदारी और आंतरिक लेखा-परीक्षण की संस्कृति पर बात की। डॉ. कुंडु ने घाना, कोलंबिया और अर्जेंटीना जैसे देशों के संदर्भ में आत्मनिर्भरता और शांति-पहल के गांधीवादी मार्ग का उल्लेख किया।

पुर्तगाल दूतावास से गांधी-समर्पित स्मारक डाक-टिकट प्राप्त
16 मार्च, 2025

भारत में पुर्तगाल के राजदूत श्री जोआँ रिबेरियो दे आल्मेडा ने 16 मार्च 2025 को गांधी स्मृति का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पुर्तगाल सरकार द्वारा जारी गांधी-समर्पित स्मारक डाक-टिकट (प्रथम संस्करण) समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल को भेंट किए।

भारत में पुर्तगाल के राजदूत महामहिम श्री जोआओ रिबेरियो डी अल्मेडा महात्मा गांधी पर आधारित स्मारक डाक टिकट माननीय श्री विजय गोयल, उपाध्यक्ष, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति को भेंट करते हुए।

विविध कार्यक्रम

* गांधी दर्शन में वृक्षारोपण।
* 12-दिवसीय हुनर महोत्सव में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन।
* योगाचार्य शैलेन्द्र द्वारा योग प्रशिक्षण।
* कार्यक्रम समिति की 13वीं बैठक आयोजित।
* समिति की 59वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित।
* अग्नि सुरक्षा पर प्रशिक्षण आयोजित।
* वित्त समिति की 23वीं बैठक आयोजित।
* रचनात्मक वातावरण के लिए संगीत के माध्यम से शिक्षण कार्यक्रम।
* उपाध्यक्ष ने गांधी स्मृति में बैठक की अध्यक्षता की।
* सिविक सेंटर में आयोजित गांधी जयंती मेले में समिति ने लिया भाग।
* सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित।
* गांधी स्मृति एवं गांधी दर्शन में दीपोत्सव मनाया गया।
* पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया छठ पर्व।
* गांधी दर्शन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ बैठक।
* गांधी दर्शन में स्वच्छता अभियान चलाया गया।
* समाज में रंगमंच और कविता की भूमिका पर संवाद।
* "सत्याग्रह गाथा" वृत्तचित्र का प्रदर्शन।
* गांधी दर्शन, राजघाट में स्लम प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत।
* लोहड़ी और मकर संक्रांति उत्सव मनाया गया।
* दो कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर समिति ने विदाई दी।
* गांधी स्मृति में स्वच्छता अभियान चलाया गया।
* गांधी दर्शन और गांधी स्मृति में होली उत्सव मनाया गया।

गांधी दर्शन में वृक्षारोपण

2 अप्रैल, 2024

प्रकृति धरती का अनमोल आभूषण है और वृक्ष उसके रत्न समान हैं। प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने तथा हमारे आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से 2 अप्रैल, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद के नेतृत्व में गांधी दर्शन परिसर, राजघाट में वृक्षारोपण समारोह आयोजित किया गया। गांधी दर्शन के समस्त कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक इस पहल में भाग लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने भी इस अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

12 दिवसीय हुनर महोत्सव का शुभारंभ : भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भव्य प्रदर्शन

28 मार्च – 8 अप्रैल, 2024

जिमखाना ग्राउंड में 25 से अधिक राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आए 350 से अधिक शिल्पकार और कारीगर 'हुनर महोत्सव' में एकत्र हुए। 28 मार्च से 8 अप्रैल तक आयोजित इस महोत्सव में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अद्भुत झलक प्रस्तुत की जा रही है। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल सहित अनेक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए कारीगर अपने उत्कृष्ट हस्तनिर्मित उत्पादों के साथ उपस्थित हुए हैं।

हैदराबाद में आयोजित हुनर महोत्सव की एक झलक, जिसमें 25 से अधिक राज्यों के कारीगरों और शिल्पकारों ने भाग लेकर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया।

महोत्सव में दर्शकों को पारंपरिक और स्वदेशी हस्तशिल्प का भव्य प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। इनमें एप्लीक कार्य, सूखे फूलों की कलाकृतियाँ, जूट-केन उत्पाद, पीतल की वस्तुएँ, लकड़ी एवं मिट्टी के खिलौने, अजरख ब्लॉक प्रिंट, ब्लू पॉटरी, पश्मीना शॉल, खादी उत्पाद, बनारसी रेशम, लकड़ी का फर्नीचर, चिकनकारी कढ़ाई, चंदेरी सिल्क, लाख की चूड़ियाँ, राजस्थानी आभूषण, फुलकारी, चमड़े के उत्पाद, मिट्टी के बर्तन, जूट उत्पाद आदि शामिल हैं। प्रत्येक कलाकृति अपने भीतर परंपरा, कौशल और सांस्कृतिक धरोहर की एक जीवंत कहानी समेटे हुए है।

समग्र स्वास्थ्य के लिए योग अनिवार्य : योगाचार्य शैलेंद्र

27 अप्रैल, 2024

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के योगाचार्य शैलेन्द्र कुमार गिरी गांधी दर्शन, राजघाट में योग सत्र का संचालन करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

27 अप्रैल, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा गांधी दर्शन, राजघाट में योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के योगाचार्य शैलेंद्र कुमार गिरी ने सभी कर्मचारियों को योगाभ्यास कराया।कार्यक्रम के दौरान समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने योगाचार्य शैलेंद्र कुमार गिरी एवं वैद्य पी. कुमार को बधाई देते हुए उन्हें अंगवस्त्रम और चरखा भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में डॉ. ज्वाला प्रसाद ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा वह बौद्धिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होता है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि संतुलित और सजग जीवन की आधारशिला है।

कार्यक्रम समिति की 13वीं बैठक आयोजित

1 जून, 2024

श्री विजय गोयल, गांधी स्मृति में 13वीं कार्यक्रम समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की कार्यक्रम समिति की 13वीं बैठक 1 जून, 2024 को गांधी स्मृति में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने की। बैठक में श्री राजकुमार शर्मा, श्री प्रदीप गांधी, डॉ. ज्योति अरोड़ा, श्री सतपाल भाटिया, समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू सहित अन्य विशिष्ट सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में समिति की विभिन्न गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया।

समिति की 59वीं कार्यकारी समिति बैठक आयोजित

6 जून, 2024

श्री विजय गोयल, माननीय उपाध्यक्ष, जीएसडीएस गांधी स्मृति में कार्यकारिणी सदस्यों के साथ समिति की 59वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की 59वीं कार्यकारी समिति बैठक 6 जून, 2024 को गांधी स्मृति में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय उपाध्यक्ष एवं कार्यकारी समिति के अध्यक्ष श्री विजय गोयल ने की। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव एवं जीएसडीएस की सदस्य सचिव श्रीमती अमिता सरभाई, सदस्य श्री महेश चंद शर्मा तथा श्री बनवारी उपस्थित रहे। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों का परिचय प्रस्तुत किया तथा आगामी प्रस्तावित परियोजनाओं की रूपरेखा भी साझा की। बैठक में विभिन्न एजेंडों पर विस्तृत चर्चा की गई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित

24 जून, 2024

अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, श्री संजीत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी, अग्निशामक यंत्र के संचालन का लाइव प्रदर्शन करते हुए।

24 जून, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट परिसर में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार द्वारा व्यापक 'अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों एवं आगंतुकों में अग्नि सुरक्षा संबंधी जागरूकता और आपात स्थितियों के प्रति तत्परता बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरुआत में श्री संजीत कुमार ने सार्वजनिक स्थलों, जैसे गांधी दर्शन एवं गांधी स्मृति में अग्नि सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में आगंतुक आते हैं, अनेक कार्यालय संचालित होते हैं, विद्युत पैनल स्थापित हैं तथा आवासीय परिसर भी स्थित है। ऐसे में किसी भी अग्नि आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है, ताकि जनहानि एवं संपत्ति की क्षति को न्यूनतम किया जा सके।

प्रशासनिक अधिकारी, श्री संजीत कुमार, गांधी दर्शन में अग्नि सुरक्षा पर प्रशिक्षण सत्र संचालित करते हुए।

प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों, उनके उपयोग तथा उपयुक्त परिस्थितियों में उनके प्रयोग की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अग्निशामक यंत्र के प्रभावी संचालन हेतु प्रचलित PASS तकनीक (Pull, Aim, Squeeze, Sweep) की क्रमबद्ध व्याख्या की। साथ ही, अग्नि सुरक्षा उपकरणों के नियमित रखरखाव एवं निरीक्षण की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री संजीत कुमार द्वारा अग्निशामक यंत्र के सही उपयोग का प्रत्यक्ष प्रदर्शन रहा। उन्होंने यंत्र को सुरक्षित ढंग से संभालने और संचालित करने की विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। अंत में अग्नि सुरक्षा के महत्व को पुनः रेखांकित करते हुए दैनिक कार्यप्रणाली में सीखी गई सावधानियों को अपनाने का संकल्प लिया गया।

वित्त समिति की 23वीं बैठक आयोजित
5 जुलाई, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की वित्त समिति की 23वीं बैठक 5 जुलाई, 2024 को गांधी स्मृति में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव एवं जीएसडीएस की सदस्य सचिव श्रीमती अमिता सरभाई ने की। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के समेकित वित्त प्रभाग (आईएफडी) के निदेशक श्री हरीश कुमार भी उपस्थित रहे। निदेशक जीएसडीएस डॉ. ज्वाला प्रसाद ने बैठक में एजेंडा प्रस्तुत करते हुए विभिन्न वित्तीय विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में संबंधित वित्तीय प्रस्तावों एवं मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

'लर्निंग थ्रू म्यूज़िक' संवाद में संगीत के लिए समावेशी स्थान सृजन की आवश्यकता पर बल
23 अगस्त, 2024

गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित संवाद के दौरान श्री संजीत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी, 'विकसित भारत' के संवर्धन में संगीत और विरासत की शक्ति पर अपने विचार साझा करते हुए, जहाँ विशिष्ट पैनलिस्ट गंभीरता से सुनते हुए दिखाई दे रहे हैं।

23 अगस्त, 2024 को सत्याग्रह मंडप, गांधी दर्शन, राजघाट में "लर्निंग थ्रू म्यूज़िक फेलोशिप" कार्यक्रम का उद्घाटन गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार तथा मंज़िल की सह-संस्थापक श्रीमती इंदिरा गुलाटी ने संयुक्त रूप से किया। यह कार्यक्रम 'म्यूज़िक फॉर पीस' की भावना के साथ मंज़िल मिस्टिक्स एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभाशाली संगीत साधकों की प्रेरक संगीत यात्राओं का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में श्री विवेक रैना (एमडी, बिलीव), सुश्री अनुजा क्षत्रिया (सीएसआर प्रबंधक), सुश्री दीपाश्री खन्ना (डायरेक्टर पीपल), शिक्षा निदेशालय (डीओई) से श्री बी. पी. पांडेय, सूफी गायिका सुश्री रागिनी रैनू तथा 'चार यार' बैंड के प्रसिद्ध गिटारवादक श्री दीपक कास्टेलिनो सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

(ऊपर): बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहीं। (नीचे): श्री संजीत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी, जीएसडीएस श्रीमती इंदिरा गुलाटी के साथ प्रतिभागियों के साथ समूह छायाचित्र में सम्मिलित होते हुए।

इस अवसर पर श्री संजीत कुमार ने फेलोज़ को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। दिल्ली काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहायक निदेशक श्री संजय कुमार मिश्रा भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर "क्रिएटिंग इनक्लूसिव स्पेस फॉर म्यूज़िक" विषय पर एक विचार-विमर्श सत्र भी आयोजित किया गया। अपने विचार साझा करते हुए श्री संजीत कुमार ने बच्चों में नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु मंज़िल मिस्टिक्स द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए सरकार की विभिन्न पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने संगीत के महत्व को 'विकसित भारत' की व्यापक परिकल्पना से जोड़ते हुए कहा कि संगीत केवल कला नहीं, बल्कि स्वास्थ्य एवं मानसिक संतुलन से भी गहराई से जुड़ा है, जो एक सशक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहायक है। श्री संजीत कुमार ने चरित्र निर्माण की प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की सराहना करते हुए उनकी सुरक्षा और समग्र कल्याण की आवश्यकता पर बल दिया।

गांधी स्मृति में उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में बैठक
4 सितंबर, 2024

श्री विजय गोयल, माननीय उपाध्यक्ष,गांधी स्मृति में एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, जहाँ एक प्रतिभागी प्रस्तुति देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने 4 सितंबर, 2024 को गांधी स्मृति में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य गांधी दर्शन, राजघाट में प्रस्तावित डाक टिकट संग्रहालय के संबंध में विचार-विमर्श करना था। प्रस्तावित संग्रहालय में विश्व के विभिन्न देशों द्वारा महात्मा गांधी को समर्पित डाक टिकट, सिक्के, लिफाफे तथा अन्य स्मृति-चिन्ह प्रदर्शित किए जाने की योजना है। इस अवसर पर समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद तथा प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी उपस्थित रहे।

गांधी जयंती मेले में समिति की सहभागिता
30 सितंबर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 30 सितंबर, 2024 को नगर निगम दिल्ली के सिविक सेंटर स्थित कार्यालय में आयोजित 'गांधी जयंती मेला' में भाग लिया। इस अवसर पर समिति द्वारा महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित एक प्रदर्शनी लगाई गई। इसके साथ ही खादी उत्पादों, गांधीवादी साहित्य तथा स्मृति-चिन्हों का स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहा। इस मेले में समिति का प्रतिनिधित्व सुश्री संगीता और श्री नरेंद्र ने किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित
28 अक्टूबर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति में 28 अक्टूबर, 2024 को "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" (28 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2024) के अंतर्गत गांधी दर्शन, राजघाट में एक ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का नेतृत्व समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने किया। सत्र में कर्मचारियों को अचल संपत्ति विवरणी समय पर प्रस्तुत करने की आवश्यकता, सतर्कता स्वीकृति से संबंधित दिशा-निर्देश तथा संवेदनशील पदों के परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई।

श्री संजीत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी, जीएसडीएस गांधी दर्शन में कर्मचारियों के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत एक सत्र का संचालन करते हुए।

श्री संजीत कुमार ने सरकारी कर्मचारियों हेतु भारतीय आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, सामान्य अनुशासन के महत्व को रेखांकित करते हुए केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार शिकायतों के प्रभावी निस्तारण की प्रक्रिया पर भी विस्तार से चर्चा की।

हर्षोल्लास से मनाया गया दीपोत्सव
30 अक्टूबर, 2024

30 अक्टूबर, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के दोनों परिसरों—गांधी स्मृति और गांधी दर्शन में दीपों से भव्य सजावट की गई। निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने सभी सहकर्मियों के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित किए और पारंपरिक उल्लास के साथ दीपोत्सव मनाया। इस अवसर पर दीपों से सुसज्जित 'शुभ दीपावली' का मनोहारी संदेश विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी गांधी स्मृति में उपस्थित

रहे। इस दौरान शहीद स्तंभ पर भी दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया छठ महापर्व

7–8 नवंबर, 2024

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 7–8 नवंबर, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट परिसर में पवित्र छठ महापर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने समस्त कर्मचारियों के साथ मिलकर सूर्य देव की आराधना की।

8 नवंबर, 2024 को छठ महापर्व के अंतिम दिन 'सूर्योदय अर्घ्य' के अवसर पर डॉ. ज्वाला प्रसाद ने अपने परिवार सहित विधिवत पूजा-अर्चना की। उदित होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हुए उन्होंने समस्त जन-कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की।

गांधी दर्शन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित

16 नवंबर, 2024

16 नवंबर, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति (जीएसडीएस) के पेंशनभोगियों के साथ गांधी दर्शन, राजघाट में एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर पेंशनरों ने 2 अक्टूबर, 2024 को लंदन के ऑक्सफोर्ड में प्रतिष्ठित 'महात्मा गांधी लीडरशिप अवॉर्ड' प्राप्त करने पर जीएसडीएस के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद को सम्मानित किया। डॉ. ज्वाला प्रसाद ने इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित भी किया।

जीएसडीएस के सेवानिवृत्त कर्मचारी श्री हरि सिंह बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए, जबकि निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद उपस्थित हैं।

प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने समिति के पूर्व कर्मचारियों के साथ निरंतर संवाद और जुड़ाव की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। बैठक के दौरान पेंशनरों ने अपने कार्यकाल की स्मृतियाँ साझा कीं, बहुमूल्य अनुभवों को याद किया तथा संस्था के उद्देश्यों के प्रति अपना सतत समर्थन व्यक्त किया।

गांधी दर्शन परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित

29 नवंबर, 2024

29 नवंबर, 2024 को गांधी दर्शन परिसर, राजघाट के विभिन्न स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने किया। समिति के सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए परिसर की साफ-सफाई की तथा स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

समाज में रंगमंच और कविता की भूमिका पर संवाद

29 नवंबर, 2024

गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित संवाद में श्री अमरेन्द्र शर्मा, श्री मनोज सिंह भावुक, प्रो. मुन्ना कुमार पांडेय एवं अन्य, डॉ. ज्वाला प्रसाद और श्री संजीत कुमार के साथ विचार-विमर्श में सम्मिलित होते हुए।

29 नवंबर, 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों का आगमन हुआ। प्रतिनिधिमंडल में रोमांटिक ड्रामा 'रसप्रिया' के अभिनेता श्री अमरेंद्र शर्मा, प्रख्यात गीतकार श्री मनोज सिंह भावुक, कला समीक्षक प्रोफेसर मुन्ना कुमार पांडेय तथा मीडिया स्कैन के संस्थापक श्री आशीष कुमार अंशु शामिल थे। उनके साथ स्वस्थ भारत के अध्यक्ष श्री आशुतोष कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सुश्री मनोरमा सिंह, सुप्रसिद्ध गायिका सुश्री नूतन कुमारी तथा वरिष्ठ पत्रकार श्री चंद्रकांत शर्मा भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रतिभागियों के साथ समाज में रंगमंच और कविता की भूमिका पर सार्थक संवाद किया। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने गांधी दर्शन संग्रहालय का अवलोकन भी किया।

गांधी दर्शन, राजघाट में 'सत्याग्रह गाथा' वृत्तचित्र का विशेष प्रदर्शन

12 दिसंबर, 2024

श्री संजीत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित संवाद सत्र के दौरान एक पैनलिस्ट को समिति का प्रकाशन "अंतिम जन" भेंट करते हुए।

12 दिसंबर, 2024 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा गांधी दर्शन, राजघाट में वृत्तचित्र 'सत्याग्रह गाथा' का विशेष प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस अवसर पर 'सत्याग्रह गाथा' के निर्देशक श्री डी. के. आज़ाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार तथा अन्य गणमान्य अतिथि, जिनमें श्री रमण गुप्ता और श्री संजय शामिल थे, कार्यक्रम में उपस्थित रहे। यह आयोजन महात्मा गांधी के सत्याग्रह के सिद्धांतों और उनके ऐतिहासिक महत्व को पुनर्स्मरण करने का एक सार्थक प्रयास रहा।

गांधी दर्शन, राजघाट में स्लम प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

9 जनवरी, 2025

इंद्रप्रस्थ के समीपवर्ती झुग्गी क्षेत्र के बच्चे गांधी दर्शन, राजघाट में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए दिखाई दे रहे हैं।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के दिल्ली के झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में संचालित आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत समिति के सृजन केंद्र द्वारा तीन माह का सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रगति मैदान के निकट स्थित रेनी वेल और यमुना खादर क्षेत्र की किशोरियों एवं युवतियों के लिए आरंभ किया गया है। यह प्रशिक्षण गांधी दर्शन, राजघाट परिसर में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 13 से 15 बालिकाएँ सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। इस पहल का उद्देश्य युवतियों को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना और उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करना है।

गांधी दर्शन, राजघाट में लोहड़ी एवं मकर संक्रांति का उत्सव

14 जनवरी, 2025

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने गांधी दर्शन, राजघाट में कर्मचारियों के साथ लोहड़ी एवं मकर संक्रांति का उत्सव उल्लासपूर्वक मनाया। इस अवसर पर पतंगबाजी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसने पूरे परिसर में उत्सवी वातावरण को और भी जीवंत बना दिया। समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू तथा अन्य कर्मचारी भी उत्सव में शामिल हुए और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व का आनंद लिया। उत्सव के माध्यम से आपसी सद्भाव, सहयोग और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया गया।

समिति में दो कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर विदाई
31 जनवरी, 2025

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के दो समर्पित सहयोगी—लेखा विभाग के श्री मेघराज तथा वाहन चालक श्री नारायण सामल 31 जनवरी, 2025 को सेवानिवृत्त हुए। दोनों ने अपने समर्पण, परिश्रम और उत्कृष्ट कार्यशैली से संस्था को बहुमूल्य योगदान दिया। इस अवसर पर समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने उन्हें सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति विदाई दी। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अन्य कर्मचारियों ने भी श्री मेघराज और श्री नारायण सामल के साथ अपने कार्यकाल की स्मृतियाँ साझा कीं और उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार, गांधी दर्शन में आयोजित श्री नारायण सामल एवं श्री मेघराज के विदाई समारोह में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए।

गांधी स्मृति में स्वच्छता अभियान आयोजित
15 फरवरी, 2025

15 फरवरी, 2025 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा गांधी स्मृति परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में समिति के कर्मचारियों, स्वयंसेवी मार्गदर्शकों तथा अन्य सहयोगियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी ने मिलकर परिसर की साफ-सफाई की और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

गांधी दर्शन एवं गांधी स्मृति में हर्षोल्लास के साथ होली उत्सव
13 मार्च, 2025

13 मार्च, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने होली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आनंद, सौहार्द और हिंदी नववर्ष के आगमन का प्रतीक है, जो नए आरंभ का संदेश देता है। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री कुमार ने इस बात पर बल दिया कि कोई भी संस्था व्यक्ति से बड़ी होती है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं का अपना एक व्यापक स्वरूप और दायरा होता है, और समिति को आगे बढ़ाने की सामूहिक जिम्मेदारी सभी की है। संस्था की प्रगति और प्रभाव को सुनिश्चित करने में प्रत्येक सदस्य की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।इस अवसर पर मंच पर उनके साथ डॉ. वेदाभ्यास कुंडू (कार्यक्रम अधिकारी,), डॉ. सौरव कुमार राय (शोध अधिकारी) तथा डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली (शोध सहयोगी) भी उपस्थित रहे। गांधी स्मृति में स्वयंसेवी मार्गदर्शकों ने भी उत्साह और उमंग के साथ होली उत्सव में सहभागिता की, जिससे दोनों परिसरों में उत्सवी वातावरण बना रहा।

पुस्तकालय,प्रलेखन, प्रकाशन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उद्देश्य के अनुरूप महात्मा गांधी के विचार, जीवन और कार्यों से संबंधित पुस्तकों, फ़ोटो, फ़िल्मों और दस्तावेज़ों का संग्रह, संरक्षण और अध्ययन सुनिश्चित करने हेतु एक सुव्यवस्थित पुस्तकालय एवं प्रलेखन केंद्र संचालित है। पुस्तकालय में लगभग 10,650 पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है, जिनमें गांधीजी के जीवन और विचारों के साथ-साथ कला, संस्कृति, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति, धर्म, पुरातत्व आदि विषयों की पुस्तकें शामिल हैं। साथ ही, विश्व एटलस, विश्वकोश और शब्दकोशों जैसी संदर्भ पुस्तकों का भी संग्रह है। बच्चों के लिए विशेष अनुभाग बनाया गया है, जहाँ गांधीजी से संबंधित बालसाहित्य उपलब्ध है।

पुस्तकालय में नियमित रूप से पत्रिकाएँ और जर्नल्स की सदस्यता ली जाती है, जिससे शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और गांधी अध्ययन में रुचि रखने वाले पाठकों की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। वर्ष के दौरान नई पुस्तकों का समावेश भी किया गया।

समिति द्वारा नियमित रूप से मासिक पत्रिका अंतिम जन का भी प्रकाशन किया जाता है।

प्रकाशन

गांधी स्मृति एवं गांधी दर्शन में आगंतुक

* श्रीमती शेरिल लिन गार्विन | यूनाइटेड स्टेट्स नेवल वॉर कॉलेज | रियर एडमिरल एवं अध्यक्ष, यूएसएनडब्ल्यूसी की पत्नी
* श्रीमती बेली पैज सेडलैक | यूनाइटेड स्टेट्स नेवल वॉर कॉलेज | अध्यक्ष की सहायक (पत्नी)
* सुश्री मारिसा गेरार्ड्स | भारत में नीदरलैंड्स दूतावास | राजदूत
* श्री पियरिक फिलोन-आशीदा | भारत में यूरोपीय संघ का प्रतिनिधिमंडल | प्रथम काउंसलर एवं सेक्शन प्रमुख
* श्री कोन्स्टैन्टिनोस ज़ैंथोपोलोस | भारत में थाईलैंड दूतावास | राजदूत के पति
* सुश्री नतालिया रोयो | पनामा / यूनाइटेड किंगडम | राजदूत
* डॉ. हसन अब्बासी | संयुक्त गणराज्य तंज़ानिया | स्थायी सचिव
* महामहिम एवागोरास व्रियोनिडीस | साइप्रस गणराज्य | उच्चायुक्त
* श्री जुआन कार्लोस रोजास अरांगो | भारत में कोलंबिया दूतावास | मंत्री काउंसलर
* महामहिम ओमर लिसांद्रो कास्टानेडा सोलारेस | ग्वाटेमाला | राजदूत
* महामहिम विक्टर एचेवेरी | कोलंबिया | राजदूत
* सुश्री डायना मोंडिनो | अर्जेंटीना | विदेश मंत्री
* श्री पॉल जे. फोस्टर | ग्लोबल ई-स्पोर्ट्स फेडरेशन | मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO)
* पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा | भारत | कवि एवं लेखक
* सुश्री मार्था एलिज़ाबेथ पोलाक | आईबीएम, अमेरिका | कंप्यूटर वैज्ञानिक / बोर्ड सदस्य
* सरदार मलकीत सिंह | ब्रिटेन | प्रसिद्ध गायक
* डॉ. बी. आर. मणि | राष्ट्रीय संग्रहालय, भारत | महानिदेशक
* सुश्री शोभना भरतिया | हिंदुस्तान टाइम्स समूह | अध्यक्ष
* डॉ. स्वेन हाल्डोर्न | जर्मनी | महानिदेशक, संघीय मंत्रालय
* धर्माचार्य शान्तम सेठ | भारत | बौद्ध विद्वान एवं शांति साधक
* महामहिम एलोइस बिज़िंदावयी | बुरुंडी | राजदूत
* डॉ. स्जाउक्ये हाइमोवारा | वागेनिंगेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स | अध्यक्ष
* श्रीमती गुरप्रीत कौर प्रकाश | जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल | प्रधानाचार्या
* महामहिम जॉर्ज गेरापेत्रिटिस | ग्रीस | विदेश मंत्री
* सुश्री रेवती | भारत | अभिनेत्री एवं निर्देशक
* महामहिम मार्कोस पेरेस्त्रेला | पुर्तगाल | संसद के उपाध्यक्ष

श्री राजेन्द्र सिंह राणा, पूर्व क्यूरेटर और श्री बलवान सिंह, क्यूरेटर-कम-आर्टिस्ट, श्रीकृष्ण संग्रहालय, कुरुक्षेत्र ने 4 अप्रैल 2024 को गांधी स्मृति का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्हें मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया। उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री राजेन्द्र सिंह राणा एवं श्री बलवान सिंह गांधी स्मृति स्थित मिनीफिगर्स (डॉल्स म्यूज़ियम) का अवलोकन करते हुए

भारत यात्रा पर आए संयुक्त राज्य नौसेना युद्ध महाविद्यालय के अधिकारियों की पत्नियों के पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 12 अप्रैल 2024 को गांधी स्मृति का दौरा किया। इस अवसर पर उन्हें गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण कराया गया।

संयुक्त राज्य नौसेना युद्ध महाविद्यालय के अधिकारियों की पत्नियाँ गांधी स्मृति में भ्रमण के दौरान

प्रतिनिधिमंडल में श्रीमती शेरिल लिन गारविन (रियर एडमिरल पीटर ए. गारविन, अध्यक्ष USNWC की पत्नी), श्रीमती मधुलिका वर्मा (एडमिरल निर्मल के. वर्मा, (सेवानिवृत्त) की पत्नी), श्रीमती एमी पार्कर मैंगोल्ड (डॉ. थॉमस एडवर्ड मैंगोल्ड, डीन, इंटरनेशनल प्रोग्राम्स की पत्नी) और श्रीमती बेली पेज सेडलैक (ले. कर्नल कॉल्टन टायलर सेडलैक, एड टू प्रेसिडेंट USNWC की पत्नी) शामिल थीं।

14 सदस्यीय वियतनामी प्रतिनिधिमंडल ने 22 अप्रैल 2024 को गांधी स्मृति का दौरा किया। उन्होंने शहीद स्तंभ और महात्मा गांधी के कक्ष का अवलोकन किया। इस अवसर पर श्री दीपक कुमार ने उन्हें मार्गदर्शित भ्रमण कराया।

वियतनामी प्रतिनिधिमंडल गांधी स्मृति में शहीद स्तंभ के समक्ष।

24 अप्रैल 2024 को ज़ाम्बिया गणराज्य के उच्चायोग की प्रथम सचिव (राजनीतिक) सुश्री ओलिविया न्याचियू ने गांधी स्मृति का दौरा किया। उनके साथ तृतीय सचिव (पी.एस. टू हाई कमिश्नर) सुश्री मैरी नान्यांगे और सुश्री अंजु वाधेरा भी उपस्थित थीं।

सुश्री ओलिविया न्याचियु गांधी स्मृति में महात्मा गांधी के प्रिय भजन "वैष्णव जन तो" की डिजिटल प्रस्तुति का अवलोकन करते हुए, जिसे एक ज़ाम्बियाई कलाकार द्वारा गाया गया है।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, वाराणसी केंद्र के निदेशक श्री प्रवीण गुंजन ने 25 अप्रैल 2024 को गांधी दर्शन का दौरा किया। इस अवसर पर गांधी स्मृति एवम् दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने उनका स्वागत किया और समिति की मासिक पत्रिका 'अंतिम जन' भेंट की।

25 अप्रैल 2024 को लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीनिवासन एस अपने परिवार सहित गांधी स्मृति आए। इस अवसर पर श्री कृष्णन ने उन्हें संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण कराया। बच्चों ने गांधी क्विज़ में भी भाग लिया।

कर्नल श्रीनिवासन एस, गांधी स्मृति के प्रवेश द्वार पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष।

7 मई 2024 को थाईलैंड के रॉयल थाई एंबेसी, नई दिल्ली से मंत्री (काउंसलर) सुश्री मार्सी कुनावटाना और सुश्री दुआंगकामोन ने गांधी स्मृति का दौरा किया। इस अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय और कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक ने उनका स्वागत किया और उन्हें संग्रहालय का भ्रमण कराया।

रॉयल थाई दूतावास से सुश्री मार्सी कुन्नावत्तना गांधी स्मृति में शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

9 मई 2024 को सुश्री सेसिलिया इनिस सिल्बरबर्ग और श्री मार्सेलो बॉफी (हेड ऑफ कॉन्सुलर सेक्शन) ने गांधी स्मृति का दौरा किया।

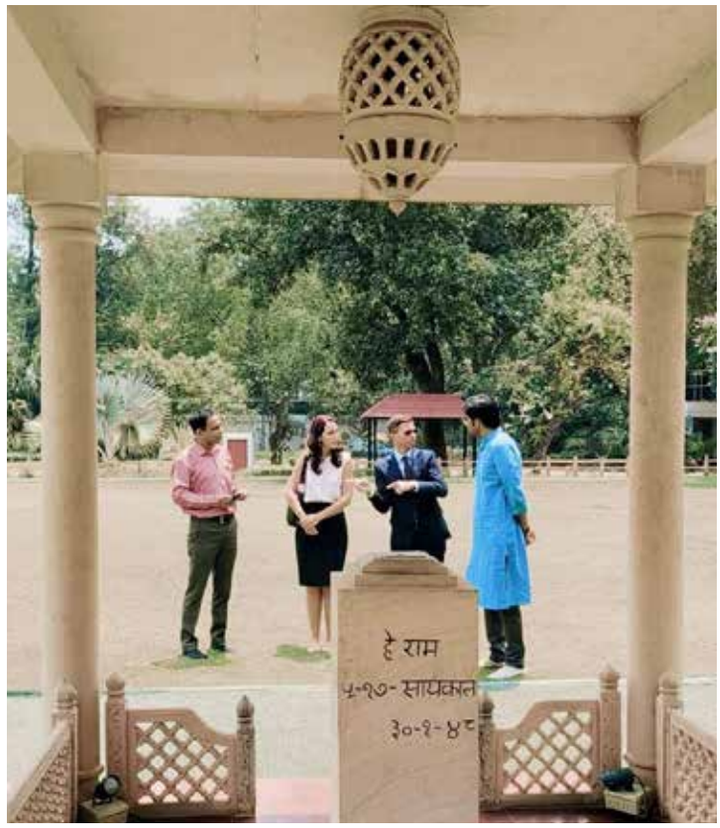

कर्नल श्रीनिवासन एस, गांधी स्मृति के प्रवेश द्वार पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष।

14 मई 2024 को नीदरलैंड के विदेश मंत्रालय की महिला अधिकार एवं लैंगिक समानता टास्कफोर्स की प्रमुख सुश्री कैरेन बर्बेक ने गांधी स्मृति का दौरा किया। उन्होंने शहीद स्तंभ और महात्मा गांधी के कक्ष का अवलोकन किया। इस अवसर पर भारत में नीदरलैंड की राजदूत सुश्री मारिसा गेरार्ड्स भी उपस्थित थीं।

नीदरलैंड्स के विदेश मंत्रालय की महिला अधिकार एवं लैंगिक समानता कार्यबल की प्रमुख सुश्री कैरेन बर्बाख गांधी स्मृति के भ्रमण पर। साथ ही भारत में नीदरलैंड्स की राजदूत सुश्री मारिसा जेरार्ड्स गांधीजी के कक्ष में।

18 मई 2024 को यूरोपीय संघ के भारत स्थित प्रतिनिधिमंडल के प्रथम काउंसलर (अनुसंधान और नवाचार विभाग प्रमुख) श्री पिएरिक फिलोन-अशीदा ने गांधी स्मृति का दौरा किया।

27 मई 2024 को उर्वरक मंत्रालय की आईएएस अधिकारी सुश्री टीना सोनी अपने अन्य अतिथियों सहित गांधी स्मृति संग्रहालय आईं। उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की और संग्रहालय का भ्रमण किया।

सुश्री टीना सोनी, आईएएस, उर्वरक मंत्रालय, गांधी स्मृति के 'इटर्नल गांधी' मल्टी-मीडिया प्रदर्शनी में।

4 जून 2024 को यूनाइटेड किंगडम में पनामा गणराज्य की राजदूत सुश्री नतालिया रोयो ने गांधी स्मृति का दौरा किया। उन्होंने शहीद स्तंभ और महात्मा गांधी के कक्ष का अवलोकन किया। इस अवसर पर श्री राजदीप पाठक ने उन्हें मार्गदर्शन दिया और डॉ. सौरव कुमार राय ने उन्हें चरखा भेंट किया।

महामहिम सुश्री नतालिया रोयो, यूनाइटेड किंगडम में पनामा की राजदूत, शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

6 जून 2024 को भारत में नीदरलैंड दूतावास का 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गांधी स्मृति आया। राजदूत सुश्री मारिसा गेराड्स के नेतृत्व में आए इस दल में नीदरलैंड सरकार के विभिन्न मंत्रालयों – स्वास्थ्य, खेल, संस्कृति, विदेश, रक्षा, पर्यावरण, आर्थिक मामलों और जल मंत्रालय के अधिकारी शामिल थे। उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की और गांधीजी के अंतिम 144 दिनों के निवास कक्ष का अवलोकन किया।

नीदरलैंड्स दूतावास का 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, राजदूत श्रीमती मारिसा जेराड्स (मध्य) के साथ गांधी स्मृति में।

26 जून 2024 को समिति निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद, ने श्री विनीत हांडा, अध्यक्ष स्वदेशी शोध संस्थान का गांधी स्मृति में स्वागत किया। उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की और गांधीजी के कक्ष का अवलोकन किया। इस अवसर पर सार्क संसद प्रेस चेयरमैन डॉ. ओ.पी. यादव भी उपस्थित थे।

श्री विनीत हांडा, अध्यक्ष, स्वदेशी शोध संस्थान एवं डॉ. ओ. पी. यादव, गांधी स्मृति के भ्रमण पर।

27 जून 2024 को 23 सदस्यीय श्रीलंकाई पुलिस अधिकारियों का दल गांधी स्मृति आया। डॉ. सौरव कुमार राय और श्री राजदीप पाठक ने उनका स्वागत किया। उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और संग्रहालय का भ्रमण किया। इस दौरान सुश्री सुमन और सुश्री सरिता ने उन्हें मार्गदर्शित भ्रमण कराया।

श्रीलंका पुलिस के अधिकारी, जिनमें डीआईजी, एसपी एवं अन्य शामिल हैं, गांधी स्मृति में शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

4 जुलाई 2024 को गांधी स्मृति एवम् दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने 'स्वावलंबी भारत अभियान' के राष्ट्रीय संयोजक श्री जितेन्द्र गुप्ता का गांधी स्मृति में अंगवस्त्रम सहित गांधी चरखा और समिति की मासिक पत्रिका 'अंतिम जन' भेंट कर स्वागत किया। बाद में श्री जितेन्द्र गुप्ता ने शहीद स्तंभ और गांधीजी के कक्ष सहित गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण किया।

श्री जितेन्द्र गुप्ता, राष्ट्रीय संयोजक, स्वावलंबी भारत अभियान (आत्मनिर्भर भारत, सशक्त भारत), गांधी स्मृति में

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के 'नो इंडिया प्रोग्राम' (75वां संस्करण) के अंतर्गत नौ विभिन्न देशों से आए 42 युवाओं ने गांधी स्मृति का दौरा किया। उन्होंने शहीद स्तंभ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की, संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण किया और गांधी क्विज़ में भाग लिया। प्रतिभागियों को मासिक पत्रिका 'अंतिम जन' की प्रतियाँ भी प्रदान की गईं।

18 जुलाई 2024 को नई दिल्ली स्थित लगभग 28 दूतावासों/उच्चायोगों के राजदूतों, उच्चायुक्तों और अधिकारियों ने नेल्सन मंडेला की 106वीं जयंती के अवसर पर आयोजित सम्मेलन के अंतर्गत गांधी दर्शन का दौरा किया।

नई दिल्ली स्थित लगभग 28 दूतावासों एवं उच्चायोगों के राजदूत, उच्चायुक्त एवं अधिकारी, गांधी दर्शन, राजघाट के भ्रमण पर

23 जुलाई 2024 को भारत में जापान के दूतावास से शोधकर्ता/सलाहकार सुश्री आकाई रिको और प्रथम सचिव (राजनैतिक) श्री सास्काई केई ने गांधी स्मृति का दौरा किया, जहाँ उन्होंने गांधीजी का कक्ष और शहीद स्तंभ देखा। अगस्त में जापान के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेज़ेंटेटिव्स) के अध्यक्ष की संभावित यात्रा पर चर्चा भी हुई।

भारत स्थित जापान दूतावास से सुश्री अकाई रिको एवं श्री सास्काई केई, गांधी स्मृति संग्रहालय के भ्रमण पर

23 जुलाई 2024 को तंजानिया के प्राकृतिक संसाधन और पर्यटन मंत्रालय के परमानेंट सेक्रेटरी डॉ. हसन अब्बासी ने गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण किया।

26 जुलाई 2024 को भारत में साइप्रस के उच्चायुक्त श्री एवैगोरास व्रियोनाइडिस ने गांधी स्मृति में शहीद स्तंभ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

महामहिम श्री एवागोरस व्रियोनिदेस, भारत में साइप्रस गणराज्य के उच्चायुक्त, गांधी स्मृति संग्रहालय में

29 जुलाई 2024 को समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने रक्षा मंत्रालय, आर्मी बेस, जबलपुर (मध्य प्रदेश) से आए श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह का गांधी स्मृति में स्वागत और संयोजन किया। बाद में सुश्री बरूना मदान, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, भी संग्रहालय के मार्गदर्शित दौरे में सम्मिलित हुईं।

श्री संजीत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी, जीएसडीएस, रक्षा मंत्रालय, आर्मी बेस, जबलपुर (मध्य प्रदेश) से श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह के साथ गांधीजी के कक्ष में

2 अगस्त 2024 को गुरुराय गवर्नमेंट होमियो मेडिकल कॉलेज, गुडिवाडा, आंध्र प्रदेश के डॉ. वीरेभद्र राव वी. 50 भावी होम्योपैथिक चिकित्सकों के साथ गांधी स्मृति आए।

विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित 'नो इंडिया प्रोग्राम' (76वां संस्करण) के अंतर्गत ट्रिनिडाड और टोबैगो, फिजी, गुयाना, सूरीनाम, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस और म्यांमार सहित विभिन्न देशों की भारतीय डायस्पोरा पृष्ठभूमि के 40 युवा 19 अगस्त 2024, सोमवार को गांधी स्मृति आए। उन्हें संग्रहालय का सूचनाप्रद मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया। समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय और कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक ने समूह का स्वागत किया। संग्रहालय गाइड श्री दीपक और श्री हरिंदर भी उपस्थित रहे।

विदेश मंत्रालय के 76वें 'नो इंडिया प्रोग्राम' के अंतर्गत आठ विभिन्न देशों से भारतीय प्रवासी समुदाय के 40 युवा प्रतिभागी गांधी स्मृति के भ्रमण पर।

फादर मुलर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मैंगलुरु (कर्नाटक) के 43 छात्र/छात्राएँ और 3 अध्यापक 21 अगस्त 2024 को गांधी स्मृति आए और संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण किया।

29 अगस्त 2024 को आर्मेनिया की प्रथम उप स्वास्थ्य मंत्री डॉ. लीना नानुश्यान ने गांधी स्मृति का दौरा किया और शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत में आर्मेनिया दूतावास के प्रथम सचिव डॉ. व्लादिमीर पोगोस्यान भी साथ थे। उन्होंने इटरनल गांधी मल्टीमीडिया म्यूज़ियम भी देखा।

आर्मेनिया गणराज्य से डॉ. लीना नानुशयान अन्य आर्मेनियाई प्रतिनिधियों के साथ गांधी स्मृति में

31 अगस्त 2024 को भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री रूपा मिश्रा ने गांधी दर्शन, राजघाट का दौरा किया। समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने उन्हें गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया और भावी सहयोगी कार्यक्रमों पर चर्चा की। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, राजघाट स्थित महात्मा गांधी समाधि के प्रभारी श्री रजनीश कुमार तथा मंत्रालय के निदेशक श्री विनय झा भी उपस्थित रहे।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव सुश्री रूपा मिश्रा को निदेशक जीएसडीएस डॉ. ज्वाला प्रसाद द्वारा गांधी चरखा भेंट कर सम्मानित किया गया

समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने भारत में कोलंबिया दूतावास के मिनिस्टर काउंसलर श्री जुआन कार्लोस रोजास आरांगो का स्वागत करते हुए उन्हें महात्मा गांधी की आत्मकथा भेंट की। उपस्थित प्रथम सचिव सुश्री एंजेलिका को भी गांधीजी की आत्मकथा प्रदान की गई।

कोलंबिया दूतावास के मंत्री परामर्शदाता श्री जुआन कार्लोस रोजास अरांगो को माननीय उपाध्यक्ष, श्री विजय गोयल द्वारा गांधीजी की आत्मकथा भेंट की गई

11 सितम्बर 2024 को सूरीनाम की सशस्त्र सेनाओं के कमांडर कर्नल क्योए ए सेन, वर्नर गांधी स्मृति आए। विंग कमांडर परिनीता और कैप्टन रामदास दिनेशदत भी साथ थे। जीएसडीएस के कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

सूरीनाम के कर्नल कियो ए सेन, जीएसडीएस के शोध अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय के साथ गांधी स्मृति संग्रहालय में

कर्नल होवहन्नेस वारदनयान, वायु सेना प्रमुख, आर्मेनिया गणराज्य, गांधी स्मृति के भ्रमण पर एवं शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

11 सितम्बर 2024 को आर्मेनिया वायुसेना प्रमुख कर्नल होवहानेस वर्दान्यन गांधी स्मृति आए। विंग कमांडर श्री मनोज साथ थे। समिति के शोध अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय और कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक ने स्वागत किया। कर्नल वर्दान्यन ने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की और संग्रहालय का दौरा किया।

एशिया-प्रशांत सिविल एविएशन सम्मेलन (द्वितीय एशिया-प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 2024 का भाग) का एक प्रतिनिधिमंडल 12 सितम्बर 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट आया और संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू और प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने स्वागत एवं संवाद किया।

समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू, द्वितीय एशिया-प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 2024 के अंतर्गत एशिया-प्रशांत नागरिक उड्डयन सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल के साथ गांधी दर्शन, राजघाट में

19 सितम्बर 2024 को भारत में ग्वाटेमाला के राजदूत श्री ओमर लिसांद्रो कास्टानेडा सोलेरेस गांधी स्मृति आए। जीएसडीएस के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने उन्हें अंगवस्त्रम और चरखा भेंट कर स्वागत किया। श्री गोयल ने प्रतिनिधिमंडल के श्री जोसेफ पीटर बेलाविया और प्रो. वॉल्टर एनरिके गुटियारेज़ मोलिना को भी गांधीजी की आत्मकथा भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की, डॉ. सौरव कुमार राय और श्री राजदीप पाठक ने मार्गदर्शित भ्रमण कराया तथा श्री कृष्णन ने मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का अवलोकन करवाया।

ग्वाटेमाला के भारत में राजदूत महामहिम श्री ओमार लिसान्द्रो कास्टानेडा सोलेरेस को माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल द्वारा गांधी चरखा भेंट किया गया

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के 'नो इंडिया प्रोग्राम' (77वां संस्करण) के अंतर्गत विभिन्न देशों से आए 40 युवा शुक्रवार, 20 सितम्बर 2024 को गांधी स्मृति आए।

77वें 'नो इंडिया प्रोग्राम' के अंतर्गत भारतीय प्रवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले 40 युवा प्रतिभागियों ने गांधी स्मृति का भ्रमण किया।

युगांडा और बोत्सवाना के रक्षा मंत्रालयों के निदेशकों और आईटी विशेषज्ञों के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 27 सितम्बर 2024 को गांधी स्मृति आया। उन्होंने गांधी स्मृति संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण किया और शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

युगांडा एवं बोत्सवाना के रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल ने, अपने निदेशकों एवं आईटी विशेषज्ञों के नेतृत्व में, गांधी स्मृति के प्रार्थना स्थल का भ्रमण किया

4 अक्टूबर 2024 को भारत में कोलंबिया के राजदूत. श्री विक्टर इचेवेरी ने गांधी स्मृति में गांधीजी के कक्ष का अवलोकन किया।

8 अक्टूबर 2024 को अर्जेंटीना की विदेश मंत्री सुश्री डायना मॉनडिनो गांधी स्मृति आईं। उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और गांधीजी का कक्ष व संग्रहालय देखा। शोध अधिकारी डॉ. सौरव कुमार राय, कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक और सुश्री सुमन नारंग ने प्रतिनिधिमंडल को मार्गदर्शित भ्रमण कराया। भारत में अर्जेंटीना के राजदूत श्री मारियानो अगस्टिन कौसिनो भी उपस्थित रहे।

अर्जेंटीना की विदेश मंत्री सुश्री डायना मोंडिनो, गांधी स्मृति में चरखे के साथ महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष

15 अक्टूबर 2024 को समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने ग्लोबल ईस्पोर्ट्स फेडरेशन के सीईओ श्री पॉल जे. फोस्टर का गांधी स्मृति में गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया। श्री पॉल ने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और गांधीजी का कक्ष देखा।

माननीय उपाध्यक्ष, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, श्री विजय गोयल द्वारा ग्लोबल ई-स्पोर्ट्स फेडरेशन के सीईओ श्री पॉल जे. फोस्टर को गांधी चरखा भेंट किया गया

16 अक्टूबर 2024 को माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने कोलंबिया के उप विदेश मंत्री श्री जॉर्ज रोजास रोड्रिगेज और भारत

में कोलंबिया के राजदूत श्री विक्टर इचेवेरी का स्वागत कर उन्हें गांधी चरखा और गांधीजी की आत्मकथा भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और संग्रहालय का भ्रमण किया।

माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल द्वारा कोलंबिया के उप विदेश मंत्री श्री जॉर्ज रोजास रोड्रिगेज एवं भारत में कोलंबिया के राजदूत महामहिम श्री विक्टर एचेवेरी का गांधी चरखे से स्वागत

24 अक्टूबर 2024 को जर्मनी के उपचांसलर डॉ. रॉबर्ट हैबेक ने भारत की राजकीय यात्रा के दौरान गांधी स्मृति में शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी। उनके साथ जर्मन संसद के माननीय सदस्य श्री हौबेन, श्री मेट्ज़लर और श्रीमती वर्नर भी उपस्थित थे।

जर्मनी संघीय गणराज्य के उप-चांसलर महामहिम डॉ. रॉबर्ट हाबेक, शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

25 अक्टूबर 2024 को रोमानिया सरकार के शोध, नवाचार एवं डिजिटलीकरण मंत्रालय के राज्य सचिव श्री बोगदान दुमेआ ने गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण किया, शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और गांधीजी के कक्ष का अवलोकन किया। उन्हें मार्गदर्शित दौरा कराया गया।

रोमानिया सरकार के अनुसंधान, नवाचार एवं डिजिटलीकरण मंत्रालय के राज्य सचिव श्री बोगदान डुमेआ, गांधी स्मृति में शहीद स्तंभ के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

25 अक्टूबर 2024 को पद्मश्री श्री सुरेन्द्र शर्मा (कवि, लेखक, हास्यकार) गांधी स्मृति आए और जीएसडीएस के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल से मिले।

25 अक्टूबर 2024 को कम्प्यूटर वैज्ञानिक सुश्री मार्था एलिज़ाबेथ पोलैक तथा श्री केनेथ गॉट्स्चलिक (आईबीएम, यूएसए के वरिष्ठ बोर्ड सदस्य) ने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की। माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने उन्हें गांधीजी की आत्मकथा और चरखा भेंट किए। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी उपस्थित रहे।

माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल द्वारा कंप्यूटर वैज्ञानिक सुश्री मार्था एलिज़ाबेथ पोलैक एवं श्री केनेथ गॉट्सलिख का गांधी स्मृति संग्रहालय में स्वागत

28 अक्टूबर 2024 को माननीय उपाध्यक्ष जीएसडीएस ने राष्ट्रीय संग्रहालय के महानिदेशक डॉ. बी. आर. मणि का गांधी स्मृति में गांधी चरखा और अंगवस्त्रम भेंट कर स्वागत किया।

1 नवम्बर 2024 को माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने राष्ट्रीय संग्रहालय का दौरा किया, जहाँ महानिदेशक डॉ. बी. आर. मणि ने उनका आतिथ्यपूर्वक स्वागत किया। श्री गोयल ने संग्रहालय दीर्घाएँ और पुस्तकालय देखा।

5 नवम्बर 2024 को निदेशक जीएसडीएस डॉ. ज्वाला प्रसाद ने ललित कला अकादमी के उप सचिव डॉ. रहस कुमार मोहंती का गांधी दर्शन, राजघाट में स्वागत कर उन्हें मासिक पत्रिका 'अंतिम जन' भेंट की।

विदेश मंत्रालय के 'नो इंडिया प्रोग्राम' (78वां संस्करण) के अंतर्गत 40 प्रवासी भारतीय युवा 7 नवम्बर 2024 को गांधी स्मृति आए। शोध अधिकारी डॉ. सौरव के. राय ने उनका स्वागत किया और तत्पश्चात संग्रहालय का भ्रमण कराया गया।

13 नवम्बर 2024 को समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने नीदरलैंड के कृषि उप-मंत्री श्री जान कीस गूट का गांधी स्मृति में गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया। भारत में नीदरलैंड की राजदूत श्रीमती मारिसा गेरार्ड्स और सुश्री सारा विसर्स भी उपस्थित रहीं। सभी ने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की और संग्रहालय देखा।

19 नवम्बर 2024 को सुश्री शालिनी देवन (पूर्व संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि—भारत एवं भूटान) तथा श्री शंकर मुखर्जी (दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राजदूत एवं पूर्व महानिदेशक, आईसीसीआर) गांधी स्मृति आए और संग्रहालय देखा।

20 नवम्बर 2024 को गांधी दर्शन, राजघाट में कोरियाई प्रतिनिधिमंडल का स्वागत प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री वोनजू जंग (चेयरमैन, कोरिया हाउसिंग बिल्डर्स एसोसिएशन एवं चेयरमैन, डेवू E&C) ने किया। सरदार हरभजन सिंह {संस्थापक, NRI वेलफेयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (पंजी.)} और सरदार दिलजीत सिंह भी उपस्थित रहे।

सुश्री शालिनी देवान एवं श्री शंकर मुखर्जी, गांधी स्मृति संग्रहालय में महात्मा गांधी कक्ष में

प्रतिनिधिमंडल ने गांधी दर्शन संग्रहालय का दौरा किया और बाद में वरिष्ठ गांधीवादी श्री रजनीश कुमार के साथ राजघाट स्थित महात्मा गांधी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

30 नवम्बर 2024 को माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने श्री अरविन्दर सिंह लवली का गांधी स्मृति में गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया।

2 दिसम्बर 2024 को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्य सरदार सुखविन्दर सिंह बब्बर अन्य प्रतिनिधियों के साथ गांधी स्मृति में माननीय उपाध्यक्ष से मिले और पारंपरिक ढंग से उनका स्वागत किया। विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्य सरदार सुखविंदर सिंह बब्बर द्वारा माननीय उपाध्यक्ष जीएसडीएस श्री विजय गोयल का गांधी स्मृति में सम्मान

6 दिसम्बर 2024 को ताइवान से पहली बार भारत आए 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गांधी स्मृति का दौरा किया और शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

7 दिसम्बर 2024 को माननीय न्यायमूर्ति पंकज मित्तल (न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय) गांधी स्मृति आए। उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी, गांधीजी का कक्ष और संग्रहालय देखा।

13 दिसम्बर 2024 को पुर्तगाल के राज्यमंत्री (विदेश) श्री पाउलो रांजेल गांधी स्मृति आए और शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत में पुर्तगाल के राजदूत श्री जोआओ रिबेरो द अल्मेदा भी साथ थे। उन्होंने संग्रहालय का अवलोकन किया।

15 दिसम्बर 2024 को रवांडा, लीबिया और दक्षिण सूडान के लगभग 40 राजनयिक, जो सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस (SSIFS) में संयुक्त पाठ्यक्रम कर रहे थे, गांधी स्मृति आए। उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और संग्रहालय देखा। आगंतुकों में केंद्रीय अफ्रीका मामलों के अधिकारी, पश्चिमी यूरोप/पूर्वी एवं दक्षिणी यूरोप/दक्षिण एशिया मामलों के अधिकारी, एशिया-प्रशांत-मध्य पूर्व विभाग, विदेश मंत्रालय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अधिकारी, तथा प्रथम/द्वितीय/तृतीय सचिव स्तर के अधिकारी शामिल थे।

एक गरिमामय अवसर पर श्रीलंका के माननीय राष्ट्रपति अनुरा कुमारा डिसानायके ने गांधी दर्शन, राजघाट में 12 फुट ऊँची महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। निदेशक जीएसडीएस डॉ. ज्वाला प्रसाद और प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने उनका स्वागत किया। गांधीजी के विचारों से प्रेरित होकर

राष्ट्रपति ने पर्यावरण संरक्षण और सतत पारिस्थितिकी का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया।

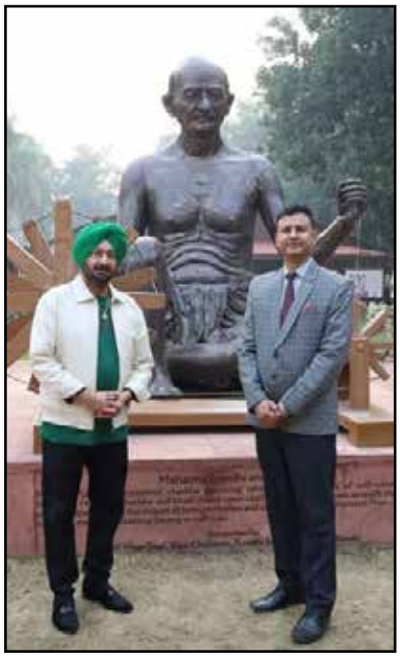

16 दिसम्बर 2024 को प्रसिद्ध पंजाबी गायक सरदार मलकीत सिंह गांधी स्मृति आए। उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और संग्रहालय देखा। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने उन्हें गांधी चरखा और मासिक पत्रिका 'अंतिम जन' भेंट की।

4 जनवरी 2025 को समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने महाराष्ट्र के राज्यपाल माननीय श्री सी. पी. राधाकृष्णन से राजभवन, महाराष्ट्र में शिष्टाचार भेंट की, उन्हें गांधी चरखा भेंट किया और सार्थक संवाद किया।

माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रीति गोयल, महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सी. पी. राधाकृष्णन के साथ राजभवन, मुंबई में

5 जनवरी 2025 को विदेश मंत्रालय के 'नो इंडिया प्रोग्राम' (81वाँ संस्करण) के 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गांधी स्मृति का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में फिजी, फ्रांस, गुयाना, इज़राइल, मलेशिया, मॉरीशस, म्यांमार, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सूरीनाम, तंजानिया और ट्रिनिडाड एवं टोबैगो के प्रतिभागी शामिल थे। उन्हें मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने एचटी मीडिया की चेयरपर्सन एवं संपादकीय निदेशक सुश्री शोभना भरतिया के गांधी स्मृति आगमन पर उन्हें गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया।

7 जनवरी 2025 को मि. वेस्ली विलियम्स (सीनियर रिसर्च डायरेक्टर II, एजुकेशन एवं चाइल्ड डेवलपमेंट, NORC, यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो) ने गांधी स्मृति का दौरा किया और संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण किया।

7 जनवरी 2025 को निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने गांधी दर्शन में आगंतुक गणमान्य व्यक्तियों—श्री राजीव कुमार (निदेशक,

CCRT एवं सचिव, ललित कला अकादमी), श्री अनेश पी. राजन (निदेशक, अकादमी, संस्कृति मंत्रालय) और श्री राजू दास (सचिव,

संगीत नाटक अकादमी)—का स्वागत किया। उन्होंने नव उद्घाटित गांधी दर्शन आर्ट गैलरी का अवलोकन किया और समिति की कला-संस्कृति पहल की सराहना की।

8 जनवरी 2025 को 'गांधी-किंग स्कॉलर्ली एक्सचेंज इनिशिएटिव' के अंतर्गत 28 सदस्यीय छात्र दल गांधी स्मृति संग्रहालय आया और मार्गदर्शित भ्रमण किया गया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रो. लीज़ा मैस्टरसन ने किया। यह पहल भारतीय और अमेरिकी प्रतिभागियों के लिए भारत में दो सप्ताह का अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम है।

'गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव' के अंतर्गत "अंडरस्टैंडिंग गांधी" कार्यक्रम के छात्र गांधी स्मृति संग्रहालय के भ्रमण पर

9 जनवरी 2025 को डॉ. संध्या पुरुचे (अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादमी) और श्रीमती उमा नंदुरी (संयुक्त सचिव, अकादमी, संस्कृति मंत्रालय) ने गांधी दर्शन आर्ट गैलरी का दौरा किया। निदेशक जीएसडीएस डॉ. ज्वाला प्रसाद ने उन्हें गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने 'अंतिम जन' मासिक की प्रतियाँ भी भेंट कीं।

डॉ. संध्या पुरेचा एवं श्रीमती उमा नंदुरी को गांधी दर्शन, राजघाट में श्री संजीत कुमार एवं डॉ. ज्वाला प्रसाद द्वारा सम्मानित किया गया

दुबई के सामाजिक उद्यमी/व्यवसायी श्रीहुज़ैफ़ा अली ने गांधी स्मृति का दौरा कर शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने उन्हें गांधी चरखा स्मृति-चिह्न स्वरूप भेंट किया और संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया।

सामाजिक उद्यमी श्री हुज़ैफा अली द्वारा गांधी स्मृति में शहीद स्तंभ पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की गई

15 जनवरी 2025 को सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस (ICSSR से संबद्ध), अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल का गांधी स्मृति में स्वागत किया गया और संग्रहालय का मार्गदर्शित दौरा कराया गया। इस दल में शामिल थे: सुश्री सिल्वी गैलियर हावर्ड (संस्थापक एवं सीईओ, इक्विटेबल सिटीज़ कंसल्टिंग), श्री एरन रिगिन्स (ओहायो के गवर्नर श्री माइक डिवाइन के कार्यालय में विधायी समन्वयक), श्री बिशारा एडीसन (डायरेक्टर, वर्कफोर्स इनोवेशन), सुश्री खदीजा फेयर (प्रोजेक्ट डायरेक्टर, मॉम्सफ़र्स्ट, क्लीवलैंड डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक हेल्थ) और सुश्री निकोल रुहानी (प्रोग्राम ऑफ़िसर, वर्ल्ड लर्निंग, USA)

22 जनवरी 2025 को इंडोनेशियाई मिलिट्री अकादमी के 189 कैडेट, ब्रिगेडियर जनरल क्रिस्टोमी सियन्तुरी के नेतृत्व में, गांधी स्मृति आए। इन कैडेट्स ने 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया।

ब्रिगेडियर जनरल क्रिस्टोमेई सियानतुरी के नेतृत्व में इंडोनेशियाई सैन्य अकादमी ने गांधी स्मृति का भ्रमण किया

17 जनवरी 2025 को जर्मनी के संघीय डिजिटल एवं परिवहन मंत्रालय (BMDV) में नीति के महानिदेशक डॉ. स्वेन हाल्डोर्न गांधी स्मृति आए और संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल में श्री क्रिश्चियन कोल्हासे (हेड ऑफ यूनिट, फॉरेन ट्रेड), सुश्री टेरेसा वोल्फ मेट्टर्निख (पॉलिसी ऑफिसर, BMDV), श्री अलेक्ज़ैंडर रेक तथा भारत में जर्मन दूतावास से सुश्री नितिका दाधिच (एडवाइज़र, हेड ऑफ सेक्शन—डिजिटल एवं ट्रांसपोर्ट) भी सम्मिलित थे।

रविवार, 19 जनवरी 2025 को धर्माचार्य शांतम सेठ के नेतृत्व में 'बुद्ध और गांधी के पदचिन्हों पर' तीर्थयात्रियों के एक दल ने गांधी स्मृति संग्रहालय का भ्रमण किया, शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी, और ध्यान तथा आत्ममंथन का एक सत्र आयोजित हुआ।

21 जनवरी 2025 को समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने भारत में बुरुंडी के राजदूत श्री एलोइस बिज़िन्दावयी का गांधी स्मृति में गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया। राजदूत की श्रीमती नियोन्गेरे और अतिथि श्री नेस्टर भी साथ थे। प्रतिनिधिमंडल ने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और गांधीजी का कक्ष देखा।

21 जनवरी 2025 को पर्यटन राज्य मंत्री के निजी सचिव श्री नरैन एस. एन. गांधी स्मृति आए। माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने उन्हें गांधी चरखा भेंट किया। श्री नरैन ने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि भी दी।

24 जनवरी 2025 को माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने डॉ. अनिल अग्रवाल, निदेशक, जी.बी. पंत इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एम.ए.एम. कॉलेज), दिल्ली विश्वविद्यालय का गांधी स्मृति में गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया।

25 जनवरी 2025 को वैखेनींगन यूनिवर्सिटी एंड रिसर्च (नीदरलैंड) की कार्यकारी बोर्ड अध्यक्ष डॉ. इर. स्जौक्ये हेइमोवावरा तथा एशिया अकाउंट मैनेजर श्री कल्याण गुन्टुबोयिना (नीदरलैंड दूतावास, भारत) गांधी स्मृति आए और संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण किया।

25 जनवरी 2025 को माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, मोहाली (चंडीगढ़) की प्रिंसिपल श्रीमती गुरप्रीत कौर प्रकाश का गांधी स्मृति में स्वागत किया। उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और संग्रहालय देखा। विद्यालय ने जीएसडीएस के 'टेकिंग गांधी

टू स्कूल' कार्यक्रम से जुड़ने में रुचि व्यक्त की।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ की प्राचार्या सुश्री गुरप्रीत कौर प्रकाश द्वारा माननीय उपाध्यक्ष जीएसडीएस श्री विजय गोयल को गांधी स्मृति में पौधा भेंट किया गया

29 जनवरी 2025 को सांसद (राज्यसभा) श्रीमती मेधा विश्वराम कुलकर्णी गांधी स्मृति आईं। माननीय उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल ने उन्हें गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया।

31 जनवरी 2025 को प्रो. मारीउस्ज़ मिज़्ताल (इतिहासकार एवं भाषाविद, पेडागॉजिकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्राको, पोलैंड) गांधी स्मृति आए, शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी और मार्गदर्शित भ्रमण किया गया।

6 फ़रवरी 2025 को माननीय उपाध्यक्ष जीएसडीएस श्री विजय गोयल ने हेलेनिक गणराज्य (ग्रीस) के विदेश मंत्री. श्री जॉर्ज गेरापेत्रितिस का गांधी स्मृति में स्वागत कर गांधी चरखा भेंट किया।

साथ आए उप-विदेश मंत्री (आर्थिक कूटनीति एवं ओपननेस) श्री तासोस खात्ज़िवासिलियू को गांधीजी की आत्मकथा भेंट की गई। भारत में ग्रीस की राजदूत श्रीमती अलीकी कुत्सोमितोपुलू, मंत्री के निदेशक सुश्री पिनेलोपी त्सिलिका, राजनयिक सलाहकार सुश्री मारिया कोरान्तिस, विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता सुश्री स्पिरीदूला इओआना जोकिउ, विशेष सलाहकार श्री अलेक्ज़ान्द्रोस त्रियाँताफ़िल्लू और सुरक्षा प्रमुख श्री जॉर्ज स्तामातोपोलोस भी उपस्थित थे।

10 फ़रवरी 2025 को भवन निर्माण विभाग के अतिरिक्त सचिव एवं निदेशक, बापू टॉवर (पटना) श्री विनय कुमार का गांधी दर्शन, राजघाट में निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने स्वागत किया। भविष्य के सहयोगी परियोजनाओं पर चर्चा हुई। प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार भी उपस्थित रहे।

गांधी दर्शन, राजघाट में श्री विनय कुमार को डॉ. ज्वाला प्रसाद एवं श्री संजीत कुमार द्वारा 'अंतिम जन' पत्रिका की प्रति भेंट की गई

21 फ़रवरी 2025 को जीएसडीएस के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं निर्देशक सुश्री रेवती का गांधी स्मृति में अंगवस्त्रम और गांधी चरखा भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने संग्रहालय का भ्रमण भी किया।

श्री संजीत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी, प्रख्यात अभिनेत्री एवं फिल्म निर्देशक सुश्री रेवती के साथ गांधी स्मृति संग्रहालय में।

2 मार्च 2025 को नीदरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और स्विट्ज़रलैंड से आए प्रतिनिधिमंडल गांधी स्मृति आए, शहीद स्तंभ तथा संग्रहालय का अवलोकन किया।

2 मार्च 2025 को स्वीडन के सांसद—सुश्री अलेक्ज़ान्द्रा वोल्कर, श्री जोहान बुज़र, सुश्री लोट्टा जॉन्सन फ़ोर्नार्वे और श्री स्टीफ़न ओल्सन गांधी स्मृति आए और उन्हें संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया।

16 मार्च 2025 को पुर्तगाली संसद के उपाध्यक्ष एवं NATO संसदीय सभा के अध्यक्ष श्री मार्कोस पेरेस्ट्रेल्ला तथा उप महासचिव (NATO संसदीय सभा) श्री हेनरिक ब्लिड्डाल गांधी स्मृति आए और शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी। भारत में पुर्तगाल के राजदूत श्री जोआओ रिबेरो द अल्मेदा भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने संग्रहालय और गांधीजी के कक्ष का भ्रमण किया। इस अवसर पर राजदूत श्री जोआओ रिबेरो द अल्मेदा ने पुर्तगाल द्वारा जारी गांधीजी पर स्मारक डाक टिकटों के प्रथम संस्करण जीएसडीएस को प्रस्तावित 'डाक टिकट संग्रहालय' हेतु भेंट किए।

पुर्तगाली संसद के उपाध्यक्ष एवं नाटो संसदीय सभा के अध्यक्ष महामहिम मार्कोस पेरेस्त्रेला द्वारा गांधी स्मृति के भ्रमण के दौरान महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

21 मार्च 2025 को जर्मनी के विदेश मंत्रालय की मंत्री-राज्य डॉ. अन्ना ल्यूरमान गांधी स्मृति आईं। समिति की निदेशक सुश्री पल्लवी प्रशांत होलकर ने उन्हें महात्मा गांधी की आत्मकथा भेंट कर स्वागत किया। भारत में जर्मनी दूतावास के प्रथम सचिव श्री सेबास्टियन बोर्खमायर भी उपस्थित थे।

जीएसडीएस की प्रभारी निदेशक सुश्री पल्लवी पी. होल्कर द्वारा जर्मनी की विदेश राज्य मंत्री डॉ. अन्ना ल्यूहरमान को गांधी स्मृति में गांधीजी की आत्मकथा भेंट की गई

दक्षिण कोरिया के हनकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज़ के छात्र गांधी दर्शन, राजघाट में प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार (मध्य) के साथ समूह चित्र में

21 मार्च 2025 को समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजीत कुमार ने हांकुक यूनिवर्सिटी ऑफ़ फॉरेन स्टडीज़, दक्षिण कोरिया के छात्रों से गांधी दर्शन, राजघाट में भेंट की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री सोंगजुन किम ने किया। उन्हें गांधी दर्शन संग्रहालय का मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया। इससे पूर्व डॉ. सौरव कुमार राय (शोध अधिकारी) और श्री शकील उनके साथ राजघाट स्थित महात्मा गांधी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कराने ले गए।

30 मार्च 2025 को श्री कॉन्स्टैन्टिनोस कलालत्ज़िस (यूनान/ग्रीस के गाय) गांधी स्मृति आए। उन्होंने गांधीजी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो' को मूल धुन और हिंदी में गाया था, जो गांधीजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित वैश्विक पहल का हिस्सा था। 2019 में वे उन 124 देशों के 124 कलाकारों में शामिल थे जिन्हें भारत सरकार ने इस भजन के गायन हेतु आमंत्रित किया था।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 'अहिंसा का मार्ग' विषय पर आयोजित की विद्यार्थियों की 'कविता पाठ प्रतियोगिता'

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 'गांधी दर्शन के सत्याग्रह मंडप में "अहिंसा का मार्ग" विषय पर एक कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली और एनसीआर के 50 स्कूलों ने भाग लिया। कविता प्रतियोगिता के निर्णायकों में शामिल थे मशहूर संगीतकार व कवि दीपक कैस्टेलिनो, वरिष्ठ कवि विनोद पाराशर, हिन्दी अकादमी दिल्ली की कार्यकारिणी सदस्य व युवा कवयित्री शालू मिश्रा और युवा कवि व गायक हिमांशु कुमार। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव (अकादमी) उमा नंदूरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उनका स्वागत समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद और प्रशासनिक अधिकारी संजीत कुमार ने किया। इस प्रतियोगिता में एमडीएन पब्लिक स्कूल, यमुना एनक्लेव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पंजाब केसरी DELHI ▸ 7 जनवरी, 2025 ▸ मंगलवार

ओम बिरला ने नई गांधी दर्शन आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को राजघाट स्थित 36 एकड़ में फैले गांधी दर्शन परिसर में नव विकसित 'गांधी दर्शन आर्ट गैलरी' का उद्घाटन किया। इस उद्घाटन कार्यक्रम में देशभर से आए लगभग 100 कलाकारों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने की। इस अवसर पर उपस्थित कलाकारों और मूर्तिकारों को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने गांधी दर्शन द्वारा कला की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करने की इस पहल की सराहना की। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी की अहम भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके सिद्धांतों ने वैश्विक स्तर पर अहिंसात्मक आंदोलनों को प्रेरित किया है। विजय गोयल ने कहा कि दिल्ली में कलाकारों के लिए अपने कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए अच्छे स्थानों की कमी है। ऐसे में यह आर्ट गैलरी इस कमी को पूरा करेगी। ...

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 2025 दैनिक जागरण

गांधी जी के सिद्धांतों से अंहिसात्मक आंदोलन की मिली प्रेरणा : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल व अन्य गणमान्य लोग ● जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को राजघाट स्थित 36 एकड़ में फैले गांधी दर्शन परिसर में नव विकसित 'गांधी दर्शन आर्ट गैलरी' का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में देशभर से आए लगभग 100 कलाकारों ने भाग लिया। प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कलाकारों और मूर्तिकारों को संबोधित करते हुए गांधी दर्शन द्वारा कला की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करने की सराहना की। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, गांधी जी के सिद्धांतों ने न केवल भारत को प्रेरित किया, बल्कि वैश्विक स्तर पर अहिंसात्मक आंदोलनों को भी दिशा दी है। उन्होंने कहा कि कलाकारों की सोच और चिंतन उनके सृजन को आकार देता है और यह समाज की सांस्कृतिक और बौद्धिक संरचना में महत्वपूर्ण योगदान करता है। ओम बिरला ने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान भी किया।

कार्यक्रम में विजय गोयल ने कहा कि दिल्ली में कलाकारों के लिए अपने कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए अच्छे स्थानों की कमी है। ऐसे में यह आर्ट गैलरी इस कमी को पूरा करेगी। उन्होंने घोषणा की कि आर्टिस्ट यहां प्रदर्शनियां निःशुल्क होंगी जिसके बाद कलाकार और दर्शक नाममात्र शुल्क देकर गैलरी बुक कर सकेंगे। समय-समय पर कार्यशालाएं, कला शिविर और सहयोगात्मक कार्यक्रम होंगे।

हिन्दुस्तान नई दिल्ली गुरुवार 12 सितंबर 2024 04

गांधी की यात्राओं को समर्पित रेल कोच

Rail coach dedicated to Bapu unveiled at Raj Ghat

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, SEPT. 11

महात्मा गांधी को समर्पित विशेष रेल डिब्बे का अनावरण

केंद्रीय संस्कृति मंत्री बोले, बापू के सिद्धांत दुनियाभर में प्रासंगिक

नई दिल्ली, 11 सितंबर (भाषा)।

रेल डिब्बे का उद्घाटन करते केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत।

सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरुकता लाने के लिए हर घर तिरंगा अभियान के तहत बच्चों ने राजघाट स्थित गांधी दर्शन गांधी वाटिका से लाल किले के पास चरती लाल गोयल हैरिटेज पार्क तक मार्च किया। भूपिंदर सिंह

गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति नई दिल्ली के समिति सदस्यों ने किया बुनियादी विद्यालय का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

चनपटिया। प्रखंड के पराजकीय बुनियादी विद्यालय सिरिसिया अङ्डा का निरीक्षण गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के समिति सदस्यों द्वारा किया गया जिसमें विद्यालय में कार्यरत गांधीयन शिक्षकों एवं बच्चों से पढ़ाई -लिखाई से सम्बंधित जानकारी लिया गया तथा विद्यालय एवं बच्चों से ...

गई, निरीक्षण के क्रम में सभी गांधीयन शिक्षक एवं बच्चे उपस्थित पाये गये तथा बच्चों से सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रकार के सवाल पूछा गया, बच्चों ...

कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ वेदाभ्यास कुंडू, शकील अहमद, समिति सदस्य धर्मवीर शर्मा, सतपाल भाटिया, आदि उपस्थित रहें। निदेशक डॉ ज्वाला प्रसाद द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया एवं इसके महत्व के बारे में बताया गया। गांधीयन शिक्षकों संजय कुमार राय, नितेश कुमार पाण्डेय, राजेश कुमार महतो, सुनील कुमार, अतिमा राय, ...

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने सोमवार को महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चे मौजूद रहे, जिन्हें बापू के बारे में बताया गया। • हिन्दुस्तान

महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण

नई दिल्ली। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने सोमवार को 30 जनवरी मार्ग पर महात्मा गांधी की चरखा चलाते हुए विशाल प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में पहुंचे दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के 350 बच्चों ने एकस्वर में महात्मा गांधी की प्रिय रामधुन 'रघुपति राघव राजा राम' का गायन किया। वहीं, दिल्ली नगर निगम ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में मेले का आयोजन किया। उद्घाटन महापौर डॉ. शैली ओबरॉय ने किया। सिविक सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

महात्मा गांधी का व्यक्तित्व प्रेरक था : विजय गोयल

नई दिल्ली (एसएनबी)। गांधीजी की 155वीं जयंती के मौके पर बुधवार को महात्मा गांधी के शहादत स्थल गांधी स्मृति में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। सोनू निगम ने भक्ति संगीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अनेक देशों के राजनयिक, गांधीवादी कार्यकर्ता व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर गोयल ने कहा कि महात्मा गांधी का व्यक्तित्व बहुत प्रेरक था। गांधीजी ने चरखे और खादी के माध्यम से आत्मनिर्भरता का मंत्र देशवासियों को दिया। उनके विचारों को आत्मसात करके हम अपना व देश का विकास कर सकते हैं। आज यदि गांधीजी को वास्तव में कोई जी रहा है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है। इन्होंने स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, शौचालय, महिला सशक्तिकरण आदि अनेक योजनाओं के जरिए महात्मा गांधी के सपनों को साकार किया है। गायक सोनू निगम ने राम धुन, सुख के सब साथी, अच्युतम केशवं जैसे भजनों से लोगों को भाव विभोर कर दिया। इससे पूर्व विभिन्न धर्मों के गुरुओं ने प्रार्थना प्रस्तुत की।

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी दी बापू को श्रद्धांजलि
- गांधी स्मृति में सर्वधर्म प्रार्थना आयोजित
- गायक सोनू निगम ने भक्ति संगीत प्रस्तुत किया

दैनिक करंट क्राइम — राष्ट्रीय

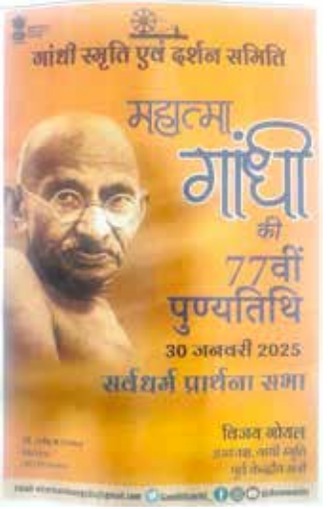

गांधी दर्शन में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस का उत्सव

देशभक्ति का जज्बा: गांधी दर्शन, राजघाट पर मनाया गया

स्माइल प्लीज

महात्मा गांधी की जयंती पर बुधवार को राजघाट स्थित रेल संग्रहालय द्वारा गांधी दर्शन म्यूजियम की समर्पित विशेष ट्रेन के साथ सेल्फी लेते बच्चे।

मेट्रो मीडिया

एक नजर

...लमेज सम्मेलन का आयोजन

दिल्ली,मेट्रो मीडिया। लैंगिक समानता पर तेजी से कार्यान्व... गांधी स्मृति एवम दर्शन समिति ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस प... दर्शन, राजघाट में लैंगिक समानता पर तेजी से कार्यान्वयन... पर एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया। इस पैनल... में खेल, पत्रकारिता, शिक्षा, थिएटर, चिकित्सा, पर्यावरण... कानून और सिविल सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशे... हुए। सत्र की अध्यक्षता समिति निदेशक सुश्री पल्लवी... होल्कर ने की। इस मौके पर जामिया के एक छात्र और... और साहेर द्वारा ने लैंगिक समानता पर लाइव पेंटिंग भी... कार्यक्रम की शुरुआत प्रशासनिक अधिकारी संजीव कुमा... स्वागत भाषण से हुई और संचालन प्रोग्राम अधिकारी डा... कुंडू ने किया। समापन बाला कार्तिक द्वारा भक्ति और... भजनों से सजी भजन संध्या के साथ हुआ। अध्यक्षीय संबो... पल्लवी प्रशांत होल्कर ने महिलाओं के जीवन में चयन (च्वाइ... मौलिक भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि चयन महत्वपूर्ण है... यह समझना उतना ही आवश्यक है कि ये चयन परिभाषि... होते हैं। नीता गोदारा शामिल थीं, जिन्होंने खेलों में महिलाओं... सुरक्षा और सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए... महिलाओं को अपनी आवाज बुलंद करने के लिए प्रेरित किया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने राजघाट पर महात्मा गांधी को अर्पित की श्रद्धांजलि

गांधी दर्शन में धूमधाम से मना स्वतंत्रता का उत्सव

नई दिल्ली, मेट्रो मीडिया

कलाकारों को मिली नई गैलरी, गांधी दर्शन आर्ट गैलरी लॉन्च

लोकसभा अध्यक्ष ने किया सम्मानित

दैनिक चेतना

'गांधी एवं पत्रकारिता' विषय पर सेमिनार का आयोजन

पत्रकारिता में आत्मसंयम और आत्म सेंसरशिप लागू होनी चाहिए: रविशंकर

नवोदय टाइम्स

नई दिल्ली• शुक्रवार• 13 जून, 2025

प्रतिभावानों को मिलेगा नया आयाम : गोयल

गांधी दर्शन में गांधी सखर स्कूल का उद्घाटन

पंजाब केसरी — 31 जनवरी, 2025 • शुक्रवार

प्रकाशक

निदेशक, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति

फ़ोन: 23392795/96/97; 23012843, 23011480, 23019767

ई-मेल: 2010gsds@gmail.com; vicechairmangsds@gmail.com

वेबसाइट: www.gandhismriti.gov.in

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति

मुद्रक: पोहोजा प्रिंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड

गांधी स्मृति
5 तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली – 110011

गांधी दर्शन
राजघाट, नई दिल्ली – 110002